@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

रविवार, 21 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 255 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

इंद्राणी मुखर्जी को विशेष अदालत ने दी विदेश यात्रा की अनुमति

मुंबई, 20 जुलाई। शीना बोरा हत्या मामले में आरोपी मीडिया हस्ती इंद्राणी मुखर्जी को विशेष अदालत की ओर दी गई विदेश यात्रा की अनुमति के आदेश के खिलाफ सीबीआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। सीबीआई ने याचिका में विशेष अदालत के आदेश को रद्द करने की मांग की है। सीबीआई की विशेष अदालत ने शुक्रवार को इंद्राणी मुखर्जी को अगले तीन महीने के लिए रुक-रुककर 10 दिन के लिए यूरोप यात्रा करने की अनुमति दी थी। इस आदेश के खिलाफ सीबीआई ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा कि यह कानून के लिए खराब और मनमाना है। मुखर्जी पर अपनी ही बेटी की हत्या का आरोप है और यह एक गंभीर मामला है। सीबीआई ने याचिका में कहा है कि आरोपी को विदेश यात्रा की अनुमति दी गई है। उनके न्याय से भागने की संभावना है। सीबीआई ने हाईकोर्ट से याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की है। हालांकि सीबीआई की विशेष अदालत ने इंद्राणी मुखर्जी को यात्रा के दौरान कम से कम एक बार भारतीय दूतावास में उपस्थित होने के आदेश दिए हैं। साथ ही उपस्थिति का प्रमाण भी लाने को कहा है। इसके अलावा कोर्ट ने दो लाख रुपये सिक्योरिटी राशि जमा करने के निर्देश भी दिए हैं। बता दें मुखर्जी ने पिछले दिनों अदालत में आवेदन कर काम के सिलसिले में विदेश यात्रा करने की अनुमति मांगी थी। सीबीआई के मुताबिक शीना बोरा (24) की अप्रैल 2012 में हत्या कर दी गई थी। आरोपी इंद्राणी मुखर्जी, उनके तत्कालीन ड्राइवर श्यामवर राय और पूर्व पति संजीव खन्ना ने चलती कार में कथित रूप से गला घोंटकर शीना को मार डाला था।

राज्य में घट रही जनजातीय आबादी, सरकार बनने पर श्वेत पत्र लगाएगी: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

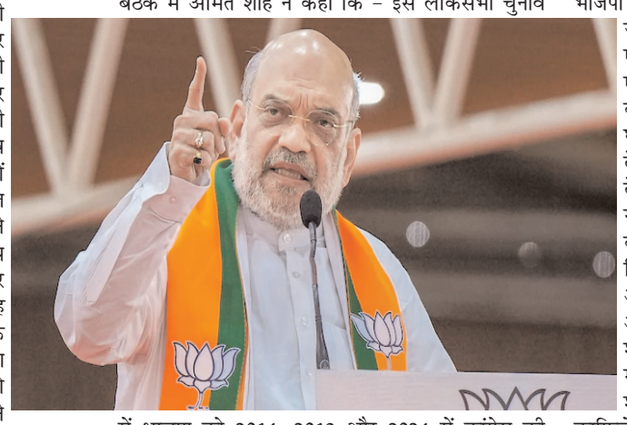

रांची, 20 जुलाई। झारखंड की राजधानी रांची में भाजपा झारखंड की विस्तृत कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्य की झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा की झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार देश में सबसे भ्रष्ट है, जो करोड़ों रुपये के भूमि, शराब, खनन घोटाले में शामिल है। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ के कारण झारखंड में जनजातीय आबादी घट रही है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा राज्य में सरकार बनाती है तो वह जनसांख्यिकी पर एक श्वेत पत्र लाएगी ताकि उनकी भूमि और अधिकारों की रक्षा की जा सके। भाजपा कार्यसमिति की बैठक को संबोधित हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कई बार हम देखते हैं कि लोकतंत्र में जीतने के बाद अहंकार आ जाता है, झारखंड में ऐसे लोग सत्ता में हैं। लेकिन हारने के बाद भी अहंकार, ये मैंने पहली बार देखा है। चुनाव कौन जीता, ये तो सबको पता है, लेकिन कांग्रेस में जो अहंकार है, वो हम सबने देखा है। रांची में पार्टी की बैठक में अमित शाह ने कहा कि - इस लोकसभा चुनाव

में भाजपा को 2014, 2019 और 2024 में कांग्रेस की संयुक्त सीटों से अधिक सीटें मिली हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव हारने के बावजूद राहुल गांधी अहंकार दिखा रहे हैं और हार स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा सरकार बनाएगी और 81 में से 52 सीटों पर कब्जा जमाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा- कि झारखंड के एक सांसद के घर से 300 करोड़ रूपये मिलते हैं, एक नेता के पीए के घर से 30 करोड़ मिलते हैं, कांग्रेस पार्टी जवाब दे ये पैसे किसके हैं? जिसके घर से पैसे मिले हैं, कांग्रेस उसको फिर से टिकट देगी, क्योंकि अगर उसकी टिकट काटी तो वो बता देगा कि ये पैसा किसका है। वहीं इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रांची में झारखंड भाजपा कोर कमेटी की बैठक की। जिसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और अन्य भाजपा नेता भी मौजूद रहे। वहीं गृह मंत्री अमित शाह के शहर में कार्यक्रम के दौरान एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में डीएसपी हटिया प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा, वो शख्स काफिले (केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के काफिले) में शामिल नहीं था। हालांकि, वह तेज गति से गाड़ी चला रहा था और काफिले का पीछा कर रहा था, इसलिए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

नाना पटोले ने मतदाता पंजीकरण में साजिश के आरोप पर निशाना साधा

मुंबई, 20 जुलाई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने मतदाताओं के पंजीकरण में हेराफेरी के आरोप को लेकर शनिवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पर निशाना साधा। नाना पटोले ने पूछा कि सत्तारूढ़ पार्टी पहले यह बताए कि उन्होंने सत्ता में रहते हुए क्या किया। उन्होंने कहा कि वे महाराष्ट्र में सरकार चलाने में विफल रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस के बीच यह जुबानी जंग तब शुरू हुई, जब बावनकुले ने राज्य की चुनाव प्रक्रिया में बड़ी साजिश का आरोप लगाया और मतों के हेराफेरी में फंसे अधिकारियों पर कार्रवाई का अनुरोध किया। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख पटोले ने शनिवार को मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, उन्होंने सत्ता में रहते हुए लोगों के लिए क्या किया है या क्या कर रहे हैं। उन्हें पहले इसका हिसाब देना चाहिए। हारने के बाद आरोप लगाने का कोई फायदा नहीं। उन्होंने कहा, यदि कोई अधिकारी ऐसा करता है, तो उस पर नियंत्रण आपका है और ताकत आपके पास है। आप सरकार चलाने में विफल रहे हैं। आपको नहीं पता कि सरकार कैसे चलाई जाती है। भाजपा पर निशाना साधते हुए पटोले ने कहा, वे केवल यह जानते हैं कि महाराष्ट्र को (उद्योगपति गौतम) अदाणी को कैसे बेचा जाता है और गुजरात से महाराष्ट्र में नशीली दवाओं कैसे लाया जाता है। हम उन लोगों के बारे में क्या कह सकते हैं, जिन्हें नहीं पता कि सरकार कैसे चलाई जाती है? दरअसल, बावनकुले ने दावा किया कि तीन हजार से ज्यादा नाम ऐसे हैं, जिनका पंजीकरण धुले के साथ-साथ मालेगांव में भी हुआ है।

दुकान पर नाम लिखने के यूपी सरकार के आदेश गलत: संजय राउत

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 20 जुलाई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने उत्तर प्रदेश में जारी आदेश को लेकर भाजपा सरकार को घेरा। दुकानों के बाहर नेमप्लेट लगाने के आदेश के पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ऐसे आदेश के माध्यम से देश को विभाजित करने का प्रयास कर रही है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा को लेकर एक आदेश जारी किया गया। जिसमें सभी दुकानदारों से दुकान के बाहर मालिक का नाम बताते हुए नेमप्लेट लगाने का आदेश दिया गया। जिसको लेकर अलग-अलग पार्टी के नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने इस आदेश की जमकर आलोचना की भी की। शनिवार को शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इस आदेश को देश की एकता को छिन्न-भिन्न करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी को ऐसे आदेशों के माध्यम से देश को विभाजित करने से कोई लाभ नहीं होगा। संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अब आप खाद्य पदार्थों की दुकानों

को जाति और धर्म के आधार पर नेमप्लेट लगाने का आदेश दे रहे हैं? क्या देश को विभाजित करना चाहते हैं? इससे आपको लाभ नहीं होने वाला। आप देश की एकता तोड़ रहे हैं? संजय राउत ने कहा कि शिवसेना पार्टी अपने हिंदुत्व के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध है, लेकिन वह समाज में विभाजन पैदा करने का समर्थन नहीं करती। उन्होंने कहा कि अयोध्या, काशी, मथुरा गर्व की बात है। हमने हिंदुत्व के लिए भाजपा से भी संघर्ष किया। उन्होंने सवाल किया कि कब तक हिंदू-मुस्लिम, भारत-पाकिस्तान का यह खेल जारी रहेगा? शिवसेना यूबीटी सांसद ने भाजपा के गठबंधन सहयोगियों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सत्ता के गुलाम हैं। उन्होंने नीतीश कुमार, चंदबाबू नायडू और चिराग पासवान की भूमिका पर सवाल उठाए। संजय राउत ने कहा कि यह देखना होगा कि नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, अपना दल, चिराग पासवान भाजपा की फूट डालो और राज करो का समर्थन करेंगे या नहीं। संजय राउत ने यह भी कहा कि गठबंधन में नीतीश कुमार, चंदबाबू नायडू और चिराग पासवान की भूमिका क्या है? गठबंधन के सहयोगी सत्ता के गुलाम है, अगर हिम्मत है तो उन्हें आगे आना चाहिए।

6,000 अनाथ बच्चों को कानूनी अधिकार देने वाला हिमाचल पहला राज्य

शिमला, 20 जुलाई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने प्रदेश के 6,000 से अधिक अनाथ बच्चों को कानूनी अधिकार प्रदान करते हुए उन्हें 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में अपनाया है। प्रदेश सरकार ने बेसहारा बच्चों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की जिम्मेदारी उठाई है। सरकार की ओर से इन बच्चों के शैक्षणिक व्यय के साथ-साथ जेब खर्च के रूप में 4,000 रुपये प्रति माह प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त भूमिहीन बेसहारा बच्चों को घर बनाने के लिए तीन बिस्वा भूमि, गृह निर्माण के लिए 3 लाख रुपये, स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए 2 लाख रुपये तथा विवाह के खर्च के लिए 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। शनिवार को शिमला में वेद विहार पब्लिक स्कूल एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष केएस श्रीकोट ने मुख्यमंत्री सुख आश्रय कोष के लिए 1,54,08,657 रुपये का चेक भेंट किया। इस धनराशि के अलावा सोसायटी ने 110 बैंच, 16 लकड़ी के बक्से, 84 कुर्सियां, तीन संगीत वाद्य यंत्र और विभिन्न प्रकार की ज्ञानवर्धक पुस्तकें भी प्रदान कीं। इस उदार योगदान के लिए मुख्यमंत्री ने सोसायटी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे समाज के संपन्न वर्गों को वंचित एवं जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए आगे आने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष विनय कुमार, मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी तथा कांग्रेस नेता सतपाल रायजादा भी उपस्थित थे। एचआरटीसी प्रबंधन ने नादौन को नए बस डिपो का तोहफा दिया है। प्रदेश सरकार के आदेशों पर एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक रोहनचंद ठाकुर ने अधिसूचना जारी की है। इस डिपो के तहत कौन से रूट संचालित होंगे,

सीएम भूपेंद्र पटेल ने 1400 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजन का लिया जायजा

कौमी संवाददाता

गांधीनगर (गुजरात), 20 जुलाई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को अहमदाबाद जिले के नलकांठा क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की परियोजना की समीक्षा की। यह परियोजना 1400 करोड़ रुपये की है। इसमें पहले चरण में 377 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। मुख्यमंत्री ने पहले चरण के तहत निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गोरज गांव के नजदीक नर्मदा नहर (स्त्रोत-1) और हांसलपुर के पास नर्मदा नहर (स्त्रोत-3) का दौरा भी किया। मुख्यमंत्री ने फतेवाडी-नलकांठा क्षेत्र में सिंचाई परियोजना के तहत कार्यों को लेकर सरदार सरोवर नर्मदा निगम के प्रमुख के. कैलाशनाथन, प्रबंध निदेश मुकेश पुरी, निदेशक पार्थिव व्यास सहित उच्च अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान पटेल ने कार्यों की गुणवत्ता और तेज प्रगति पर जोर दिया। नर्मदा नहर और फतेवाडी नहर योजना को क्षेत्र

में सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करने के मकसद से शुरू किया गया है। इस परियोजना में नलकांठा के सिंचाई से वंचित 11,000 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल होगा। इस परियोजना से साणंद तहसील के 14, विरमगाम तहसील के 13 और बावला तहसील के 12 सहित नलकांठा के 39 गांवों की करीब 35 हजार हेक्टेयर जमीन को सिंचाई सुविधा मिलेगी। अभी पहले चरण का काम चल रहा है। यह पूरा हो जाने पर करीब 12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र की नर्मदा के पानी से सिंचाई हो सकेगी। पहले चरण के कार्यों पर 377.65 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इस परियोजना का अब तक 65 फीसदी काम पूरा हो चुका है। अगस्त 2025 तक पहला चरण पूरा होगा।

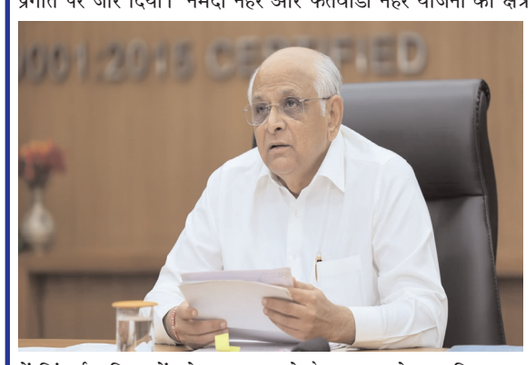

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने की तीन और गिरफ्तारी

जयपुर, 20 जुलाई। पटना नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने भरतपुर मेडिकल कॉलेज के दो छात्रों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार मेडिकल छात्रों की पहचान कुमार मंगलम बिश्नोई और दीपेंद्र कुमार के रूप में हुई है। ये आरोपी सॉल्वर गैंग का हिस्सा थे और घटना वाले दिन हजारीबाग में मौजूद थे। सीबीआई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार टेक्निकल सर्विलेंस टीम ने परीक्षा के दिन उनके हजारीबाग में मौजूद होने की पुष्टि की है। गिरफ्तार किया गया तीसरा शख्स शशि कुमार पासवान एक ऑलराउंडर है जो कि सरगना को हर तरह की मदद मुहैया करा रहा था। मिली जानकारी के मुताबिक ष्टक्चढ्ढ ने 18 जुलाई को भरतपुर के जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज से दीपेंद्र कुमार और कुमार मंगलम विश्नोई को गिरफ्तार किया था। दीपेंद्र 2023 बैच का स्टूडेंट है और कुमार मंगलम 2022 बैच का स्टूडेंट है।

भारत ने कोरोना से हुई मौतों पर किए गए अध्ययन को किया खारिज

नई दिल्ली, 20 जुलाई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अमेरिका की अकादमिक पत्रिका साइंस एडवांसेज में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन की आलोचना की। अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत ने 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान अत्यधिक मृत्यु दर का अनुभव किया। मंत्रालय ने इस अध्ययन को प्रकृति में गलत करार दिया। अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत ने 2019 की तुलना में 17 फीसदी अधिक (11.9 लाख) मौतों का अनुभव किया। इसके मुताबिक, यह आंकड़ा भारत में कोरोना से हुई मौतों की आधिकारिक संख्या से आठ गुना ज्यादा है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमानों की तुलना में 1.5 गुना अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष अस्वीकार्य हैं। इसके लेखकों ने जो विधि अपनाई है, उसमें कई खामियां हैं। मंत्रालय ने कहा कि लेखकों ने जनवरी और अप्रैल 2021 के बीच आयोजिक राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) से घरों के एक उपसमूह का उपयोग किया और 2020 में इन घरों में मृत्यु दर की 2019 से तुलना की और फिर निष्कर्षों को पूरे देश में प्रसारित किया। बयान में कहा गया कि आज प्रकाशित अध्ययन की विधि त्रुटिपूर्ण है और ऐसे निष्कर्ष अस्थिर और अस्वीकार्य हैं। मंत्रालय ने तर्क दिया कि एनएफएचएस नमूना केवल तभी पूरे देश का प्रतिनिधि माना जाता है, जब यह समग्र रूप से किया जाए। 14 राज्यों के विश्लेषण में शामिल 23 फीसदी परिवारों को पूरे देश का प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता है। मंत्रालय ने इस दावे को भी खारिज किया कि भारत सहित निम्न और मध्य आय वाले देशों में नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) कमजोर है। इसने कहा कि भारत की नागरिक पंजीकरण प्रणाली अत्यधिक मजबूत है, जिसमें 99 फीसदी से ज्यादा मौतों को दर्ज किया गया है।

गठबंधन में एनसीपी का स्ट्राइक रेट ज्यादा: शरद पवार

सौरभ शर्मा

पुणे, 20 जुलाई। एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि महाविकास अघाड़ी गठबंधन में हमारा स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा है। लोकसभा चुनाव में एनसीपी में 10 में आठ सीटों पर जीत हासिल की है। मगर एनसीपी इस तरह की रैंकिंग में भरोसा नहीं करती। उन्होंने कहा कि गठबंधन में कोई एकतरफा नहीं है। विधानसभा चुनाव भी गठबंधन के दल मिलकर लड़ेंगे और महाराष्ट्र के लोगों को विकल्प देंगे। पुण के शिरूर से सांसद अमोल कोल्हे के आवास पर पहुंचे एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने महायुति सरकार पर लोगों की समस्याएं न सुनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन (एमवीए) का प्रदर्शन शानदार रहा। एमवीए ने राज्य में 48 में से 30 सीटें जीतीं। विधानसभा चुनाव में जो भी मुद्दे हमारे सामने आएंगे, उन्हें हम मिलकर हल करेंगे। शरद पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिन्होंने हमारे लिए काम किया, उनके हितों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। महायुति सरकार ने लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया। हम विधानसभा में वापसी करना चाहते हैं। सीट बंटवारे को लेकर पवार ने कहा कि हर दल अधिक से अधिक सीटों की मांग करता है। मगर महत्वपूर्ण यह है कि हम उन

सीटों पर चुनाव लड़ें जो हम जीत सकते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक सीट जीती, जबकि एनसीपी ने चार सीटों पर जीत हासिल की थी। पांच साल बाद महाराष्ट्र के लोगों ने गठबंधन को 31 सीटें दी हैं। महाराष्ट्र चुनाव आयोग के तुरहा चुनाव चिह्न हटाने के आदेश को लेकर उन्होंने कहा कि आयोग के फैसले का स्वागत करता हूं। लेकिन यह फैसला महाराष्ट्र तक ही सीमित है। उम्मीद है इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव के बाद एनसीपी ने एक जैसे दिखने वाले तुरहा और तुरही चिह्न को हटाने की चुनाव आयोग से मांग की थी। वहीं विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत एनसीपी ने सत्ताधारी महायुति के काले कामों पर एक पुस्तक का विमोचन किया है। साथ ही राज्यव्यापी घोषणा पत्र के तहत काम शुरू कर दिया है। एनसीपी (ए) के विधायक अतुल बेंके ने शनिवार को पुणे में शिरूर सांसद अमोल कोल्हे के आवास पर एनसीपी (एस) के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। इसे लेकर शरद पवार ने कहा कि यह कोई विशेष मुलाकात नहीं थी। कई लोग मिलने आते हैं। अतुल मेरे दोस्त के बेटे हैं। वहीं जुन्नार सीट से विधायक अतुल बेंके ने कहा कि चुनाव में अभी समय है। कुछ भी हो सकता है। वह महायुति सीट बंटवारे में दादा (अजित पवार) या साहेब (शरद पवार) के साथ आ सकते हैं।

मुंबई को अदाणी सिटी नहीं बनने देंगे, सरकार में आए तो धारावी परियोजना करेंगे रद्द: उद्धव

मुंबई, 20 जुलाई। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि अगर विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के सत्ता में आएगी तो गौतम अदाणी की फर्म को दिए गए धारावी झुग्गी पुनर्विकास परियोजना के टेंडर को रद्द कर दिया जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) भी शामिल है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव अक्टूबर में होने की संभावना है। धारावी के निवासियों और व्यवसायों को लेकर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बड़ा ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि धारावी के निवासियों और व्यवसायों को उजाड़ा न जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यहां रहने वाले लोगों को इलाके में ही 500 वर्ग फीट के घर दिए जाने चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा, हम सत्ता में आने के बाद धारावी झुग्गी पुनर्विकास परियोजना के टेंडर को रद्द कर देंगे। सरकार को जवाब देना चाहिए कि इसे अभी क्यों नहीं रद्द किया जा रहा। हम मुंबई को अदाणी शहर नहीं बनने देंगे। उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि धारावी दुनिया के सबसे घने शहरी इलाकों में से एक है। उन्होंने कहा कि धारावी के पुनर्विकास की परियोजना में अदाणी समूह को अतिरिक्त रियायतें दी गई हैं, जो अनुबंध में निर्दिष्ट ही नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम अतिरिक्त रियायतें नहीं देंगे। हम देखेंगे कि धारावी के निवासियों के लिए क्या अच्छा है? हां अगर धारावी के लोगों के लिए ये सही और अगर जरूरत पड़ी तो हम नया टेंडर जारी करेंगे। उद्धव ठाकरे ने सरकार पर भी कटाक्ष करते हुए पूछा कि क्या वह मुख्यमंत्री लड़की बहन योजना की तर्ज पर लड़का मित्र (प्रिय मित्र) योजना शुरू करने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये की मामूली राशि देना है। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में धारावी पुनर्विकास परियोजना को एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था। शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अनिल देसाई ने धारावी विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना के मौजूदा सांसद राहुल शेवाले के खिलाफ 36,857 की बढ़त हासिल की थी।

बिहारी इतना आगे है तो बिहार इतना पीछे क्यों: चिराग पासवान

नरेश मल्होत्रा

हाजीपुर, 20 जुलाई। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने बिहार सरकार से अपराध और हाल ही में पुल ढहने की घटनाओं के मामलों पर सवाल उठाते हुए सख्त कार्रवाई करके मिसाल कायम करने को कहा है। उन्होंने कहा कि राज्य को विकास की सीढ़ी पर आगे बढ़ने के लिए एक विजन (नजरिये) की जरूरत है। कभी बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष (नीतीश कुमार) के तीखे आलोचक रहे पासवान ने कहा कि सत्तारूढ़ राजग अगला विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ेगा। लेकिन उन्होंने कई ऐसे मुद्दे उठाए, जिनके कारण राज्य का विकास बाधित हुआ है। बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 के अंत में होने हैं। चिराग पासवान ने कहा कि बिहारी इतना आगे है तो बिहार इतना पीछे क्यों है? हमें इस सवाल का जवाब तलाशने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि किस तरह से राज्य के लोग अलग-अलग क्षेत्रों में, सरकारी नौकरियों से लेकर निजी क्षेत्र में, पलायन के बाद अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि एक विजन होना चाहिए और उसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य से पलायन को रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। 23 जुलाई को केंद्रीय बजट पेश किए जाने से पहले पासवान ने कहा कि वह बिहार के लिए विशेष श्रेणी के दर्जे की मांग का समर्थन करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि नीति आयोग की सिफारिशें मांग को स्वीकार करने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को विशेष पैकेज जैसा विकल्प दिया जाना चाहिए। हाल के महीनों में बिहार में लगभग 15 पुलों के ढहने के मामले पर भी पासवान ने अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, पुल गिरने-ढहने के मामले ने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और राज्य को सोशल मीडिया पर चुटकुलों और मीम्स का केंद्र बना दिया। इसे लेकर चिराग पासवान ने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से पता चलता है कि कहीं न कहीं भ्रष्टाचार हुआ है। समझौते किए गए। मैं इस राजनीति में नहीं पड़ना चाहता कि उस समय सरकार में कौन था। हम अब सरकार में हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि यह फिर न हो। जो भी जिम्मेदार है, उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और दंडित

किया जाना चाहिए ताकि भविष्य के लिए एक मिसाल कायम हो। नीतीश कुमार पर उनके रुख में आए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगर वह गठबंधन का हिस्सा हैं, तो उन्हें पूरे दिल से वहां रहना चाहिए। पासवान ने कहा कि मैं गठबंधन का हिस्सा नहीं हो सकता और मुझे आशंकाएं भी हैं, क्योंकि इससे गठबंधन को नुकसान हो सकता था और हमारा प्रदर्शन प्रभावित हो सकता था। एनडीए ने राज्य की 40 लोकसभा सीटों में से 30 पर जीत हासिल की, जिसमें पासवान की पार्टी ने सभी पांच सीटों पर जीत हासिल करके 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट हासिल किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने पिछली राजद सरकारों के तहत राज्य को चलाने के तरीके की तुलना में 'वास्तव में अच्छा' प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है। वहीं, चिराग ने कहा कि अपराध दर पर अंकुश लगाने से राज्य में पर्यटन, खासकर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है, क्योंकि लोगों को बिहार आने से पहले सुरक्षित महसूस करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भगवान राम की पत्नी सीता के लिए सीतामढ़ी में एक भव्य मंदिर और शहर को अयोध्या (जहां श्रद्धालुओं का मानना है कि उनका जन्म हुआ था) से जोड़ना पर्यटन को बहुत बढ़ावा दे सकता है।

ब्राज़ील में कई वाहनों की टक्कर में कम से कम 6 लोगों की मौत

एजेंसी

साओ पाउलो। दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में दो कारों और एक ट्रक की टक्कर में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। स्थानीय अग्निशमन विभाग के हवाले से बताया गया कि हादसा स्थानीय समयानुसार रात करीब 11:30 बजे हुआ। रियो पार्डो शहर के पास एक राजमार्ग पर छह लोगों को ले जा रही एक कार दूसरे वाहन के पीछे से टकरा गई, जिससे दोनों एक ट्रक से आमने-सामने टकरा गए।रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वाले लोग एक ही कार में थे, जबकि दूसरे वाहन और ट्रक के चालक दुर्घटना में बच गए। रियो पार्डो शहर दक्षिण अमेरिकी देश के दक्षिणी क्षेत्र में रियो ग्रांडे डो सुल राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे से लगभग 140 किलोमीटर दूर स्थित है।

दक्षिण अफ्रीका ने इज़रायल की निपटान गतिविधि पर संयुक्त राष्ट्र न्यायालय के फैसले का किया स्वागत

एजेंसी

केप टाउन । दक्षिण अफ्रीकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सरकार फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे के कानूनी परिणामों पर संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) की सलाहकारी राय का स्वागत करती है। संयुक्त राष्ट्र अदालत ने फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे के कानूनी परिणामों पर एक सलाहकार राय जारी की। आईसीजे ने कहा कि इजरायली निपटान गतिविधि अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करती है और विलय का गठन करती है। अदालत ने इज़रायल से अपनी नई निपटान गतिविधियों और फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों में अपनी अवैध उपस्थिति को रोकने और कब्जे से हुए नुकसान के लिए मुआवज़ा देने का आह्वान किया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा,'दक्षिण अफ्रीका की सरकार पूर्वी येरुशलम सहित कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में इजरायल की नीतियों और प्रथाओं से उत्पन्न कानूनी परिणामों के संबंध में हेग में आज जारी अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की सलाहकार राय का स्वागत करती है।

कनाडाई प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल में बदलाव की घोषणा की

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कैबिनेट में बदलाव की घोषणा की है। प्रधान मंत्री कार्यालय से एक समाचार विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रूडो ने स्टीवन मैकिनॉन को कनाडा के नए श्रम और वरिष्ठ मंत्री के रूप में नामित किया, जो निवर्तमान मंत्री सीमस ओरेगन द्वारा छोड़ी गई रिक्ति को भरेंगे।मैकिनॉन ने हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार के नेता के रूप में अपनी वर्तमान भूमिका से हटकर, सुबह अपनी नई भूमिका की शपथ ली।विज्ञप्ति में कहा गया है कि जुलाई के अंत में माता-पिता की छुट्टी से लौटने पर मंत्री करीना गोल्ड हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार के नेता के रूप में अपनी भूमिका फिर से शुरू करेंगी।

मध्य गाजा में इजरायली हवाई हमलों में 13 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा। मध्य गाजा पट्टी में नुसेरात शरणार्थी शिविर में दो घरों पर इजरायल की ओर से की गयी बमबारी में कम से कम 13 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। फिलिस्तीनी सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली बमबारी में दो घर नष्ट हो गए और आसपास के घरों को काफी नुकसान पहुंचा। चिकित्सा सूत्रों ने चीन की न्यूज एजोंसी बताया कि बमबारी में महिलाओं और बच्चों सहित 13 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। इजरायली सेना ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

उत्तर-पश्चिम चीन में बाढ़ के कारण पुल ढहने से 11 लोगों की मौत

एजेंसी

शांक्सी प्रांत। चीन के शांक्सी प्रांत में अचानक बाढ़ से राजमार्ग पर स्थित एक पुल के आंशिक रूप से ढह गया। जिसके कारण लगभग 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। वहीं बचाव दल को भी भेजा गया है।

चीन के शांक्सी में बाढ़ के कारण अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। अचानक बाढ़ के कारण राजमार्ग पर स्थित एक पुल ढह गया। चीनी सरकारी के अनुसार शांग्लुओ शहर के झाशुई काउंटी में स्थित यह पुल शाम को अचानक हुई बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण ढह गया। पुल ढहने से शनिवार सुबह तक 11 लोगों की मौत की अधिकारियों ने पुष्टि की।

आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय के अनुसार, बचाव प्रयासों का मार्गदर्शन करने के लिए एक दल भेजा गया है। चीन की राष्ट्रीय व्यापक अग्निशमन एवं बचाव दल ने बचाव कार्य करने के लिए 736 लोगों, 76 वाहनों, 18 नावों और 32 ड्रोन को भेजा है। उन्होंने यह भी बताया कि बचाव दल ने नदी में गिरे पांच वाहनों को बरामद कर लिया है और बचाव अभियान जारी है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुल के ढहने के बाद लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए व्यापक बचाव और राहत प्रयास करने का आग्रह किया।

उत्तरी इराक में हवाई हमले में तीन आईएस आतंकवादी मारे गये

एजेंसी

बगदाद। इराकी युद्धक विमानों ने उत्तरी इराक में हवाई हमला किया, जिसमें किरकुक और सलादीन प्रांतों के बीच एक पहाड़ी इलाके में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के तीन आतंकवादी मारे गये। इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड से संबद्ध मीडिया आउटलेट सिक्योरिटी मीडिया सेल (एसएमसी) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि खुफिया रिपोर्टों के आधार पर स्थानीय समय सुबह 5:00 बजे हवाई हमले में आतंकवादियों को निशाना बनाया गया। एसएमसी के एक बाद के बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों को बमबारी स्थल पर तीन आईएस आतंकवादियों के शव मिले और हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बेल्ट जब्त किए गए। नष्ट किए गए हथियार और संचार उपकरण भी पाए गए। एक सैन्य सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मारे गए आतंकवादियों में से एक वरिष्ठ आईएस सदस्य था जिसकी इराकी सुरक्षा बलों को तलाश थी।जबकि 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में समग्र सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है, समूह के अवशेष शहरी क्षेत्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में सुरक्षा बलों और नागरिकों पर छिटपुट गुरिल्ला हमले करना जारी रख हुये है।

'फर्जी' क्राउडस्ट्राइक कर्मी ने ली माइक्रोसॉफ्ट सर्वर डाउन करने की जिम्मेदारी? खुद बताई वजह

वाशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर डाउन की समस्या से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मच गई। दुनियाभर में एयरलाइंस, बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों और टीवी चैनल्स इस तकनीकी संकट से प्रभावित हुए। शुक्रवार को एक अपडेट के चलते माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले कंप्यूटर्स ने काम करना बंद कर दिया। साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक के एक एंटी वायरस प्रोग्राम फाल्कन सेंसर को अपेडट करने के चलते तकनीकी संकट आया।

वायरल हुई विंसेंट की पोस्ट

पूरी दुनिया में इस बात की चर्चा है कि हाल के समय के सबसे बड़े आईटी संकट के पीछे क्या वजह है? और इसके पीछे कौन है? इन सभी सवालों के बीच विंसेंट फ्लीबस्टियर नाम का एक शख्स सामने आया है। दरअसल विंसेंट ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर खुद को क्राउडस्ट्राइक का कर्मचारी बताया और दावा किया कि उसकी गलती की वजह से माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर डाउन हुआ और पूरी दुनिया इससे प्रभावित हुई। विंसेंट ने अपने पोस्ट में क्राउडस्ट्राइक में के ऑफिस में अपनी एक तस्वीर को साझा करते हुए लिखा क्राउडस्ट्राइक में पहला दिन। एक छोटा सा अपडेट किया और फिर दोपहर में छुट्टी ले ली। विंसेंट की यह फोटो कुछ ही देर में वायरल हो गई और लाखों लोगों ने इस लाइक किया और 36 हजार से ज्यादा लोगों ने शेयर किया।

विंसेंट के झूठ को लोगों ने सच माना

बाद में पता चला कि विंसेंट ने सिर्फ मजाक किया है, लेकिन तब तक लाखों लोग विंसेंट के झूठ को सच मान चुके थे। करीब दो घंटे बाद विंसेंट ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि कंपनी ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया है।

विंसेंट ने लिखा कि सिस्टम एडमिन के रूप में उसका क्राउडस्ट्राइक में पहला दिन था और अति उत्साह में उसने एक छोटा सा अपडेट किया और फिर घर चला गया, लेकिन शायद मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। मुझे बिना टेस्टिंग के अपडेट को प्रोडक्शन में नहीं डालना चाहिए था। इससे तकनीकी समस्या हुई और उसके चलते मुझे नौकरी से निकाल दिया गया।

नाइजीरिया ने कानूनों का उल्लंघन करने के लिए मेटा पर 22 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया

एजेंसी

अबुजा। नाइजीरिया के संघीय प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता संरक्षण आयोग (एफसीसीपीसी) ने कहा कि उसने फेसबुक और व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म पर डेटा साझा करने की जांच के बाद स्थानीय उपभोक्ता और डेटा संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने के लिए मेटा पर 22 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। आयोग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, अंतिम आदेश में केवल दो सौ बीस मिलियन अमेरिकी डॉलर का मौद्रिक जुर्माना लगाया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मेटा ने अपने प्लेटफॉर्म पर नाइजीरियाई उपयोगकर्ताओं के डेटा का उनकी सहमति के बिना दुरुपयोग किया, अपनी प्रमुख बाजार स्थिति का दुरुपयोग किया और समान नियमों वाले अन्य न्यायालयों की तुलना में नाइजीरियाई लोगों के साथ भेदभावपूर्ण और असमान व्यवहार किया।यूरोपीय नियामकों ने व्यक्तिगत डेटा गोपनीयता मुद्दों के लिए कंपनी पर बार-बार जुर्माना लगाया है। आयरलैंड ने यूरोपीय संघ से संयुक्त राज्य अमेरिका में व्यक्तिगत डेटा के हस्तांतरण से संबंधित उल्लंघनों के लिए मेटा पर रिकॉर्ड 1.2 अरब यूरो का जुर्माना लगाया।

ब्रिटेन सरकार बनाएगी सीमा सुरक्षा कमान

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की नवनिर्वाचित लेबर सरकार ने रवांडा निर्वासन योजना को रद्द करने का फैसला किया है, इस योजना को दिये गये पैसे से करोड़ो पाउंड लेकर सीमा सुरक्षा कमान बनायी जायेगी। स्काई न्यूज ने गृह सचिव यवेट कूपर का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि नई कमान देश की सुरक्षा सेवाओं के साथ-साथ आव्रजन और सीमा नियंत्रण के रणनीतिक प्रबंधन में लगी रहेगी। जब उनसे पूछा गया कि देश में अवैध प्रवासियों का प्रवाह कब कम होना शुरू होगा, तो कूपर ने कहा कि वह जल्द से जल्द इस मामले में प्रगति चाहती हैं, लेकिन उन्होंने बताया कि नई सरकार को यह समस्या कंजरवेटिव से विरासत में मिली है। ब्रिटेन और रवांडा ने 2022 में एक प्रवास समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत ब्रिटिश सरकार द्वारा अवैध प्रवासियों या शरण चाहने वालों के रूप में पहचाने जाने वाले लोगों को प्रोसेसिंग, शरण और पुनर्वास के लिए रवांडा भेजा जाएगा। इस योजना की मानवाधिकार संगठनों के साथ-साथ यूके के कई राजनेताओं और अधिकारियों ने आलोचना की है। कीर स्टारमर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी ने गुरुवार के चुनाव के बाद हाउस ऑफ कॉमन्स में कुल मिलाकर बहुमत हासिल किया, संसद के 650 सीटों वाले निचले सदन को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक 326 सीटों से कहीं ज़्यादा सीटें जीतीं।इससे कंजर्वेटिव पार्टी की सत्ता पर 14 साल की पकड़ खत्म हो गई।

इंडोनेशिया में भूस्खलन: मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हुई, 17 लापता

एजेंसी

जकार्ता। आपदा एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इंडोनेशिया के गोरोंतालो प्रांत में बोन बोलांगो रीजेंसी में एक सोने की खदान में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 17 अन्य लापता हैं।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी की संचालन इकाई के प्रमुख अचरिल बेबीओंगो ने कहा कि भारी बारिश के कारण शनिवार आधी रात को रीजेंसी में स्थित खदान में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आ गई, जिससे खनिकों के शिविर प्रभावित हुए और वे बह गए। उन्होंने फोन के जरिए बताया, मरने वालों की संख्या अब 11 हो गई है और 17 लोग कथित तौर पर लापता हैं। उन्होंने बताया कि मिशन में स्थानीय खोज एवं बचाव कार्यालय के लगभग 180 कर्मी, सैनिक, पुलिसकर्मी और आपदा एजेंसी के कर्मी शामिल थे। गोरोंतालो खोज और बचाव दल के प्रमुख हेरियांतो ने सोमवार को कहा कि खनन स्थल के दूरस्थ स्थान और चुनौतीपूर्ण सड़क की स्थिति के कारण खोज प्रयासों में बाधा आई, जो कई टूटे हुए पुलों के कारण वाहनों के लिए दुर्गम थे, जिससे पैदल यात्रा करना आवश्यक हो गया। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने यह भी बताया कि पांच उप-जिलों में 288 घर प्रभावित हुए, मुख्य रूप से कीचड़ और मलबे से भर गए। आपदा से कम से कम 1,029 निवासी प्रभावित हुए हैं।

एससीओ को कमजोर करने में पाकिस्तान और चीन की भूमिका की ओर भारत का इशारा

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के महत्व की प्रशंसा करते हुए भारत ने पाकिस्तान और चीन की भूमिका की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा है कि दोनों देश इसे कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रभारी आर रवींद्र ने सुरक्षा परिषद में एक संबोधन में क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर दिया और बिना किसी देश का नाम लिए आतंकवाद को पाकिस्तान से जोड़ा।

उन्होंने कहा, कुछ देश आतंकवाद को स्टेट पॉलिसी के रूप में उपयोग कर रहे हैं, इस तरह के दृष्टिकोण से एससीओ सहित बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग प्रभावित होने की संभावना है। उन्होंने कहा, भारत ने कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान की लगातार वकालत की है। रवींद्र का इशारा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चीनी परियोजनाओं को लेकर था। वह रूस द्वारा बुलाई गई सुरक्षा परिषद की बैठक में बोल रहे थे। रवींद्र ने कहा, भारत एससीओ के भीतर विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ समानता, सम्मान और आपसी समझ के आधार पर भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने को उच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा, एससीओ में भारत की प्राथमिकताएं प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) के 'सिक्योर' एससीओ के दृष्टिकोण को लेकर है। उन्होंने बताया कि 'सिक्योर' का मतलब सिक्योरिटी, इकनोमिक कोऑपरेशन, कनेक्टिविटी, यूनिटी, रेस्पेक्ट फॉर सावरेंटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी और एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन है।'

उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और आतंकवादियों और उसके समूहों पर प्रतिबंधों को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'कजाकिस्तान के अस्ताना में 4 जुलाई को हुए एससीओ शिखर सम्मेलन ने अपने घोषणापत्र में कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन देशों को अलग-थलग करना चाहिए और उन्हें बेनकाब करना चाहिए जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं और आतंकवाद का समर्थन करते हैं। हालांकि, अमेरिकी स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने एससीओ के आतंकवाद विरोधी प्रयासों पर सवाल उठाया। उन्होंने एससीओ देशों पर ÷आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ने की आड़ में जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'एससीओ सदस्य देशों ने क्षेत्रीय राजनीतिक स्वायत्तता के महत्व के बारे में बताने को लेकर लोगों पर मुकदमा चलाया है। अन्य एससीओ सदस्य देशों में दमन से भाग रहे शरणार्थियों को जबरन वापस भेजा है। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि 'मानव अधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध को उचित ठहराने के प्रयास में क्षेत्रीय संगठन कुछ गलत धारणाओं को बढ़ावा दे रहे हैं'। एससीओ दस देशों का एक अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें भारत औपचारिक रूप से 2015 में शामिल हुआ था। इसके अन्य सदस्य देश रूस, चीन, पाकिस्तान और ईरान, चार सेंट्रल एशियाई देश, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान और ताजिकिस्तान और रूस का यूरोपीय सहयोगी बेलारूस है जो हाल ही में इस संगठन में शामिल हुआ है। रवींद्र ने कहा, 'भारत सेंट्रल एशिया के लोगों के साथ गहरे संबंध साझा करता है।' उन्होंने कहा कि भारत ने इन देशों में विकास परियोजनाओं के लिए 1 बिलियन डॉलर की ऋण सहायता की पेशकश की है। भारत-सेंट्रल एशिया वार्ता मंच भारत और सेंट्रल एशियाई देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए काम करता है। उन्होंने आगे कहा कि ईरान में चाबहार बंदरगाह को विकसित करने के लिए भारत का अनुबंध अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया के लिए एक कनेक्टिविटी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बैठक की अध्यक्षता करने वाले रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई वर्शिनी ने कहा कि एससीओ, सीआईएस और सीएसटीओ ने ÷एकीकरण प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने, संघर्षों को रोकने और आतंकवाद का मुकाबला करने सहित महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त किए हैं।उन्होंने कहा, एससीओ की प्राथमिकता आतंकवाद, अलगाववाद, उग्रवाद, मादक पदार्थों की तस्करी और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के खतरों का मुकाबला करना है, विशेष रूप से अफगानिस्तान से पैदा होने वाले। चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने आतंकवाद के खतरों पर भी बात की।

बांग्लादेश में छात्रों ने जेल में आग लगाकर मचाया उत्पात, सैकड़ों कैदी हुए फरार..

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में छात्रों का आंदोलन लगातार हिंसक होता जा रहा है। स्टूडेंट्स नौकरी में रिजर्वेशन खत्म करने की मांग कर रहे हैं। हिंसक प्रदर्शन में अभी तक 64 लोगों की मौत हो चुकी है.।वहीं, प्रदर्शनकारी छात्रों ने नरसिंगडी जिले की एक जेल की इमारत में आग लगा दी और सैकड़ों कैदियों को मुक्त करा दिया।

समाचार एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि कैदी जेल से भाग गए और प्रदर्शनकारियों ने जेल में आग लगा दी। पुलिसकर्मी ने कहा कि मुझे कैदियों की संख्या नहीं पता, लेकिन यह सैकड़ों में होगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने जेल से भागने की खबर की पुष्टि की, लेकिन आगे कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।ढाका पुलिस ने हिंसक प्रदर्शन रोकने के उद्देश्य से सभी सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस प्रमुख हबीबुर रहमान ने कहा कि हमने आज ढाका में सभी रैलियों, जुलूसों और सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया है.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मोदी ने वियतनामी नेता गुयेन फू ट्रोंग के निधन पर दुख व्यक्त किया

एजेंसी

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वियतनाम के लंबे समय तक नेता रहे गुयेन फू ट्रोंग के निधन पर दुख व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वियतनाम के लोगों और नेतृत्व के साथ भारत एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा कि 'वियतनामी नेता, महासचिव गुयेन फु ट्रोंग के निधन की खबर से दुखी हूं। हम दिवंगत नेता को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और दुख की इस घड़ी में वियतनाम के लोगों और नेतृत्व के साथ एकजुटता से खड़े हैं।वियतनाम की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख गुयेन फु ट्रोंग का 13 वर्षों तक देश के सबसे शक्तिशाली पद पर रहने के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। उनका निधन सरकार द्वारा यह घोषणा करने के कुछ दिनों हुआ है जिसमें कहा गया था कि वह अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पद छोड़ रहे हैं और उन्होंने राष्ट्रपति टू लैम को कार्यभार सौंप दिया है।2011 से वियतनाम की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और राष्ट्रपति पद पर रहते हुए, ट्रोंग को दशकों में देश के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक के रूप में देखा जाता था। जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ट्रोंग की मृत्यु बुढ़ापे और गंभीर बीमारी के कारण हुई।

ओमान के पास डूबे जहाज़ से नौ क्रू सदस्य बचाए गए

एजेंसी

नई दिल्ली । ओमान के समीप समुद्र में डूबे वाणिज्यिक जलपोत में सवार चालक दल के नौ सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है जबकि एक की मौत हो गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि जलपोत एमटी फाल्कन प्रेस्टीज सोमवार 15 जुलाई को डूबा था जिसकी खोज एवं बचाव अभियान के दौरान के चालक दल के नौ सदस्यों (8 भारतीय और 1 श्रीलंकाई) को जीवित बचा लिया गया है। इस घटना में क्रू के एक सदस्य की मौत हो गई है। प्रवक्ता ने कहा कि जहाज़ में चालक दल के 16 सदस्य सवार थे बाकी छह सदस्यों को खोजने के लिए खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री पाटिल ने जल जीवन मिशन की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने मध्यप्रदेश के जलजीवन मिशन की समीक्षा की। बैठक में मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके भी उपस्थित थीं। मंत्री श्रीमती उईके ने बताया कि जल जीवन मिशन के माध्यम से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा प्रशासनिक अमला प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आकांक्षाओं के अनुरूप हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने और जल संरक्षण की

दिशा में कटिबद्ध है। बैठक में सचिव श्री पी. नरहरि ने प्रदेश में जल जीवन मिशन में किए गए कार्यों की जानकारी दी। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री पाटिल एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने जल जीवन मिशन की सफलता की कहानियों पर केन्द्रित पुस्तक का विमोचन भी किया।

निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड के विरुद्ध श्रमिक संगठनों का प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली।निर्माण मजदूरों के पंजीकरण, नवीनीकरण और हितलाभ की मांग तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध राष्ट्रीय राजधानी के भवन निर्माण मजदूर संगठनों ने दिल्ली भवन एवं अन्य सन्निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के मुख्यालय प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में श्रमिक संगठनों ने बोर्ड की उप सचिव माला सूद को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि दिल्ली में भवन निर्माण के मजदूरों का बिना किसी भेदभाव के पंजीकरण और नवीनीकरण व्यवस्था की

जानी चाहिए। मजदूरों को उनके निर्धारित लाभ और सुविधायें समय पर उपलब्ध कराने चाहिए। इसके अलावा भ्रष्टाचार को 'कतई सहन नहीं' की नीति अपनायी जानी चाहिए और भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल दिल्ली असंगठित निर्माण मजदूर यूनियन के सचिव और निर्माण मजदूर अधिकार अभियान के संयोजक थानेश्वर दयाल आदिगौड़ ने कहा कि दिल्ली में निर्माण श्रमिकों को उनके निर्धारित लाभ नहीं दिये जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मजदूरों को कल्याण बोर्ड का लाभ मिल रहा है जो निर्माण श्रमिक नहीं है।

बिलकिस बानो मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे दो दोषियों की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुजरात में वर्ष 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के कई सदस्यों की निर्मम हत्या के दोषी दो लोगों की अंतरिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार की पीठ ने दोषी राधेश्याम भगवानदास उर्फ लाला वकील और राजूभाई बाबूलाल सोनी की याचिकाओं पर की वैधता पर सवाल उठाते हुए उन पर विचार करने से साफ तौर पर इनकार कर दिया।

ढाका में भारतीय उच्चायोग ने 125 छात्रों सहित 245 भारतीयों को भारत पहुंचने में मदद की

एजेंसी

नई दिल्ली । हिंसा प्रभावित बंगलादेश से 125 छात्रों सहित लगभग 245 भारतीय नागरिक भारत पहुंचे। सुत्रों ने कहा कि ढाका में भारतीय उच्चायोग ने उनकी भारत वापसी की सुविधा प्रदान की। बंगलादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के बीच ढाका में भारतीय उच्चायोग भारत की यात्रा करने के लिए इच्छुक छात्रों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए बंगलादेश में स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है।

सूत्रों ने कहा कि भारतीय उच्चायोग बीएसएफ और आव्रजन ब्यूरो के समन्वय से बंगलादेश से भारत लौट रहे भारतीय छात्रों की मदद कर रहा है। आज रात लगभग

आठ बजे तक पश्चिम बंगाल के गेडे में आव्रजन स्थल से 125 छात्रों समेत 245 भारतीयों ने सीमा पार किया। 13 नेपाली छात्रों ने भी सीमा पार किया, जिन्हें भारतीय उच्चायोग ने मदद पहुंचाई। सूत्रों ने कहा कि भारत और बंगलादेश के बीच सीमा पार, बिंदुओं परः बेनापोल-पेट्रापोल; गेदे-दर्शन; और अखौरा-अगरतला - छात्रों और भारतीय नागरिकों के भारत आने के लिए खुले रहेंगे। सूत्रों ने कहा कि ढाका में भारतीय उच्चायोग और बंगलादेश में सहायक भारतीय उच्चायोग भारतीय नागरिकों को आवश्यक किसी भी सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे। बंगलादेश में युद्ध के दिग्गजों के परिवार के सदस्यों को नौकरियों में आरक्षण देने के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है, पुलिस के साथ हुई झड़पों में अबतक लगभग 30 लोगों के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने की खबरें हैं।

रूसी सेना से छूटेंगे 50 भारतीय

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि रूसी सेना में भर्ती करीब 50 भारतीयों ने वापस लौटने के लिए भारतीय दूतावास से अनुरोध किया है जिस पर भारत एवं रूस सकारात्मक कोशिश कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि हम लगभग 50 भारतीय नागरिकों के बारे में जानते हैं जो वर्तमान में रूसी सशस्त्र बलों में अपना रोजगार समाप्त करना चाहते हैं। ये ऐसे मामले हैं जहां व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्यों ने अपनी शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने में सहायता के लिए हमसे संपर्क किया है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत द्वारा शीर्ष नेतृत्व स्तर सहित विभिन्न स्तरों पर इस मुद्दे को उठाया गया है। प्रधानमंत्री ने अपनी हालिया रूस यात्रा के दौरान यह मामला उठाया था।

रूसी पक्ष ने हमारे अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। दोनों पक्ष भारतीय नागरिकों की शीघ्र रिहाई के लिए काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने सेना व नौसेना प्रमुख सहित 31 अधिकारियों को परम विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी सहित 31 वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को परम विशिष्ट सेवा पदकों से सम्मानित किया ।

श्रीमती मुर्मु ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के दूसरे चरण के दौरान सैन्य कर्मियों को विशिष्ट और लेखनिया सेवा के लिए ये पदक के प्रदान किए। उन्होंने सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक बल के 94 कर्मियों को विशिष्ट सेवा अलंकरण भी प्रदान किए। इन अलंकरणों में 31 परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), चार उत्तम युद्ध सेवा पदक (यूबाईएसएम), दो बार सहित अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), और 57 एवीएसएम पदक शामिल

हैं।हाल ही में सेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख नियुक्त किए गए जनरल दिवेदी और एडमिरल त्रिपाठी को भी परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ अनेक गण मान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता को लेकर अमेरिका के बयान को खारिज किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी की रणनीतिक स्वायत्तता को लेकर दिये गये बयान सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझीदारी में वैचारिक असहमति का भी सम्मान निहित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में अमेरिकी राजदूत के बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा, भारत, कई अन्य देशों की तरह, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता है।अमेरिकी राजदूत अपनी राय रखने के हकदार हैं। जाहिर है, हमारे विचार अलग-अलग हैं। अमेरिका के साथ हमारी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी हमें एक-दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करते हुए, कुछ मुद्दों पर

असहमत होने के लिए सहमत होने का अवसर देती है। एक पूरक प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने कहा, भारत और अमेरिका, व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझीदार के रूप में, आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर नियमित चर्चा करते हैं। राजनयिक बातचीत का ब्योरा साझा करना हमारी परंपरा नहीं है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमले के बारे में एक सवाल पर श्री जायसवाल ने कहा,÷हमने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले की खबरें देखी हैं। खबर के कुछ ही घंटों के भीतर हमारे प्रधानमंत्री ने हमले पर गहरी चिंता जताई और घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने यह भी कहा था कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। अमेरिका एक साथी लोकतंत्र है और हम उनके अच्छे होने की कामना करते हैं।

शाह ने की खुफिया ब्यूरो के कामकाज की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विभिन्न सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों के साथ यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए देश में सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए जिम्मेदार खुफिया ब्यूरो (आईबी) के मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) के कामकाज की समीक्षा की।

जम्मू कश्मीर में पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा बलों की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने देश भर की सुरक्षा एजेंसियों और अन्य खुफिया और प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों को राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार का संपूर्ण और समग्र दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने देश में उभरते सुरक्षा खतरे के परिदृश्य से निपटने के लिए आतंकी नेटवर्क और उनके सहायक इको-सिस्टम को खत्म करने के लिए सभी एजेंसियों के बीच अधिक तालमेल पर जोर दिया। गृह मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि एमएसी को विभिन्न हितधारकों के बीच सक्रिय और वास्तविक समय पर कार्रवाई योग्य जानकारी साझा करने के लिए एक मंच के रूप में दिन रात काम करना जारी रखना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, एमएसी ढांचा अपनी पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए व्यापक तकनीकी और परिचालन सुधार के लिए तैयार है।

यूपीएससी ने पूजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, उम्मीदवारी रद्द करने के लिए नोटिस जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने महाराष्ट्र केडर की प्रशिक्षु भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी पूजा खेडकर के कदाचार की विस्तृत और गहन जांच करने के बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और उसका चयन रद्द करने तथा भविष्य की परीक्षाओं से वंचित करने के लिए उसे कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

यूपीएससी ने कहा कि जांच में पाया कि पूजा ने नियमों का उल्लंघन किया है। यूपीएससी ने कहा, ÷सिलसेवार जांच से पता चला है कि प्रशिक्षु आईएएस ने धोखाधड़ी से सिविल सेवा परीक्षा की उच्चतम आयु सीमा को बढ़ाया जिसके लिए उसने अपना नाम, अपने पिता-माता का नाम, अपनी तस्वीर/हस्ताक्षर, अपना ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलकर अपनी फर्जी पहचान बनाकर परीक्षा नियमों के तहत स्वीकार्य सीमा से अधिक प्रयास का लाभ उठाया। इसके लिए उसके खिलाफ पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है। उसका चयन रद्द करने और भविष्य की परीक्षाओं से वंचित करने के लिए उसे कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में अपने संवैधानिक जनादेश का सख्ती से पालन करता है और बिना किसी समझौते के उचित परिश्रम के उच्चतम क्रम के साथ सभी परीक्षाओं सहित अपनी सभी प्रक्रियाओं का संचालन करता है। यूपीएससी ने अत्यंत निष्पक्षता और नियमों के सख्त पालन के साथ अपनी सभी परीक्षा प्रक्रियाओं की पवित्रता और अखंडता सुनिश्चित की है। यूपीएससी ने जनता, विशेषकर उम्मीदवारों से बहुत उच्च स्तर का विश्वास और विश्वसनीयता अर्जित की है। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध है कि विश्वास और विश्वसनीयता का ऐसा उच्च क्रम बरकरार रहे और समझौता न किया जाये।इस सप्ताह की शुरुआत में, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) ने पूजा के 'जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम' को रोक दिया और उसे वाशिम से अकादमी में वापस बुला लिया। उसने पुणे से स्थानांतरित होने के बाद वाशिम में अपना प्रशिक्षण जारी रखा था। उल्लेखनीय है कि जून 2024 में अपने परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में पुणे कलेक्टरेट में शामिल हुई पूजा पर यूपीएसई सिविल सेवा परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) कोटा का दुरुपयोग करने का भी आरोप है।

पुणे के कलेक्टर सुहास दिवसे द्वारा पूजा की विशेष सुविधाओं की अनुपयुक्त मांगों के बारे में प्रस्तुत की गई एक रिपोर्ट ने मौजूदा विवाद को जन्म दिया है। जून 2023 की एक घटना को लेकर पुलिस ने उसकी मां और पिता पर भी मामला दर्ज किया है। पूजा की मां मनोरमा खेडकर को ग्रामीण पुलिस ने कथित तौर पर बंदूक दिखाकर किसानों को धमकाने के आरोप में गुरुवार को गिरफ्तार किया है।

मनोरमा के खिलाफ किसानों को धमकाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि इसी शिकायत के आधार पर मनोरमा को रायगढ़ जिले के महाड स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया गया।

दुकानों पर मालिक का नाम लिखवाना विभाजनकारी मानसिकता : प्रियंका

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कांवड़ मार्ग पर दुकानों पर मालिक का नाम लिखने के आदेश को विभाजनकारी मानसिकता का परिणाम बताते हुए कहा कि इस आदेश को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। श्रीमती वाड्रा ने आज यहां कहा, 'हमारा संविधान हर नागरिक को गारंटी देता है कि उसके साथ जाति, धर्म, भाषा या किसी अन्य आधार पर भेदभाव नहीं होगा।

उत्तर प्रदेश में ठेलों, खोमचों और दुकानों पर उनके मालिकों के नाम का बोर्ड लगाने का विभाजनकारी आदेश हमारे संविधान, हमारे लोकतंत्र और हमारी साझी विरासत पर हमला है। उन्होंने कहा ,समाज में जाति और धर्म के आधार पर विभाजन पैदा करना संविधान के खिलाफ अपराध है। यह आदेश तुरंत वापस लिया जाना चाहिए और जिन अधिकारियों ने इसे जारी किया है, उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

कमजोर लोगों को सबसे अधिक प्रभावित करता है जलवायु परिवर्तनः धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जलवायु न्याय का आह्वान करते हुए कहा कि यह हाशिये के और कमजोर लोगों को सबसे अधिक प्रभावित करता है।

श्री धनखड़ ने यहां ÷जैव ऊर्जा विकसित भारत का मार्ग÷ विषय पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव जाति के लिए एक अस्तित्व का संकट है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और वनों की कटाई से जलवायु परिवर्तन के कारण ग्रह तबाही के करीब पहुंच गया है। लंबे समय तक सूखे, जंगल की तेज आग और अभूतपूर्व तूफान जैसे जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव पर श्री धनखड़ ने कहा कि ये परिवर्तन न केवल कमजोर आबादी को खतरे में डालते हैं, बल्कि जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा को भी खतरे में डालते हैं। प्राकृतिक संसाधनों और कृषि प्रणालियों पर महत्वपूर्ण दबाव डालते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व और पारिस्थितिकी के प्रति गहरा सम्मान, भारत के सभ्यतागत लोकाचार का एक आंतरिक पहलू रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु न्याय लक्ष्य होना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन हाशिए के और कमजोर समुदायों को प्रभावित करता है। जैव ऊर्जा के लाभों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, आधुनिक जैव ऊर्जा न केवल स्वच्छ ईंधन प्रदान करती है, बल्कि प्रदूषण को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने, आयात को कम करने और स्थानीय रोजगार पैदा करने में भी मदद करती है।

मोदी ने ईसी की अध्यक्ष उर्सुला को दोबारा चुने जाने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूरोपीय आयोग (ईसी) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को उनके उस पद पर पुनः चुने जाने पर बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि वह उनके साथ भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के इच्छुक हैं। श्री मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बधाई हो, वॉनडेर, ईसी की अध्यक्ष के रूप में आपके पुनः निर्वाचन पर। वैश्विक कल्याण के लिए भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए (हम) मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। यूरोपीय संसद ने सुश्री लेयेन को यूरोपीय

आयोग की अध्यक्ष के रूप में पांच वर्ष के दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना है। उनकी की उम्मीदवारी को गुरुवार को स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय संसद के 720 सदस्यों में से 401 ने समर्थन दिया। उन्हें ज़रूरत से 41 ज़्यादा वोट मिले। जर्मनी की राजनीतिज्ञ सुश्री लेयेन सेंटर-राइट यूरोपियन पीपुल्स पार्टी (ईपीपी) की दिसंबर, 2019 से यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष हैं। मतदान से पहले उन्होंने यह भी कहा कि वह सैन्य खर्च में वृद्धि के साथ यूरोपीय रक्षा को बढ़ावा देंगी, और जलवायु लक्ष्यों पर टिके रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बोस पर यौन उत्पीड़न के आरोप वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र-राज्य को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली वहां के राजभवन की एक महिला कर्मचारी की याचिका पर केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार सरकार को नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायामूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायामूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता श्याम दीवाना की दलीलें सुनने के बाद केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने साथ ही अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से इस मामले का निपटारा करने में सहयोग करने का अनुरोध किया।

याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दीवान ने पीठ से गुहार लगाते हुए कहा कि कोई ऐसा मामला नहीं हो सकता, जिसमें (राज्यपाल के पद पर होने के कारण छूट दी जाए) कोई जांच ही नहीं की जाए। उन्होंने कहा, इसे अनिश्चित काल के लिए टाला नहीं जा सकता। बिना किसी देरी के साक्ष्य एकत्र किए जाने चाहि। इस पर पीठ ने उनसे पूछा कि क्या केंद्र सरकार को इस मामले में पक्षकार बनाया गया, श्री दीवान ने जवाब दिया कि ऐसा किया जा सकता है। इसके बाद पीठ ने मामले में नोटिस जारी किया। पीठ ने नोटिस जारी करते हुए कहा, यह याचिका अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल को दिए गए संरक्षण की सीमा संबंधित सवाल उठाती है। इस अनुच्छेद के तहत राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती या जारी नहीं रखी जा सकती। अधिवक्ता आस्था शर्मा ने पश्चिम बंगाल सरकार के लिए शीर्ष अदालत की ओर से जारी नोटिस स्वीकार की। अपनी याचिका में कथित तौर पर पीड़ित महिला ने दावा

किया कि राज्यपाल को दी गई संवैधानिक प्रतिरक्षा के कारण वह 'उपचारविहीन' हो गई हैं। (न्याय पाने से वंचित हो गई हैं) याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है कि उसके द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए वह पश्चिम बंगाल पुलिस को आवश्यक निर्देश देयाचिका में संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत संवैधानिक व्यक्ति को प्राप्त प्रतिरक्षा की सीमा और योग्यता निर्धारित करने का भी अनुरोध किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 361 (2) में कहा गया है कि राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत में कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती या जारी नहीं रखी जा सकती था, लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया। महिला का आरोप है कि इस मामले में उसे अपमानित किया गया और मीडिया में उसका मजाक उड़ाया गया। उसे राजनीतिक हथियार बताया गया, जबकि उसके आत्मसम्मान की सुरक्षा के लिए कोई उपाय नहीं किया गया। याचिकाकर्ता ने यह भी दलील दी कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं और संवैधानिक छूट की आड़ में राज्यपाल को किसी भी तरह से अनुचित तरीके से कार्य करने और लैंगिक हिंसा करने की अनुमति नहीं है। शिकायतकर्ता महिला ने याचिका में कहा है यह (विशेष अधिकार) सीधे तौर पर संविधान के तहत उसके साथ ही (याचिकाकर्ता) प्रत्येक व्यक्ति को दिए गए ।

अमीरी-गरीबी की बढ़ती खाई, महंगाई,बेरोजगारी बड़ी चुनौती : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को अपना सातवां बजट पेश करेंगी और इसको लेकर वह उद्योगपतियों, बैंकर्स, किसान संगठनों से बात कर चुकी है, लेकिन देश में सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी, महंगाई और अमीर गरीब के बीच बढ़ती खाई है जिसे कम करने के लिए उनके इरादे स्पष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बड़ा संकट यह है कि देश की एक फीसदी आबादी के पास लगभग आधा संपत्ति है जिसके कारण गरीबी और अमीरी के बीच की खाई बढ़ रही है और बेरोजगारी का हल नहीं निकल रहा है। हालात यह है कि नौकरियां नहीं हैं और देश में नौकरियां सिर्फ संविदा पर आधारित हो गई हैं। संविदा नौकरियों की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई है और महंगाई आसान छू रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार फिलहाल कदम उठाते नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा, आज देश में आर्थिक असमानता की दर ब्रिटिश राज से भी बदतर है। इस देश की एक प्रतिशत आबादी का देश की 40 प्रतिशत संपत्ति पर नियंत्रण है। जिसके कारण अमीर और अमीर, गरीब और ज्यादा गरीब हो रहा है। क्या यह बजट इस खाई को पाटने के लिए कुछ करेगा। देश के 48 प्रतिशत परिवार आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। लोगों की आय कम हुई है और वे बचत का सहारा लिए जीवन जी रहे हैं। आज देश की हालत -'आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया' हो गया है। प्रवक्ता ने कहा ÷वित्तमंत्री निर्मला सीतरमण जी अपना सातवां बजट पेश करेंगी। इस बजट को बनाने से पहले उन्होंने कुछ उद्योगपतियों, बैंकर्स, किसान संगठनों से मुलाकात कर विचार-विमर्श किया है, लेकिन क्या वे उन परिवारों से मिली हैं, जो दिन में तीन वक्त की रोटी नहीं खा पा रहे हैं। क्या वे उन महिलाओं से मिली हैं, जो महंगाई से जूझ रही हैं। क्या वे उन किसानों से मिली हैं।

भाजपा सरकार में पूरा हरियाणा दुर्दशा का शिकार हुआः दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी

सोनीपत। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत बरोदा विधान सभा क्षेत्र के गांव बुटाना अड्डे से गंगाना अड्डे तक पदयात्रा की।गंगाना के खेतों में धान की बुआई कर रहे किसानों ने उन्हें अपनी समस्याएं बताई। किसानों के आग्रह पर हुड्डा ने ट्रैक्टर चलाया और धान की रोपाई में सहयोग किया। गर्मी और उमस के बावजूद हरियाणवी वेशभूषा में युवाओं और महिलाओं ने पदयात्रा का जोरदार स्वागत किया। हुड्डा ने बरोदा के गांवों में मिले स्नेह के लिए जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि कांग्रेस के सवालों ने भाजपा को बेचैन कर दिया है, लेकिन भाजपा सरकार ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। अक्टूबर में प्रदेश की जनता भाजपा से हिसाब चुकता करेगी। दीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा सरकार की नाकामियों पर सवाल उठातेहुए कहा कि बरोदा से लेकर सोनीपत और पूरा हरियाणा दुर्दशा का शिकार है। भाजपा ने बरोदा विधान सभा चुनाव में कई वादे किए थे, लेकिन कोई भी पूरा नहीं हुआ। उन्होंने बरोदा में जलभराव, नहरी पानी की कमी, जलापूर्ति की समस्याएं, बुटाना में यूनिवर्सिटी, गर्ल्स कॉलेज, आईएमटी, और राइस मिल जैसे मुद्दों पर सवाल उठाए।

पूर्व सीएम हुड्डा ने पेश किया कांग्रेस कार्यकाल का लेखा-जोखा, भाजपा से मांगा जवाब

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि दस साल से विपक्ष में होते हुए भी कांग्रेस आजतक अपने नामों के नाम पर वोट मांग रही है। जबकि 10 साल से सत्ता में होते हुए भी बीजेपी के पास गिनवाने लायक एक भी काम नहीं है। इसीलिए बीजेपी अपने कामों का हिसाब देने से भाग रही है और उल्टा कांग्रेस से जवाब मांग रही है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसी हास्यास्पद राजनीति हुई है कि सरकार में बैठी पार्टी, विपक्षी दल से हिसाब मांग रही हो। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए और विपक्ष में होते हुए भी हमेशा अपने कामों का हिसाब दिया है। क्योंकि हमारी सरकार ने हरेक क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए।

अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता ने नव-निर्मित लाईब्रेरी का किया उद्घाटन

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार के सहयोग से बाल भवन परिसर में लईब्रेरी का निर्माण किया गया, जिसका अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने उद्घाटन किया। लाईब्रेरीमें बच्चों को मिलने वाली सभी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लाईब्रेरी में 25 बच्चों के बैठनेकी व्यवस्था की गई है। यहां पर बच्चों के पढने के लिए शांत व सुरक्षित माहौल प्रदान किया गया है इसलिए शहर के बच्चे इन सुविधाओं का लाभ अवश्य उठाएं। इस दौरान उन्होंने बाल भवन में चल रही अन्य गतिविधियों का भी निरीक्षण किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा हुड्डा ने बताया कि जिला बाल कल्याण परिशद का मुख्य उद्देश्य बच्चों में छिपी हूई प्रतिभा को निखारने का हैं। परिषद द्वारा संचालित गतिविधियों का बच्चें ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। लाईब्रेरी के लिए पहले आओ पहले पाओ के आधार में बच्चों का एडमिशन किया जाएगा। लाईब्रेरी में बच्चों को पढने से संबंधित सभी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। बाल भवन के समस्त अधिकारी व कर्मचारी इस मौके पर उपस्थित रहे।

अब कालेजों में नए सत्र से ऑनलाइन हाजिरी योजना होगी लागू

फरीदाबाद। अब कॉलेजों में पढने वाले छात्र और छात्राएं अपनी कक्षा से बंक नहीं मार सकेंगे। अगर वह ऐसा करते तो इसकी जानकारी उनके अभिभावक तक पहुंच जाएगी। उच्चतर शिक्षा निदेशालय नए सत्र से ऑनलाइन हाजिरी योजना लागू करने जा रहा है। यह योजना एक अगस्त से प्रभावी तरीके से लागू होगी। अभिभावकों को पता रहेगा कि उनका बच्चा कितने दिन कालेज गया और कौन से विषय की कक्षा में बैठकर पढ़ाई की। नए सत्र से उच्चतर शिक्षा में कई बड़े-बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। छात्रों को रोजगार एवं कौशल परख ज्ञान देने के लिए इस बार उच्चतर शिक्षा विभाग ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया है। इसके अलावा अन्य कई सुधार किए जा रहे हैं। अब छात्रों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। इस व्यवस्था के लागू होने से विद्यार्थी कक्षाओं में जाकर पढ़ाई करेंगे। इसके अलावा विद्यार्थी कम उपस्थिति की वजह से वार्षिक परीक्षाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा। पहले अभिभावकों की ओर से कालेज प्रबंधन पर दोष मढ़ दिया जाता था कि उनकी बच्चों की उपस्थिति अधिक होने के बावजूद भी उसे परीक्षा से वंचित किया जा रहा है।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने आप-कांग्रेस को बताया एक ही थाली का चट्टा- बट्टा

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने इंडी अलायंस के दो घटक दलों आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को झूठे दल बताया। विरोधी खेमे पर हमलावर प्रदेश के मुखिया ने डबल इंजन की सरकार को मजबूत करार दिया।

मीडिया से रूबरू मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, यह इंजन मजबूत है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम मजबूती से हरियाणा में बड़े बहुमत के साथ सरकार बना रहे हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। दोनों आपस में मिले हुए हैं, दोनों बहुत झूठ बोलते हैं। दोनों पार्टियां झूठ का सहारा लेकर काम करती हैं। उनकी ये प्रतिक्रिया पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस तंज का जवाब थी जिसमें उन्होंने कहा था, हम 90 की 90 सीटों पर ऐसे चुनाव लड़ेंगे की दुनिया देखेगी। पहले मनोहर लाल का इंजन था, अब नायब सिंह सैनी का इंजन है। हरियाणा में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं और इससे

पहले राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। 20 जुलाई को ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल पंचकूला पहुंची। केजरीवाल की गारंटी अभियान लांच किया। इस दौरान प्रेस कांफ्रेंस में आप नेता सुशील गुप्ता ने प्रदेश सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा। कहा, भाजपा पिछले 10 सालों से किसानों को धोखा देने का काम कर रही है। किसानों को प्रताड़ित कर रही है। किसानों पर आंसू गैस छोड़ने वाले, लाठी चलाने वाले, गोली चलाने वाले पुलिस वालों को वीरता पुरस्कार देने का काम कर रही है। हरियाणा के डीजीपी उनको गैलेंट्री अवॉर्ड देने की सिफारिश कर रहे हैं। हरियाणा सरकार 750 किसानों की शहादत पर एक शोक प्रस्ताव पास नहीं कर पाई। उन्होंने भाजपा पर किसानों के साथ बर्बरता का आरोप लगाया। बोले, एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने का झूठा वादा कर प्रधानमंत्री ने संसद या संसद के बाहर एक शब्द नहीं कहा। परंतु किसानों पर झूठे केस लगाकर गिरफ्तार करने वाले, कंटीले तार लगाकर उनको रोकने वाले अफसरों को अब भाजपा पुरस्कृत करने जा रही है। आपकी वजह से हरियाणा और देश के किसानों की शहादत हुई। आज उन पुलिस वालों को वीरता पुरस्कार देकर किसानों के जले पर नमक छिड़कने का काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। उनकी इस बर्बरतापूर्ण कार्रवाई और हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी उनको दिल्ली जाने से रोकने वाले अधिकारियों को भाजपा पुरस्कृत कर रही है।

समाधान शिविरों में मौके पर शिकायतों का हो रहा निपटारा: एडीसी महेश कुमार

एजेंसी

रोहतक । अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार एवं उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने लोगों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के तुरंत निपटारे के निर्देश दिए।

वैशाली सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार की जनता के लिए नई पहल के तहत हर शिकायत के निदान के लिए प्रत्येक कार्य दिवस सुबह नौ बजे से 11 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

समाधान शिविर में 39 शिकायतें प्राप्त हुई, जिन्हें मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निपटारे के लिए दिया गया। अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह ने स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, नगराधीश अंकित कुमार के साथ समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के यथाशीघ्र निपटारे के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त हुई शिकायतें का शीघ्र निपटान करें।

जिला प्रशासन द्वारा प्रति कार्यदिवस जिला व उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित कर लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जा रहा है। वैशाली सिंह ने कहा कि समाधान शिविर आयोजित करने का प्रमुख लक्ष्य है कि एक स्थान पर सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर लोगों की शिकायतों का मौके पर तुरंत निपटारा करें ताकि आम जनता को विभिन्न विभागों के अलग-अलग कार्यालयों में चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने लोगों की शिकायतें सुनते हुए शिकायतकर्त्ताओं को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा उनकी सभी शिकायतों का यथासंभव निपटारा किया जाएगा।

मुद्दे से भटक चुकी है 'आप', अब यह जमानत जब्त पार्टी : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल विज ने आम आदमी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी अब 'जमानत जब्त पार्टी हो गई है'। जिन मुद्दों को लेकर ये सत्ता में आए थे, आज उसके विपरीत काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के भी लोगों ने उन्हें उखाड़ फेंका है। पंजाब में भी उन्हें मनमाफिक नतीजे नहीं मिले हैं। हरियाणा में भी इन्होंने अपना उम्मीदवार खड़ा किया था जो बुरी तरह हार गए। आम आदमी पार्टी जिन मुद्दों को लेकर खड़ी हुई थी, आज उसके उल्टा हो रहा है।वही कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा पर तंज कसते हुए विज ने कहा कि भाजपा के राज में एक-एक पैसा बैंक खाते में जाता है, जिससे इन्हें तकलीफ हो रही है। इनका खर्चा चलना बंद हो गया है।

विज ने आगे कहा कि कांग्रेस के

राज में ये जब ऊपर से अगर 100 रुपए देते थे तो नीचे तक 15 रुपए जाते थे। कांग्रेस का आजादी के बाद का बनाया गया यह सिस्टम था, जिसे भाजपा ने बदला और इसी बात की कांग्रेस को तकलीफ है। इनकी रोजी-रोटी इसी से चलती थी। विज ने दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी तंज कसा है। केजरीवाल को लेकर उन्होंने कहा कि उनका बाहर आना न आना कोर्ट पर निर्भर करता है, और अगर उन्हें जमानत नहीं मिल रही तो इसका मतलब कि उनके खिलाफ ठोस सबूत हैं।

किसान छात्र एकता संगठन ने वीसी को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में किसान छात्र एकता संगठन के पदाधिकारियों ने कुलपति डा. रणपाल सिंह से मुलाकात की और छात्रों की समस्याओं से अवगत करवाया। उप प्रधान अभिषेक जुलाना ने कहा कि इस बार प्रत्येक विभाग में सीटों से ज्यादा आवेदन आए हैं। सीटें कम पड़ रही हैं और छात्रों को विश्वविद्यालय में दाखिला लेना है और छात्रों को एक साल खराब होने की चिंता भी सता रही थी। जिसके लिए कुलपति से मिले और संकायों में सीटें बढ़ाने की मांग की। जींद विश्वविद्यालय जल्द से जल्द ऑनलाइन पोर्टल खोल दे ताकि विश्वविद्यालय में नए विद्यार्थी दाखिले के लिए आवेदन कर सकें। अंजलि ने बताया कि कुछ डिपार्टमेंट में विद्यार्थियों ने अप्लाई कर रखा है, जिसमें सीटों की कमी

के कारण दाखिला प्रक्रिया संभव नही है। वीसी डा. रणपाल सिंह ने आश्वस्त करते हुए कहा कि दो दिन के अंदर सीट बढ़ोत्तरी का नोटिफिकेशन आ जाएगा और जल्द ही दाखिले के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया जाएगा। इस मौके पर अरविंद, साहिल, रामअवतार, विकास शादीपुरा, अभिषेक चौधरी आदि मौजूद रहे।

प्रदेश में तीसरी बार बहुमत से सरकार बनाएगी भाजपा : डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी

हिसार। स्वास्थ्य व नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि हमारी पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का गौरव प्राप्त है। पार्टी का कार्यकर्ता पूरे पांच वर्ष पूर्ण समर्पित भाव से पार्टी के लिए कार्य करता है ताकि हमारी पार्टी की सरकार बने। डॉ. कमल गुप्ता भाजपा सब्जी मंडी मंडल की विस्तारित बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा की अध्यक्षता में पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित इसमें आगामी विधानसभा चुनावों की व्यापक तैयारियों पर चर्चा की गई। प्रदेश व जिला स्तर की बैठक के बाद अब मंडल स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि हमारा संगठनात्मक ढांचा दूसरी

पार्टियों से बहुत ज्यादा मजबूत है। राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक हर तीन वर्ष के बाद विधिवत रूप से चुनाव होता है, जबकि दूसरी पार्टियों में तो ऐसा चिंतन ही नही है। डॉ. गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे विधानसभा चुनावों की तैयारी में पूरी तरह जुट जाएं।

उन्होंने कहा कि भाजपा तीसरी बार भारी बहुमत से सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहीं है। वंशवादी परिवारिक व जातिवादी पार्टियों का प्रदेश में कोई वजूद नही है। डॉ. कमल गुप्ता ने केंद्र, प्रदेश व हिसार शहर की उपलब्धियों व विकास कार्यो की विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर जिला महामंत्री अशोक सैनी, मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, मनदीप मलिक, बीएलए 2 रामचन्द्र गुप्ता, विधानसभा प्रभारी पवन खारिया, प्रवीण पोपली, पूर्व पार्षद भूप सिंह रोहिला व पंकज दीवान, अधिवक्ता वीरेंद्र शर्मा, प्रोमिला पूनिया, राजकुमार इंदौरा, सुनील वर्मा, सुरेश, शुभम वलेचा, वेदप्रकाश गौड़, विनोद तोषावड़ व हरीश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

कृषि विभाग में सीएम फ्लाइंग का छापा, पांच कर्मचारी गैर हाजिर मिले

एजेंसी

हिसार। सीएम फ्लाइंग की एक टीम ने लघु सचिवालय की तीसरी मंजिल स्थित कृषि विभाग के विभिन्न कार्यालयों में छापामारी की। इस दौरान पांच कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए। सीएम फ्लांग की टीम ने कार्यालय में अन्य दस्तावेजों, सीएम विंडो से आई शिकायतों व अन्य मामलों की भी जांच की। सीएम फ्लाइंग की टीम ने सुबह निरीक्षक रिछपाल सिंह एवं उप निरीक्षक चन्द्रभान के नेतृत्व में कृषि उप निदेशक कार्यालय में छापा मारा। कार्यालय में मौजूद कृषि उप निदेशक डॉ. राजबीर की उपस्थिति में कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर चैक किया गया। रजिस्टर के निरीक्षण के दौरान कुल 34 कर्मचारियों की नियुक्ति पाई गई, जिनमें से दो कर्मचारी छुट्टी पर व पांच गैर हाजिर मिले। सीएम फ्लाइंग की टीम ने इसी विभाग के अन्य कार्यालयों का भी निरीक्षण किया। सहायक पौध संरक्षण अधिकारी कार्यालय का हाजिरी रजिस्टर चैक करने पर यहां 8 कर्मचारियों की ड्यूटी पाई गई जिनमें से एक कर्मचारी छुट्टी पर मिला। इसी तरह सहायक कृषि अधिकारी कार्यालय में 9 कर्मचारियों में से एक छुट्टी पर मिला। उपमंडल कृषि अधिकारी कार्यालय में जांच के दौरान भी यहां तैनात 9 कर्मचारियों में से एक छुट्टी पर जबकि बाकी हाजिर मिले। जांच पड़ताल के दौरान सीएम फ्लाइंग की टीम ने केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही सम्मान राशि, सीएम विंडो व आनलाइन शिकायतों का निपटान, विभिन्न शिकायतों पर लिए गए कीटनाशकों व बीज के सेंपल आदि की भी जांच की जाएगी।

एडीजीपी हिसार रेंज ने सिरसा जिले के 5 गांवो की पंचायतों को ड्रग मुक्त गांव के सम्मान से नवाजा

एजेंसी

सिरसा। एडीजीपी हिसार मंडल डा.एम रवि किरण के मार्गदर्शन में हिसार मंडल को ड्रग मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत आज सिरसा जिला के 5 गांवों को एडीजीपी हिसार मंडल ने ड्रग मुक्त गांव के सम्मान से नवाजा । गांव भरोखा में आयोजित कार्यक्रम में एडीजीपी हिसार मंडल बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे।

उन्होंने गांव भरोखा, ढाणी भरोखा, बरवाली-प्रथम, दड़बी तथा वेदवाला गांवो को ड्रग मुक्त गांव के सम्मान से नवाजा व पंचायतों की प्रशंसा की और उपस्थित अन्य गांवों के सरपंचों से आह्वान किया कि वे भी नशा मुक्त गांवों को अपना रोल मॉडल मानकर अपने गांव को नशा मक्त करवाने में अग्रणी भूमिका निभाएं ।

मुख्य अतिथि एडीजीपी हिसार मंडल ने ड्रग एवं हिंसा मुक्त गांव भरौंखा के पट्ट का उद्घाटन किया तथा पौधा रोपण कर लोगों को पर्यावरण का संदेश दिया । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण व पूज्य संत ब्रह्म दास जी ने भी पौधा रोपण किया ।

इस अवसर पर एडीजीपी ने कहा कि आज समाज में बढ़ता ड्रग्स का प्रचलन एक बड़ी समस्या है, इसलिए समय रहते इस बुराई पर अंकुश लगाना जरूरी है । उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतो, सामाजिक संगठनों और प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने स्तर पर ड्रग जैसी बुराई से समाज को बचाने के लिए काम करना होगा । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिरसा विक्रांत भूषण ने जिला

सिरसा में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बारे में जानकारी दी तथा कहा कि अब से पहले ग्राम पंचायतों व सामाजिक सगंठनों के सहयोग से सिरसा जिला के 82 गांव तथा शहर सिरसा के चार वार्डों को नशा मुक्त किया जा चुका है । पुलिस अधीक्षक विक्रांत ने बताया कि आज 5 गांवो के नशा मुक्त घोषित होने के बाद अब जिला के 87 गांव तथा शहर सिरसा के चार वार्ड नशा मुक्त हो चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि एडीजीपी हिसार के मार्गदर्शन में नशे को खत्म करने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं ।इस अवसर पर डेरा बाबा भूमणशाह के गद्दीनशीन संत ब्रह्म दास जी ने भी अपने विचारों से उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया । उन्होंने पुलिस प्रशासन को ड्रग मुक्त समाज के निर्माण जैसे पावन कार्य में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया ।

उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा नशा से ग्रस्त युवाओं को सही राह पर लाना मानवता की सही मिसाल है। उन्होंने पुलिस प्रशासन की और से नशे से पीड़ित लोगों का ईलाज करवाकर दोबारा सही राह पर लाने जैसे कार्यों की प्रशंसा की । संत ब्रह्म दास जी ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि पुलिस प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अग्रणी भूमिका निभाएं, ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त व अपराध मुक्त किया जा सके ।

पूरे देश का पैसा केवल चंद लोगों के पास ही : गुरनाम सिंह चढूनी

एजेंसी

जींद। किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि पूरे देश का पैसा केवल चंद लोगों के पास ही है। इसलिए इस देश में समानता नहीं है। उनकी पार्टी का मुख्य उद्देश्य समानता लाना है। बड़े.बड़े उद्योगपति सत्ताधारी तथा विपक्षी पार्टियों को पैसा देता है। इसलिए जब भी कोई भी पार्टी सत्ता में आता है तो उसका लाभ पैसा कमाने के लिए करते हैं। ऐसे में इस परिपार्टी को खत्म करना जरूरी है। गुरनाम सिंह चढूनी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं हुआ तो फिर संयुक्त संघर्ष पार्टी प्रदेश की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चढूनी ने कहा कि वह 32 साल से किसानों के लिए आंदोलन कर रहे हैं। इसलिए उनको हर किसी की जरूरतों तथा उनके लिए जरूरी योजनाओं के बारे में पता है। इसलिए पार्टी के घोषणा.पत्र में सभी के लिए विशेष योजनाएं रखी गई हैं। इस मौके पर अनिता सुदकैन भी मौजूद रही। चढूनी ने कहा कि संयुक्त संघर्ष पार्टी का गठन करने

के पीछे का मकसद जनता को सुविधाएं देना है। आज गंदी होती जा रही राजनीति में स्वच्छ लोगों का आना जरूरी है। चढूनी ने कहा कि भाजपा व जजपा को छोड़कर उनकी पार्टी किसी भी अन्य पार्टी से गठबंधन कर सकती है। उन्होंने अपने सभी विकल्प खुले रखे हैं। फिलहाल उनकी किसी पार्टी से बातचीत नहीं हुई है। अगले एक सप्ताह में वह इसका भी खुलासा कर देंगे। उन्होंने गंदी राजनीति को शुद्ध करने के लिए संयुक्त संघर्ष पार्टी का गठन किया है। आज देश व प्रदेश में राजनीति इतनी गंदी हो चुकी है कि उससे आम जनता से कोई लेना देना नहीं है। कुछ लोग केवल अपनी चौधर चमकाने और पैसा कमाने के लिए राजनीति कर रहे हैंए लेकिन संयुक्त संघर्ष पार्टी केवल जनता की सेवा के लिए ही मैदान में उतरी है।

सोनीपत को नशा मुक्त बनाने के लिए समन्वित प्रयासः उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि समन्वित प्रयासों के माध्यम से जिला को नशा मुक्त बनाने के लिए सक्रिय रहें ताकि हमारे युवाओं को नशे की लत से बचाया जा सके। नशा बर्बादी का रास्ता है जो न केवल व्यक्ति को बल्कि उसके परिवार को भी बर्बादी की ओर ले जाता है। लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में एनकोर्ड (नेशनल कोर्डिनेशन सेंटर) की बैठक में उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग का नशे के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका है। जहांभी नशे की बिक्री की जानकारी मिले, वहां तत्काल रैड कर सख्त कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिक्षण संस्थानों में जागरूकता शिविर आयोजित कर युवाओं को नशे के नुकसान के बारे में बताया जाए ताकि वे इससे दूर रहें। उन्होंन शिक्षा विभाग से भी इस अभियान में सहयोग की अपील की, ताकि सभी स्कूलों में प्रार्थना सभा और अन्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया जा सके। उन्होंन कहा कि नशा एक ऐसी समस्या है जो विकास में बाधक है। हर प्रकार का नशा बेहद घातक होता है और यह सामाजिक व आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाता है।

विकास कार्यों में भाजपा का कोई मुकाबला नही : कर्मवीर सैनी

एजेंसी

जींद। कान्फेड के चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि विकास कार्यों में भाजपा का कोई मुकाबला नही है। समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंच रहा है। भ्रष्टाचार को समाप्त कर योग्यता के आधार पर नौकरियां युवाओं को दी गई हैं। उन्होने कहा कि प्रदेश में तीसरी बार फिर से भाजपा सरकार बनेगी। वे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार किसानों पर लाठियां भांजती थी और गोलियां चलवाती थी। भाजपा सरकार किसानों को सम्मान स्वरूप छह हजार रुपये प्रति एकड़ दे रही है। फैमिली आईडी से साढ़े पाच सौ सेवाएं जोड़ी गई हैं। अयुष्मान योजना का लाभ लोगों को दिया गया है। गरीब लोगों के अपने आप बीपीएल कार्ड बन कर घर पहुंच रहे हैं। कभी किसी ने नही सोचा था कि धारा 370 टूटेगी, राम मंदिर बनेगा, वाराणसी कारीडोर बनेगा। भाजपा सरकार ने इसको कर दिखाया। पंचायतों को 21 लाख तक की पॉवर दी गई। गांव में कार्यक्रम होने पर सरंपच मुख्यअतिथि के साथ बगल वाली सीट पर बैठेगा। क्रीमीलेयर की लिमिट को बढ़ा कर आठ लाख रुपये किया है। बैकलॉग की सीटों को भरा गया है। पिछडा वर्ग का आरक्षण 15 से बढा कर 27 प्रतिशत किया गया है। बीसी बी को भी पांच प्रतिशत आरक्षण देने का कार्य भी भाजपा सरकार ने किया है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि भाजपा की नीतियों को हर बूथ तक पहुंचाने के लिए सफीदों विस में पद यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। जो 21 जुलाई को गांव डिडवाडा से शुरू होकर 25 जुलाई को गांव मुआना में संपन्न होगी। जिसमें मुख्यअतिथि भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली होंगे।

ऑनर ने भारत में लांच की ऑनर 200 सीरीज़

एजेंसी

लखनऊ। ऑनर ने भारत में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए आज ऑनर 200 सीरीज़ लॉन्च की। इस सीरीज़ में ऑनर 200 प्रो 5जी और ऑनर 200 5जी हैं, जो पॉवर और क्रिएटिविटी के दायरे बढ़ाकर ग्राहकों को अत्याधुनिक एआई पॉवर्ड पोर्ट्रेट क्षमताएं, आकर्षक डिस्प्ले, मजबूत हार्डवेयर परफॉर्मेंस, और इन्ट्यूटिव यूज़र केंद्रित एआई अनुभव प्रदान करेंगे।

भारती एयरटेल को मिला टैक्सनेट 2.0 परियोजना का ठेका

नई दिल्ली। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग को नेटवर्क कनेक्टिविटी, सुविधा प्रबंधन सेवाएं और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए टैक्सनेट 2.0 परियोजना का ठेका भारती-एयरटेल लिमिटेड को दी है। सीबीडीटी ने आज यहां कहा कि यह एक अत्याधुनिक तकनीक है, जो सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध कनेक्टिविटी सेवाएं प्रदान करती है और मौजूदा टैक्सनेट 1.0 परियोजना की तुलना में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है। यह विभाग के डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में एक लंबा रास्ता तय करेगी।

बीपीसीएल का मुनाफा 71.4 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश की प्रीमियर एकीकृत ऊर्जा कंपनी भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 10,550.88 करोड़ रुपये के मुक़ाबले 71.4 प्रतिशत घटकर 3,014.77 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि बीपीसीएल को वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में 3,014.77 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 10,550.88 करोड़ रुपये की तुलना में 71.4 प्रतिशत कम है। इसी तरह आलोच्य अवधि में उसकी परिचालन से प्राप्त राजस्व 1,28,256.65 करोड़ रुपये से 0.12 प्रतिशत कम होकर 1,28,103.36 करोड़ रुपये पा आ गया।

ओला इलेक्ट्रिक के एस1 पोर्टफोलियो पर 25 हजार तक की बचत का ऑफर

बेंगलरु। ओला इलेक्ट्रिक अपने ओला एस1 स्कूटरों की खरीद पर 25,000 रुपये तक के बचत की पेशकश की है। कंपनी ने आज यहां कहा कि 22 जुलाई तक लागू इन ऑफरों में एस1 एक्स प्लस पर 10,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 5,000 रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर ग्राहकों को 5,000 रुपये तक का अतिरिक्त डिस्काउंट भी दे रही है। इन ऑफ़रों के अलावा ग्राहकों को ईएमपीएस 2024 के अंतर्गत 10,000 रुपये की सब्सिडी भी मिलेगी। इन ऑफ़रों का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कीमतें बढ़ने से पहले ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदकर उसे रजिस्टर कराना होगा।

नटीआईपीआरआईटी, डब्ल्यूएमटीडीसी और एनआईसीएफ का 'राष्ट्रीय संचार अकादमी' में विलय

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग के तीन प्रशिक्षण संस्थानों- राष्ट्रीय दूरसंचार नीति अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण संस्थान (एनटीआईपीआरआईटी), राष्ट्रीय संचार वित्त संस्थान (एनआईसीएफ) और वायरलेस मॉनिटरिंग प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र (डब्ल्यूएमटीडीसी) का तत्काल प्रभाव से एक एकल प्रशासनिक इकाई 'राष्ट्रीय संचार अकादमी' (एनसीए) में विलय कर दिया गया है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार संचार मंत्री ने संगठनात्मक सुधारों के लिए समिति की सिफारिश पर इन संस्थाओं के विलय को मंजूरी दी। यह विलय दूरसंचार विभाग के संगठनात्मक सुधारों का हिस्सा है; प्रख्यात शिक्षाविद और उद्योग प्रतिनिधि एनसीए गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा होंगे

देश का विदेशी मुद्रा भंडार अबतक के रिकॉर्ड स्तर 666.85 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है। लगातार दूसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 9.70 अरब डॉलर उछल कर सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर 666.85 अरब डॉलर पर पहुच गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 12 जुलाई को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.70 अरब डॉलर उछल कर रिकॉर्ड अबतक के उच्चतम स्तर 666.85 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 5.16 अरब डॉलर बढ़ कर 657.15 अरब डॉलर रहा था।

आंकड़ों के मुताबिक मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियां 8.36 अरब डॉलर बढ़ कर 585.47 अरब डॉलर हो गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 1.23 अरब डॉलर

बढ़ कर 58.66 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आरबीआई के मुताबिक, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 7.6 करोड़ डॉलर बढ़ कर 18.11 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 3.2 करोड़ डॉलर बढ़ कर 4.61 अरब डॉलर हो गई है। गौरतलब है कि विदेशी मुद्रा भंडार का इससे पहले का उच्चतम स्तर 655.82 अरब डॉलर रहा था, जो अबतक के रिकॉर्ड स्तर 666.85 अरब डॉलर पर पिछले हफ्ते पहुंच गया।

जेम के ई-लर्निंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अब 12 आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी ई-मार्केटप्लेस जेम के ई-लर्निंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अब 12 आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध हैं। ई-मार्केटप्लेस जेम का उद्देश्य हितधारकों के बीच सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं की समझ को सुविधाजनक बनाना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने 6 अतिरिक्त आधिकारिक भाषाओं में अपना लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) लॉन्च किया है, जो अब 12 भाषाओं में उपलब्ध है। मंत्रालय के मुताबिक यह विस्तार इंटरैक्टिव पाठ्यक्रमों और प्रगति-ट्रैकिंग डैशबोर्ड के साथ विविध उपयोगकर्ताओं के लिए पहुंच और उपयोगिता को बढ़ाता है। मंत्रालय के मुताबिक इस वर्ष की शुरुआत में लॉन्च नया गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम एक अग्रणी सरकारी-संचालित समाधान है। ये ई-लर्निंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 12 आधिकारिक भाषाओं असमिया,

बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में उपलब्ध हैं। ये विविध उपयोगकर्ता की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसके साथ ही उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफ़ेस समर्पित पुस्तकालयों और प्रगति ट्रैकिंग डैशबोर्ड के साथ बेहतर उपयोगकर्ता का अनुभव प्रदान करता है। जेम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि राज्य/स्थानीय सरकारी खरीदारों के साथ-साथ पूरे भारत में अंतिम-मील विक्रेताओं के बीच जेम पोर्टल को अपनाने में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि चार महीने पहले लॉन्च होने के बाद से जेम एलएमएस ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 4 हजार से अधिक उपयोगकर्ताओं के नामांकन के साथ उपयोगकर्ता पंजीकरण में 32 गुना वृद्धि देखी है। इस अवधि में 600 से ज्यादा क्रेता प्रमाणपत्र भी जारी किए गए हैं।

जिओ और एयरटेल को छोड़ बीएसएनएल में पोर्ट करा रहे मोबाइल फोन ग्राहक

एजेंसी

भोपाल। देश की सबसे बड़ी सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल की एक बार फिर घर वापसी होने लगी है, क्योंकि देश की तीन निजी टेलिकॉम कंपनियों जियो, वोडाफोन-आईडिया और भारती एयरटेल ने अपने रिचार्ज प्लानों को काफी महंगा कर दिया है। जिसके बाद से इन तीनों कंपनियों के ग्राहक एक बार फिर बीएसएनल की ओर रुख करने लगे हैं। इसी माह जुलाई में भोपाल के क्षेत्रीय कार्यालय बीएसएनएल में एक लाख से अधिक ग्राहक जियो, वोडाफोन-आईडिया और भारती एयरटेल को छोड़कर बीएसएनएल में पोर्ट कराने आए हैं, जबकि 27 हजार से अधिक ग्राहकों ने बीएसएनएल की सिम में पोर्ट करा लिया है। इतना ही नहीं बीएसएनएल लगातार ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कई शानदार ऑफर्स दे रही है।

बीएसएनएल के पास एक महीने से लेकर पूरे एक साल तक के कई टैरिफ प्लान मौजूद हैं, जिन पर शानदार ऑफर मिल रहा है। इन सभी रिचार्ज प्लान की कीमत वोडाफोन-आईडिया, भारती एयरटेल और

रिलायंस जियो के प्लान से सस्ता है। यह बड़ी वजह है कि ग्राहकों ने बीएसएनएल की ओर रुख किया है। भोपाल के सभी बीएसएनएल कार्यालयों में इस समय भारी भीड़ देखी जा रही है।

वैसे भी सरकारी कंपनी बीएसएनएल आज भी सबसे सस्ते रिचार्ज प्लान उपलब्ध करा रही है। जिनकी कीमत जियो और एयरटेल के मकुाबले करीब आधी है, हालांकि बीएसएनएल के पास मौजूदा समय में 4फीसदी सर्विस मौजूद है, जबकि जियो और एयरटेल के पास 5जी सर्विस है, लेकिन ग्राहकों के अब इन कंपनियों के प्लान काफी महंगे लगने लगे हैं यही कारण कि लोग अब बीएसएनएल में पोर्ट करा रहे हैं।

पोर्ट करने का आसान तरीका

एयरटेल और जिओ की सिम को बीएसएनएल में पोर्ट कराने के लिए सबसे पहले आपको 1900 पर एक एसएमएस भेजकर मोबाइल नंबर पोर्ट करने के लिए अनुरोध भेजना होगा। इसके लिए आपको अपने एसएमएस बॉक्स में 'पोर्ट लिखकर एक स्पेस के बाद अपना मोबाइल नंबर लिखकर भेजना। इसके बाद आपको मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए बीएसएनएल के ग्राहक सहायता केंद्र पर जाना पड़ेगा, यहां आपसे आधार कार्ड, फोटो, बायोमैट्रिक सहित जरूरी दस्तावेज जमा करना होगा।

इसके बाद आपको बीएसएनएल की ओर से एक नई सिम दे दी जाएगी। इसके बाद उस सिम पर एक यूनिक कोड भेजा जाएगा, जिसकी मदद से आप अपने नई सिम को एक्टिवेट कर सकेंगे।

जल्द शुरू होगी बीएसएनएल की 5जी सर्विस

बीएसएनएल अधिकारियों की मानें तो बीएसएनएल टाटा के साथ साझेदारी की है। जिसकी मदद से 4जी सेवाओं से 5जी सर्विस देने पर विचार कर रही है।

केंद्रीय बजट 23 जुलाई को संसद में 11 बजे पेश किया जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट 23 जुलाई को संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सुबह 11 बजे लोकसभा में अपना बजट भाषण शुरू करेंगी। ये सीतारमण का लगातार सातवां बजट होगा।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मंत्रालय ने बताया कि बजट की पल-पल अपडेट वित्त मंत्रालय के एक्स (ङ्ग) हैंडल, फेसबुक और https://finmin.gov.in/ पर होगी। बजट भाषण पूरा होने पर केंदीय बजट 2024-25 का बजट दस्तावेज एंड्रॉइड और ऐप्पल ओएस दोनों प्लेटफार्मों पर उपलब्ध होगा। इसके साथ ही यह यूनियन बजट मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और हिंदी में भी उपलब्ध होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने के बाद 23 जुलाई को वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश होने जा रहा है। 2014 से लेकर एक फरवरी तक मोदी सरकार के 12 बजट सामने आ चुके हैं।

पेटीएम का घाटा अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 840 करोड़ रुपये पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन कम्युनिकेशंस ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है।

अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का घाटा बढ़कर 840 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

पेटीएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका घाटा बढ़कर 840 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने कहा कि उसकी एकीकृत आमदनी 33.48 फीसदी घटकर 1,639.1 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,464.2 करोड़ रुपये थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की ओर से पेटीएम पेमेंट बैंक पर रोक लगाने का असर उसके बिजनेस पर दिखा है। अप्रैल-जून तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद पेटीएम के शेयरों में करीब एक फीसदी की तेजी देखने मिली है। यह 450 रुपये पर कारोबार कर रहा है। हालांकि, बीते एक साल में कंपनी के शेयरों में करीब 45 फीसदी की गिरावट आई है।

9 बंदरगाहों पर औसत रिलीज समय में आयी कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष श्री संजय कुमार अग्रवाल ने बोर्ड के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर 'राष्ट्रीय समय रिलीज अध्ययन (एनटीआरएस) 2024' रिपोर्ट जारी कर दी है। एनटीआरएस 2024 दरअसल एक मानकीकृत पद्धति को अपनाने वाला राष्ट्रीय स्तर का चौथा वार्षिक अध्ययन है और इसमें जनवरी 2024 के पहले सप्ताह के दौरान जमा किए गए प्रवेश बिलों यानी बिल ऑफ एंट्री (आयात के लिए) और शिपिंग बिलों (निर्यात के लिए) को कवर किया गया है जिन्हें 15 प्रमुख सीमा शुल्क केंद्रों (4 श्रेणियों में वर्गीकृत ङ्क समुद्री बंदरगाह, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो यानी आईसीडी, एकीकृत चेक पोस्ट यानी आईसीपी और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स यानी एसीसी) के माध्यम से कार्गो की क्लीयरेंस के लिए 7 फरवरी, 2024 तक ट्रैक किया गया था। अध्ययन में पाया गया है कि जहां तक आयात का सवाल है, अध्ययन के दायरे में लाए गए 15 बंदरगाहों में से 9 बंदरगाहों में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2024 में 'औसत रिलीज समय' में कमी देखी गई है। इसके अलावा, आईसीपी और एसीसी के मामले में रिलीज समय में कमी आई है -वर्ष 2023 की इसी अवधि की तुलना में वर्ष 2024 में आईसीपी के मामले में रिलीज समय में 50 प्रतिशत की व्यापक कमी आई है और एसीसी के मामले में रिलीज समय में 6 प्रतिशत की कमी आई है। एनटीआरएस 2024 में सीबीआईसी की भुगतान-पूर्व सीमा शुल्क अनुपालन सत्यापन (पीसीसीवी) पहल पर भी गौर किया है जिसमें सीमा शुल्क संबंधी समस्त औपचारिकताएं पूरी कर ली जाती हैं और अंतिम क्लीयरेंस केवल संबंधित आयातक द्वारा शुल्क का भुगतान करने तक लंबित रहती है। यह पाया गया कि भुगतान कर दिए जाने के बाद शुल्क भुगतान के औसतन 3 मिनट के भीतर ही स्वचालित 'मशीन रिलीज' प्रक्रिया के माध्यम से सीमा शुल्क विभाग द्वारा अंतिम क्लीयरेंस प्रदान कर दी जाती है। इसके अलावा, प्रवेश बिलों, जिनमें ये सभी तीनों विशेषताएं होती हैं यथा अग्रिम प्रवेश बिल, सुगम प्रवेश बिल, और एईओ (विश्वसनीय ग्राहक कार्यक्रम) प्रवेश बिल, से पता चला है कि संबंधित बंदरगाह श्रेणी के लिए समग्र रिलीज समय की तुलना में बंदरगाहों के लिए 46फीसदी, आईसीडी के लिए 36फीसदी और एसीसी के लिए 45फीसदी का औसत रिलीज समय दर्ज किया गया जो कि काफी कम है।

माइक्रोसॉफ्ट ने सर्वर समस्या का जल्द समाधान निकलने की जताई उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सेवाओं में आ रही दिक्क्तों के बीच कहा कि वह तीसरे पक्ष के सॉफ्टवेयर मंच के अपडेट की वजह से विंडोज संचालित उपकरणों के प्रभावित होने की समस्या से अवगत है। हमें उम्मीद है कि इस समस्या का समाधान जल्द निकाल लिया जाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि हम तीसरे पक्ष के सॉफ्टवेयर मंच के अपडेट के कारण विंडोज उपकरणों को प्रभावित करने वाली समस्या से अवगत हैं। हमें उम्मीद है कि इस समस्या का समाधान जल्द निकाल लिया जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आए संकट के चलते दुनियाभर में एयरलाइंस, बैंकों और व्यवसायों का संचालन प्रभावित हुआ है। भारत में इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा और एयर इंडिया एयरलाइंस ने अपने नेटवर्क पर ऑनलाइन चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रियाओं में व्यवधान का सामना किया। ऐसे में उन्हें 'मैनुअल मोड' अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट के

वैश्विक संकट से उसकी प्रणाली अप्रभावित हैं। वहीं, शेयर बाजार एनएसई और बीएसई ने भी कहा कि माइक्रोसॉफ्ट प्रणाली के वैश्विक संकट से उन पर कोई असर नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि विश्व की सबसे बड़ी सॉफ़्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज सिस्टम में आए नए 'अपडेट' को डाउनलोड करने से दुनियाभर में उपयोगकर्ताओं को तकनीकी रुकावट का सामना करना पड़ रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आई तकनीकी खराबी से दुनियाभर में एयरलाइंस की उड़ानों, टीवी टेलिकास्ट, बैंकिंग सहित कई कार्पोरेट कंपनियों के कामकाज पर इसका व्यापक असर पड़ा है।

बजट के पहले शेयर बाजार में मुनाफावसूली, निवेशकों को 8 लाख करोड़ से अधिक की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले सप्ताह 23 जुलाई को पेश होने वाले बजट से पहले घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों ने सतर्कता बरतते हुए चौतरफा बिकवाली करके मुनाफा वसूली की। आज शेयर बाजार ने शुरुआत में ही मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम कर लिया लेकिन उसके बाद मंदड़ियों के दबाव से शेयर बाजार करीब एक प्रतिशत तक टूट गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.91 प्रतिशत और निफ्टी 1.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। बाजार में आज लगातार बिकवाली से निवेशकों को एक दिन के कारोबार में ही 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की चपत लग गई। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई और एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, मेटल, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली का दबाव बना रहा। लगातार हो रही बिकवाली के कारण मेटल सेक्टर तो 4 प्रतिशत से अधिक टूट गया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 446.25 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.32 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 8.07 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,010 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 917 शेयर बढ़त के

साथ बंद हुए, जबकि 3,004 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 89 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,337 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 353 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,984 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 5 शेयर हरे निशान में और 45 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 241.60 अंक उछल कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 81,585.06 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से इसने 81,587.76 अंक तक पहुंच कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई। पूरे दिन बाजार पर बिकवालों का दबाव बना रहा, जिसके कारण ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स आज का कारोबार खत्म होने की थोड़ी देर पहले ऊपरी स्तर से 1,088.66 अंक टूट कर 844.36 अंक की गिरावट के साथ 80,499.10 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी आधे घंटे के दौरान दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से मामूली सुधार करके 738.81 अंक की कमजोरी के साथ 80,604.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज 52.95 अंक की तेजी के साथ मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 24,853.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही ये सूचकांक आगे बढ़ कर अभी तक के सर्वोच्च शिखर 24,854.80 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 346.65 अंक लुढ़क कर 292.70 अंक की कमजोरी के साथ 24,508.15 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई लिवाली के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से मामूली रिकवरी करके 269.95 अंक की गिरावट के साथ 24,530.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

केंद्र ने अनाज और तिलहन में नमी के स्तर को मापने के काम आने वाले नमी मीटर के लिए मसौदा नियमों पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय उपभोक्ता मामले विभाग ने अनाज और तिलहन में नमी के स्तर को मापने में काम आने वाले नमी मीटर के लिए मसौदा नियमों पर चर्चा करने के लिए सभी हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव श्रीमती निधि खरे ने की। इस संशोधन का उद्देश्य अनाज और तिलहन में नमी के स्तर को मापने में नमी मीटर के लिए विनिर्देशों को शामिल करना है। नियम अनाज और तिलहन के वाणिज्यिक लेनदेन में उपयोग किए जाने वाले अनाज नमी मीटर के प्रकार अनुमोदन के लिए माप संबंधी और तकनीकी आवश्यकताओं, परीक्षण विधियों और अधिकतम स्वीकार्य त्रुटियों को निर्दिष्ट करेंगे। इस बैठक में विभिन्न निर्माताओं, उपयोगकर्ताओं, वैज्ञानिक संस्थानों, प्रयोगशालाओं, राज्य सरकार के कानूनी माप विज्ञान विभागों और वीसीओ ने भाग लिया। नमी मीटर एक विशेष उपकरण है जिसका उपयोग विभिन्न पदार्थों, विशेष रूप से कृषि में अनाज और तिलहन में नमी की मात्रा को मापने के लिए किया जाता है। नमी के बारे में इससे सटीक आंकड़े मिलते हैं जो इन वस्तुओं की गुणवत्ता और भंडारण उपयुक्तता निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण है। नमी के स्तर को मापकर, किसान और व्यापारी अनाजों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित कर सकते हैं, इसके खराब होने के जोखिम को कम कर सकते हैं और भंडारण तथा परिवहन के लिए इष्टतम स्थिति बनाए रख सकते हैं। कानूनी माप विज्ञान नियमों में नमी मीटरों को शामिल करने के प्रस्ताव का उद्देश्य उनकी सटीकता को मानकीकृत और विनियमित करना, कृषि व्यापार प्रथाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता बढ़ाना है। नमी मीटर से संबंधित मसौदा नियम 30 मई, 2024 को सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए उपलब्ध कराए गए थे, जिसमें जून, 2024 के अंत तक सभी हितधारकों से टिप्पणियां आमंत्रित की गई थीं।

Arthritis के दर्द ने कर दिया है जीना दुश्वार, तो इन योगासनों से पाएं इससे आराम

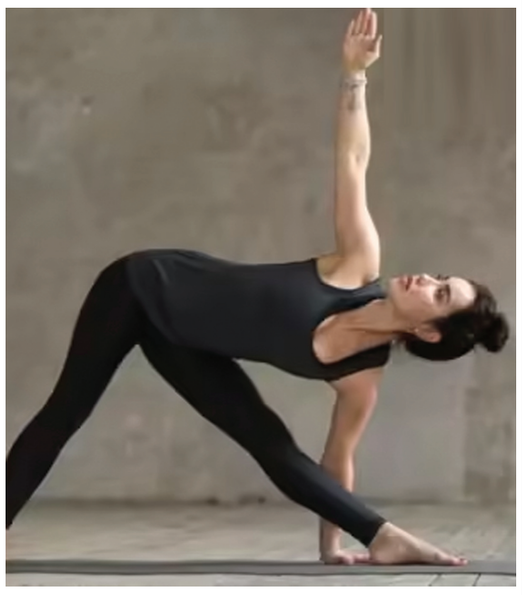

आर्थराइटिस (Arthritis) एक ऐसी बीमारी है जिसमें व्यक्ति के जोड़े प्रभावित होने लगते हैं। इसके कारण व्यक्ति को रोजमर्रा के काम करने में भी काफी तकलीफों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में योग की मदद से जोड़ों के दर्द को कम करने में काफी मदद मिल सकती है। आइए जानें कुछ ऐसे योगासनों (Yoga for Arthritis) के बारे में जिनसे आर्थराइटिस का दर्द से छुटकारा मिल सकता है।

आर्थराइटिस (Arthritis) एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर के जोड़ो को नुकसान पहुंचने लगता है। इस बीमारी में जोड़ों के अलग-अलग हिस्सों में सूजन होने लगती है और इसकी वजह से उन हिस्सों में सूजन और दर्द की समस्या हो जाती है। आर्थराइटिस का कोई इलाज नहीं है, लेकिन इसे मैनेज जरूर किया जा सकता है, ताकि इसका दर्द नियंत्रित रहे और आपको अपने रोजमर्रा के जीवन में इसकी वजह से होने वाली तकलीफों का कम सामना करना पड़े। आर्थराइटिस के दर्द को नियंत्रित करने में योग (Yoga to reduce Arthritis Pain) भी काफी मददगार हो सकता है। आइए जानें कुछ ऐसे योगासन, जो आर्थराइटिस का दर्द कम करने में मददगार हो सकते हैं।

मलासन

मलासन ऐसा योगासन है, जो न केवल आपको जोड़ों के लिए फायदेमंद है, बल्कि इससे और भी कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इस आसन को करने के लिए अपने पैरों को खोलकर स्क्वैट करने की पोजिशन में बैठें और अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को हल्का-सा आगे की ओर झुकाएं। अब इसी पोजिशन में अपने हाथों की दोनों हथेलियों को सामने की ओर जोड़ें।

वीरभद्रासन

वीरभद्रासन जोड़ों के दर्द को दूर करने में काफी फायदेमंद होता है। इस आसन को करने के लिए अपने दोनों को पैरों के बीच कुछ दूरी बनाकर खड़े हो जाएं। इसके बाद अपने दाएं पैर को 90 डिग्री पर मोड़ें और अपने बाएं पैर को दाईं ओर हल्का-सा झुकाएं। इसके बाद अपने दोनों हाथों को कंधों के बराबर उठाएं और हथेलियों को ऊपर की तरफ रखें। थोड़ी देर इस आसन में रहें और इसके बाद सीधे हो जाएं। इससे घुटनों के दर्द को कम करने में मदद मिलेगी और कंधे की मांसपेशियां भी मजबूत बनेगी।

त्रिकोणासन

इस आसन को करना बेहद आसान है और इससे आपकी बॉडी की स्ट्रेचिंग भी होती है। इस आसन को करने के लिए अपने पैरों के बीच थोड़ी दूरी बनाएं और अपने एक हाथ को नीचे की तरफ झुकाएं। इसके बाद अपने दाएं हाथ से अपने दाएं पैर के अंगूठे को छूएं और अपने बाएं हाथ को सीधा रखें। इस आसन को करते समय इस बात का ख्याल रखें कि आपका शरीर बगल की तरफ झुका हो, न की आगे या पीछे। थोड़ी देर इस आसन में रहे और इसके बाद अपने शरीर के दूसरी तरफ इस आसन को दोहराएं।

पश्चिमोत्तानासन

इस आसन को करने के लिए अपने पैरों को सीधा करके एक जगह बैठ जाएं। अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें और अपने हाथों को ऊपर उठाएं और धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। इस दौरान अपने घुटनों को सीधा रखें और पैर मुड़े न ऐसी कोशिश करें। अपने हाथों से अपने पैरों के अंगूठे को छूएं और इस आसन में कुछ समय तक रुकें। इसके बाद धीरे-धीरे सीधे हो जाएं।

राहुल गांधी का हिन्दू धर्म बनाम आरएसएस का हिंदुत्व

लोकसभा के हालिया (2024) चुनावों के परिणामों ने संसद को बहस और चर्चा का सार्थक मंच बना दिया है

हिन्दू धर्म किसी पैगम्बर पर आधारित नहीं है और इसलिए उसकी अलग-अलग ढंग से व्याख्याएं की जाती रही हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथों में हिन्दू नहीं है। वेदों, उपनिषदों, गीता और मनुस्मृति में कहीं भी यह शब्द नहीं है। इस शब्द का इस्तेमाल सिन्धु नदी के पश्चिम में रहने वाले इस विशाल नदी के पूर्व में रहने वालों के लिए प्रयुक्त करते थे। चूंकि वे स% का उच्चारण ह करते थे इसलिए सिन्धु शब्द हिन्दू बन गया।

लोकसभा के हालिया (2024) चुनावों के परिणामों ने संसद को बहस और चर्चा का सार्थक मंच बना दिया है। वहां अब प्रतिपक्ष की आवाज़ भी सुनाई देती है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन पर हुई चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने भाषण में देश के समक्ष प्रस्तुत विभिन्न चुनौतियों और समस्यायों पर चर्चा की। उनके भाषण के एक हिस्से में उन्होंने हिन्दू धर्म की प्रकृति और चरित्र पर भी बात की। उनके भाषण का यह हिस्सा शायद सदन की कार्यवाही से विलोपित कर दिया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि- हिन्दू धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। %भारत, अहिंसा का देश है, भय का नहीं। हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा का आचरण करने और भय पर विजय प्राप्त करने की बात कही है। फिर, भाजपा सदस्यों की ओर इशारा करने हुए उन्होंने कहा, जो लोग स्वयं को हिन्दू कहते हैं, वे दिन-रात हिंसा और नफरत की बात करते हैं और असत्य बोलते हैं।

उसके बाद से राहुल के कथन के खिलाफ साधुओं ने कई विरोध प्रदर्शन किए और अहमदाबाद में कांग्रेस के कार्यालय पर हमला हुआ। संघ परिवार यह झूठ फैला रहा है कि राहुल ने सभी हिन्दुओं को हिंसक कहा है। राहुल ने इसके उलट यह साफ़ किया है कि उनकी दृष्टि में हिन्दू धर्म सत्य, अहिंसा और प्रेम पर आधारित है। संघ के नेता कह रहे हैं कि नेहरु से लेकर राहुल गांधी तक सभी की विचारधारा का ज़मीनी यथार्थ से कोई लेना-देना नहीं रहा है। उनके अनुसार, नेहरु-गांधी परिवार के सभी नेता केवल अपना वोट बैंक बचाने की जुगत में अल्पसंख्यकों से जुड़े मसले उठाते रहे हैं।

इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने हिन्दू धर्म को मानवतावाद से जोड़ने के राहुल गांधी के प्रयास का समर्थन किया है। कई सालों से देश में हिन्दू धर्म और हिंदुत्व ये दोनों शब्द इस्तेमाल किये जा रहे हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि राहुल गांधी का हिन्दू धर्म ही उनका हिंदुत्व है। आरएसएस ने कर्ताधर्ता नेहरु की इसलिए भी आलोचना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा शुरू किये गए साम्प्रदायिकता विरोधी अभियान के निशाने पर आरएसएस था। वे नेहरु के इसलिए भी खिलाफ हैं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के हाथों सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन का विरोध किया है। संघ कहता है कि उसका हिंदुत्व, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुख़र्जी के विचारों पर आधारित है। सच यह है कि संघ की विचारधारा का दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के विचारों से कोई लेना-देना नहीं हैं। संघ केवल उन दोनों के नामों का इस्तेमाल लर अपनी विचारधारा को स्वीकार्य बनाने की कोशिश कर रहा है।हिन्दू धर्म किसी पैगम्बर पर आधारित नहीं है और इसलिए उसकी अलग-अलग ढंग से व्याख्याएं की जाती रही हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथों में हिन्दू नहीं है। वेदों, उपनिषदों, गीता और मनुस्मृति में कहीं भी यह शब्द नहीं है। इस शब्द का इस्तेमाल सिन्धु नदी के पश्चिम में रहने वाले इस विशाल नदी के पूर्व में रहने वालों के लिए प्रयुक्त करते थे। चूंकि वे %स% का उच्चारण %ह% करते थे इसलिए सिन्धु शब्द हिन्दू बन गया। अत- हिन्दू शब्द का मूल अर्थ था सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि पर रहने वाले सभी लोग। इस विशाल भूभाग में मुख्यत- वैदिक धर्म (जिसे हम ब्राह्मणवाद भी कह सकते हैं), आजीवक, तंत्र, नाथ, शैव, बौद्ध व जैन परम्पराएं प्रचलित थीं।

बाद में जैन व बौद्ध धर्मों को छोड़कर, इन सभी परम्पराओं का मिश्रण हिन्दू धर्म कहलाने लगा। ब्राह्मणवाद के अलावा अन्य सभी परम्पराएं %श्रमण% कहलाती थीं।ब्राह्मणवाद और श्रमणवाद में मुख्य अंतर यही था कि ब्राह्मणवाद में जाति प्रथा थी जबकि श्रमणवाद में नहीं थी। हिन्दू धर्म शब्द के उदय के बारे में इतिहासविद डी.एन. झा ने भारतीय इतिहास कांग्रेस, 2006, में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा था कि, यह बिलकुल सही है कि यह शब्द (हिन्दू), पूर्व-औपनिवेशिक भारत में प्रचलित था। मगर ब्रिटिश अध्येताओं ने 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की शुरुआत में इस शब्द का उपयोग करना शुरू किया और धीरे-धीरे यह व्यापक रूप से प्रयुक्त होने लगा। हिन्दू शब्द भारतीय उपमहाद्वीप के उन सभी रहवासियों के लिए प्रयुक्त किया जाता था जो मुसलमान, ईसाई, सिक्ख या जैन नहीं थे।

चूंकि हिन्दू धर्म के कोई निश्चित ग्रन्थ और सिद्धांत नहीं थे इसलिए ब्राह्मणवादियों ने वेदों और मनुस्मृति को पवित्र ग्रन्थ घोषित कर दिया। हिन्दू धर्म की समझ में भी अंतर हैं। अम्बेडकर के दृष्टि में ब्राह्मणवाद और जाति प्रथा ने हिन्दू धर्म को जकड़ रखा है। यही कारण है कि उन्होंने मनुस्मृति का दहन किया। दूसरी ओर महात्मा गांधी स्वयं को सनातनी हिन्दू कहते थे। उन्होंने %यंग इंडिया% के 6 अक्टूबर 1921 के अंक में लिखा, %हिन्दू धर्म सभी से कहता है कि वे अपनी-अपनी आस्था और धर्म के आधार पर ईश्वर की आराधना करें और इस प्रकार वह अन्य धर्मों के साथ शांतिपूर्ण सहअस्तित्व बनाये रख पाया है।% यही तो बहुवाद है। यही तो अंतर्धार्मिक रिश्तों की बुनियाद होनी चाहिए. और अब राहुल गांधी ने कहा है कि सत्य, प्रेम और अहिंसा हिन्दू धर्म का मूल आधार हैं।

हिंदुत्व शब्द को 1892 में चंद्रकांत बसु ने गढ़ा था और इसे आध्यात्मिक ऊंचाईयां अर्जित करने के आदर्शवादी लक्ष्य से जोड़ा था। राजनीति के सन्दर्भ में हिंदुत्व शब्द के इस्तेमाल की शुरुआत सावरकर ने अपनी पुस्तक %एस्सेनशियल्स ऑफ़ हिंदूइस्म% (1923) में इसे परिभाषित कर की थी। सावरकर का हिंदुत्व आर्य नस्ल, सिन्धु से समुद्र तक की पवित्र भूमि एवं ब्राह्मणवादी संस्कृति तक सीमित है। सावरकर, बौद्ध धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के कड़े आलोचक थे और मानते थे कि बुद्ध द्वारा अहिंसा का प्रचार करने से ही भारत कमज़ोर बना। यह कहना इतिहास की गलत समझ पर आधारित है। उस समय आधुनिक अर्थ में भारत जैसा कोई राष्ट्र नहीं था। और अगर हम राजाओं के साम्राज्यों को राष्ट्र मानें तो हमें यह याद रखना चाहिए कि सम्राट अशोक, जिन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था, का साम्राज्य प्राचीन भारत का सबसे बड़ा साम्राज्य था। सावरकर के अनुसार हिन्दू केवल वही है जिसकी पितृभूमि और पवित्रभूमि दोनों भारत में हैं।सावरकर से सीख लेकर आरएसएस इस्लाम और ईसाईयत को विदेशी धर्म मानता है और प्राचीन धर्मग्रंथों (मनुस्मृति आदि) का अनुमोदन करते हैं। संघ ने हिंसा को अपनी विचारधारा का हिस्सा बना लिया है और नागपुर स्थित उसके मुख्यालय में तरह-तरह के हथियारों का संकलन हैं, जिनकी दशहरा के दिन पूजा की जाती है। आरएसएस की शाखाओं में मुस्लिम शासकों जैसे बाबर और औरंगजेब का दानवीकरण कर और हिन्दू राजाओं जैसे राणाप्रताप, शिवाजी और पृथ्वीराज चौहान का महिमामंडन कर नफरत फैलाई जाती है। आरएसएस राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन को भी पसंद नहीं करता क्योंकि उसमें सभी धर्मों के लोगों ने भाग लिया था।

संघ का दावा है कि वह हिन्दुओं का प्रतिनिधि है और वह मंदिरों के विध्वंस, बीफ और जबरिया धर्मपरिवर्तन जैसे भावनात्मक मसले उठाता रहता है। यह बात सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1948 में संघ पर प्रतिबन्ध लगाने के बाद कही थी। उन्होंने कहा था, उनके सभी भाषण, सांप्रदायिक जहर से भरे रहते थे जिसके अंतिम नतीजे में देश को गांधीजी के बेशकीमती जीवन के बलिदान की पीड़ा से गुजरना पड़ा।जहां महात्मा गांधी और राहुल गांधी जैसे नेता हिन्दू धर्म के मानवीय पक्ष पर जोर देते हैं वहीं सावरकर से प्रेरित आरएसएस नफरत और हिंसा की राह पर चलते रहे हैं। अम्बेडकर ने भी हिन्दू धर्म पर ब्राह्मणवादियों के वर्चस्व की खिलाफत की थी। राहुल गांधी, हिन्दू धर्म को समावेशी और अहिंसक चरित्र देने का प्रयास कर रहे हैं।

संपादकीय

कांवड़ यात्रा से पहले विवादास्पद फैसला

उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुजफ्फरनगर और पश्चिमी यूपी के अन्य इलाकों में कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटल, ठेले पर फल या अन्य खाने-पीने का सामान बेचने वाले लोगों से मालिक और कर्मचारियों के नाम लिखकर लगाने को कहा है। और कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इस विवादास्पद फैसले को वापस नहीं लिया गया है। कांवड़ यात्रा को लेकर पहले भी कई किस्म के धार्मिक पूर्वाग्रह देखे जा चुके हैं। जैसे कांवड़ यात्रा के लिए करीब 33 हजार पेड़ों को काटने का फैसला लिया गया, ताकि सड़क चौड़ी हो और श्रद्धालुओं को सुविधा हो। जब पेड़ों के काटे जाने पर विरोध दर्ज कराया गया तब राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने उन इलाकों की सेटेलाइट तस्वीर मांगी, जहां पेड़ काटे गए। लेकिन इस कार्रवाई से हरियाली पर चली कुल्हाड़ी बेअसर तो नहीं हुई। इसी तरह कुछ समय पहले कांवड़ियों पर यूपी के एक डीजीपी ने सरकारी हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए थे, जो सरासर प्रशासनिक दायित्व और नैतिकता का उल्लंघन था। सरकार और प्रशासन की ओर से लिए गए इन फैसलों को मानसिक दिवालियापन की श्रेणी में रखा जा सकता है। लेकिन अब जो फैसला लिया है, वह खुली चेतावनी दे रहा है कि भारत तेजी से नाजी दौर वाली जर्मनी के युग में धकेला जा रहा है।पाठकों को याद दिला दें कि जर्मन तानाशाह हिटलर के प्रचार मंत्री जोसेफ गोएबल्स ने मई 1938 में जर्मन यहूदियों के लिए %सामान्य पहचान चिह्न% का सुझाव दिया था। जिसके बाद नाजी अधिकारियों ने 1939 और 1945 के बीच यहूदियों को पीले सितारे वाले बैज को लगाने का आदेश दिया था, ताकि उन्हें अलग से पहचाना जा सके और उनकी गतिविधियों पर नज़र रखी जाए। जो यहूदी अपनी पहचान बताने वाले बैज को नहीं पहनता था, उसे अपमानित और दंडित किया जाता था।पहचान के नाम पर नागरिकों में भेद करने का जो काम सौ साल पहले जर्मनी में हुआ, क्या वैसे ही किसी कृत्य के लिए आज के भारत में कोई स्थान होना चाहिए, यह एक गंभीर सवाल है, जिस पर सभी लोगों को विचार करना चाहिए। वैसे उप्र पुलिस के इस आदेश की निंदा होनी शुरु हो चुकी है। अखिलेश यादव और असदुदीन ओवैसी जैसे नेताओं ने इसकी भर्त्सना की है। माननीय न्यायालय से यह अपेक्षा जतलाई गई है कि वह इस संबंध में स्वत- संज्ञान लेगी।

हालांकि उप्र पुलिस ने इस फैसले के पक्ष में दलील दी है कि यात्रियों को %किसी भी भ्रम से बचने के लिए% ये निर्देश कांवड़ यात्रा रूट के लिए खासतौर पर जारी किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि ताकि कांवड़ियों के बीच कोई भ्रम न हो और भविष्य में कोई आरोप न लगे, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा हो। पुलिस ने दावा किया कि हर कोई अपनी मर्जी से इसका पालन कर रहा है। एक लचर तर्क यह भी दिया गया है कि इस आदेश का इरादा किसी भी प्रकार का %धार्मिक भेदभाव पैदा करना नहीं था, बल्कि केवल भक्तों को सुविधा देना था। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि, अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां कांवड़ मार्ग पर सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ बेचने वाले कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों का नाम इस तरह रखा, जिससे कांवड़ियों के बीच भ्रम पैदा हुआ और कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई।अब सवाल यह है कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस की है या दुकानदारों की। इस देश का संविधान किसी को भी अपनी मर्जी का नाम रखने से नहीं रोकता है, फिर चाहे वह संतान का नाम हो या दुकान का। और अगर धर्म का पालन करने के नाम पर कांवड़ लेकर निकल रहे लोगों में इतनी समझ और सहनशक्ति नहीं है कि वह किसी के नाम से ही आहत हो जाएं तो फिर उनके धार्मिक होने पर ही संदेह है।अगर किसी को दूसरे धर्म के लोगों से खाद्य सामग्री खरीदने में धर्मभ्रष्ट होने का खतरा दिखता है, तो फिर ऐसे संकुचित मानसिकता के लोगों को यह भी पता कर लेना चाहिए कि जिस सड़क पर वो चलेंगे, उसे बनाने वाले कौन से धर्म के थे, जिन कपड़ों को वे पहनेंगे, उसका धागा कहां से आया, जिस कांवड़ को वे ढोएंगे, उसे किस जाति, धर्म के लोगों ने बनाया। रास्ते में जिन शामियानों के नीचे वो आराम करने बैठेंगे या जिन लाउड स्पीकरों पर वे तेज आवाज़ में अपनी भक्ति का प्रदर्शन करेंगे, उसे किन लोगों ने बनाया है।

सर्वोच्च न्यायालय में मनी बिल को चुनौती, सत्तारूढ़ भाजपा की कमज़ोरी और बढ़ी

सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष कानूनी चुनौती केवल संवैधानिक प्रावधानों की तकनीकी व्याख्या के बारे में नहीं है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए व्यापक निहितार्थों के बारे में भी है। यह कार्यपालिका और विधायी शाखाओं के बीच शक्तियों के संतुलन और संवैधानिक सिद्धांतों को बनाये रखने में न्यायिक निगरानी की भूमिका के बारे में मौलिक प्रश्न उठाता है।

अगर %आधार% एक पैसे का मामला है, तो किसी भी चीज़ का मतलब कुछ भी हो सकता है। यह उन प्रमुख दुविधाओं में से एक होगी, जिस पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संवैधानिक पीठ विचार करेगी, जब वह विवादास्पद विधेयकों को आगे बढ़ाने में विधायी बाधाओं को दूर करने के लिए मोदी सरकार द्वारा मनी बिल वाले मार्ग के अनुचित इस्तेमाल के खिलाफ याचिकाओं पर विचार-विमर्श शुरू करेगी। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने इस सप्ताह फैसला किया कि समय आ गया है कि विद्वान न्यायाधीश काम पर लग जाएं, क्योंकि पिछले साल अक्टूबर में जब से बेंच की घोषणा की गयी थी, तब से बेंच लगभग निष्क्रिय रही है।यह मुद्दा भारतीय संविधान की धारा110 की व्याख्या और अनुप्रयोग पर केंद्रित है, जो परिभाषित करता है कि मनी बिल क्या होता है। धन विधेयक, सामान्य विधेयकों के विपरीत, राज्यसभा की स्वीकृति के बिना पेश और पारित किये जा सकते हैं, जिससे विपक्ष के प्रभुत्व वाले उच्च सदन की जांच और संभावित अवरोध को प्रभावी ढंग से दरकिनार किया जा सकता है।

सरकार ने आधार कानून को धन विधेयक के दायरे में लाने के लिए कमजोर वर्गों को प्रभावी सब्सिडी प्रदान करने के साधन के रूप में आधार की एक दूरगामी परिभाषा प्रदान की थी। लेकिन इसने व्यापक रूप ने लोगों को चौंका दिया था। विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों सहित आलोचकों का तर्क है कि सरकार संसदीय निगरानी से बचने और जल्दबाजी में कानून बनाने पर रोक लगाने के लिए राज्यसभा की भूमिका को कमजोर करने के उद्देश्य से धन विधेयक प्रावधान का दुरुपयोग कर रही है। उनका तर्क है कि धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत कई विधेयक संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं और राज्यसभा में विपक्ष को दरकिनार करने के लिए उन्हें गलत तरीके से वर्गीकृत किया गया है।

उनका तर्क है कि यह प्रथा लोकतांत्रिक विचार-विमर्श और विधायी जांच के सिद्धांतों को नष्ट करती है जो मजबूत और अच्छी शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक हैं। राज्यसभा में विधायी गतिरोध का सामना कर रही मोदी सरकार ने प्रमुख सुधारों और ऐतिहासिक कानूनों को आगे

बढ़ाने के लिए तेजी से इस मार्ग की ओर रुख किया है। जहां तक भाजपा और मोदी सरकार का सवाल है, स्थिति एक कीचड़युक्त अतीत से और अधिक कीचड़ वाले भविष्य की ओर इशारा करती है।

राज्यसभा में भाजपा की ताकत घटकर 86 रह गयी है, जिससे एनडीए की विधायी क्षमता प्रभावित हुई है। अन्य सहयोगियों को शामिल करने पर, ताकत बढ़कर केवल 101 रह जाती है। इसका उच्च सदन में विवादास्पद विधेयकों के पारित होने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, सरकार को लगातार राज्य चुनावों के बाद बढ़ते विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जहां विपक्षी दलों ने अपनी सीटों की संख्या में वृद्धि के साथ बढ़त हासिल की है।कम ताकत और महत्वपूर्ण मुद्दों पर बढ़ती विपक्षी एकता के साथ, सरकार को विवादास्पद तरीकों का सहारा लिए बिना विधायी जनादेश हासिल करने में एक कठिन कार्य का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकारी आदेशों और अध्यादेशों के माध्यम से शासन की प्रभावकारिता और वैधता पर भी इस संदर्भ में सवाल उठाये गये हैं, जिससे लोकतांत्रिक शासन और संसदीय जवाबदेही के बारे में चिंताएं बढ़ गयी हैं।विभिन्न हितधारकों द्वारा दायर याचिकाओं में धन विधेयक लेबल के तहत पारित विधेयकों की वैधता पर सवाल उठाया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इस तरह का वर्गीकरण मनमाना था और राज्यसभा में बहस और संशोधन से बचने के लिए बनाया गया था। ये याचिकाएँ विशिष्ट विधायी उदाहरणों को उजागर करती हैं, जहां कराधान और वित्त से संबंधित विवादास्पद विधेयकों को वित्तीय मामलों से परे उनके व्यापक निहितार्थों के बावजूद धन विधेयक के रूप में पारित किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष कानूनी चुनौती केवल संवैधानिक प्रावधानों की तकनीकी व्याख्या के बारे में नहीं है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए व्यापक निहितार्थों के बारे में भी है। यह कार्यपालिका और विधायी शाखाओं के बीच शक्तियों के संतुलन और संवैधानिक सिद्धांतों को बनाये रखने में न्यायिक निगरानी की भूमिका के बारे में मौलिक प्रश्न उठाता है।इन चुनौतियों के जवाब में, सरकार ने विधायी गतिरोध को दूर करने और महत्वपूर्ण सुधारों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपकरण के रूप में धन विधेयक मार्ग के अपने उपयोग का बचाव किया है। यह तर्क देता है कि विधेयकों को धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत करना कानूनी सलाह और संसदीय परम्परा के अनुसार किया गया था, जो आर्थिक और राजकोषीय नीति के मामलों में शीघ्र निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल देता है।

इन याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम फैसले का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है क्योंकि इसमें भविष्य की विधायी प्रथाओं और संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या के लिए एक मिसाल कायम करने की क्षमता है। तात्कालिक कानूनी निहितार्थों से परे, इस मामले का भारत के लोकतांत्रिक शासन, न्यायिक स्वतंत्रता और सरकार की विभिन्न शाखाओं के बीच शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव है।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की

होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

ब्रेन में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज है सबसे बेहतर तरीका

एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क के लिए अधिक ऑक्सीजन प्राप्त करने के एकमात्र तरीके पर ध्यान केंद्रित करते हुए अध्ययन किया है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाकर मस्तिष्क को अधिक रक्त प्राप्त करने में मदद करता है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह देखने में रुचि दिखाई कि ब्रेन ऑक्सीजन का स्तर प्राकृतिक व्यवहार और विशेष रूप से व्यायाम से कैसे प्रभावित होता है।

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने सभी स्तनधारियों पर लागू एक सच्चाई का खुलासा किया है, जिसमें कहा गया है कि व्यायाम करने पर रक्त चूहे के दिमाग में अधिक ऑक्सीजन ला सकता है क्योंकि जब वे व्यायाम करते हैं, तो बढ़ी हुई श्वसन हीमोग्लोबिन में अधिक ऑक्सीजन पैक होता है।

पैट्रिक जे. ड्रयू न्यूरल इंजीनियरिंग और न्यूरोसर्जरी के हूक प्रतिष्ठित एसोसिएट प्रोफेसर और पेन स्टेट न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के एसोसिएट डायरेक्टर, के अनुसार, मानक विचार यह था कि स्तनधारी रक्त हमेशा पूरी तरह से ऑक्सीजन से संतृप्त होता है। शोधकर्ताओं ने जर्नल ऑफ नेचर कम्युनिकेशंस में अध्ययन की सूचना दी।

ड्रयू ने कहा कि हम जानते हैं कि लोग संज्ञानात्मक कार्यों को करते समय श्वास पैटर्न बदलते हैं। वास्तव में, श्वसन चरण हाथ में काम को बंद कर देता है और मस्तिष्क में, तंत्रिका गतिविधि में वृद्धि आमतौर पर रक्त प्रवाह में वृद्धि के साथ होती है। हालांकि, वास्तव में शरीर में जो हो रहा है वह अज्ञात था, इसलिए शोधकर्ताओं ने चूहों का इस्तेमाल किया, जो ट्रेडमिल पर चलना या दौड़ना चुन सकते थे और उनकी श्वसन, तंत्रिका गतिविधि, रक्त प्रवाह और मस्तिष्क ऑक्सीकरण पर नजर रखी। इंजीनियरिंग साइंस और मकैनिक्स में पोस्टडॉक्टरल फेलो, किंग गुआंग झांग ने कहा, हमने अनुमान लगाया कि मस्तिष्क ऑक्सीकरण तंत्रिका गतिविधि और रक्त प्रवाह पर निर्भर करेगा। हमें उम्मीद थी कि अगर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है, तो मस्तिष्क के आगे के हिस्से में ऑक्सीजन आ जाएगा। हमने सोचा था कि ऐसा होगा, लेकिन तब हमें एहसास हुआ कि यह श्वसन था जो ऑक्सीजन को बनाए रख रहा था। इसलिए यह एकमात्र तरीका यह हो सकता है कि व्यायाम रक्त को अधिक ऑक्सीजन ले जाने का कारण बन रहा है, जिसका अर्थ होगा कि रक्त सामान्य रूप से ऑक्सीजन से पूरी तरह से संतृप्त नहीं था। उन्होंने श्वसन, रक्त प्रवाह और ऑक्सीकरण की निगरानी के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल किया। जिसमें कि उन्होंने तंत्रिका गतिविधि और रक्त वाहिका फैलाव को दबाते हुए ऑक्सीजन के स्तर का भी परीक्षण किया। इसमें शोधकर्ताओं के अनुसार, जब तंत्रिका गतिविधि और कार्यात्मक हाइपरमिया (रक्त प्रवाह बढ़ता है) अवरुद्ध हो गया था, तो ऊतक और मस्तिष्क को भोजन देने वाली धमनियों में दोनों अवरुद्ध हो गए थे और श्वसन दर और श्वसन चक्र के चरण के साथ कसकर संबंधित थे। इस आधार पर निष्कर्ष निकलते हैं कि श्वसन सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन को संशोधित करने के लिए एक गतिशील मार्ग प्रदान करता है।

सिर्फ मेवा नहीं सेहत का खजाना है बादाम, इसके ये फायदे भी जानें

बादाम सिर्फ एक मेवा नहीं है, बल्कि सेहत का खजाना है। इसके नियमित सेवन से शरीर को ढेरों लाभ मिलते हैं। रोज भीगे हुए बादाम जरूर खाए जाने चाहिए। ना जाने कितनी बार ये सलाह आपके कानों में पड़ी होगी। लेकिन क्या आप इस सलाह को मानते हैं?

अगर आपका जवाब नहीं है तो संभव है कि अब तक आप बादाम में छुपे ढेरों फायदों से रूबरू नहीं हो पाए हैं। यह कई सारी बीमारियों को भी ठीक करने की ताकत छोटे से बादाम में भरपूर मात्रा में होती है। यही वजह है कि दो साल पहले भारत में हुए एक सर्वे में पाया गया कि खुशी के मौके पर 97 प्रतिशत भारतीय बादाम खाना पसंद करते हैं। ऐसा देश के बड़े शहरों में 18 से 35 साल के 3037 लोगों पर किए सर्वे के बाद पाया गया था। आप भी बादाम के नियमित सेवन से अपने और अपने परिवार की सेहत को दुरुस्त कर सकते हैं।

बादाम खाइए, खून नहीं होगा कम : हीमोग्लोबिन की कमी महिलाओं को होने वाली आम परेशानी है। इस परेशानी से अगर आप भी जूझ रही हैं तो हर दिन चार-पांच बादाम खाना शुरू कर दें। दरअसल, बादाम खून बढ़ाने में मदद करता है। लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण कर पाने की क्षमता को शरीर में मौजूद कुछ पोषक तत्व प्रभावित करते हैं। बादाम खाने से शरीर को ये पोषक तत्व मिलते है, क्योंकि बादाम लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण करने की क्षमता को बेहतर बनाता है। ऐसा इसमें मौजूद कॉपर और आयरन की वजह से हो पाता है। बादाम को मेवे के रूप में खाने के साथ ही इसे आप आसानी से तरह-तरह के व्यंजनों और पेय पदार्थों का हिस्सा भी बना सकती हैं।

बादाम खाने का सही समय : बादाम खाना तब सबसे अच्छा होता है, जब आपका पेट एकदम खाली हो। इसको तब भी खाया जा सकता है, जब पेट हल्का हो। मतलब शाम को लंच के करीब 3 घंटे बाद। पर ऐसा क्यों होता है, जानना जरूरी है। दरअसल, बादाम तब खाना चाहिए, जब शरीर इसके पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से सोख सके और ऐसा सिर्फ खाली पेट ही संभव है।

प्रदूषक तत्वों से बचाता है बादाम : फ्री रैडिकल्स यानी प्रदूषक तत्व हमारी सेहत के दुश्मन जैसे हैं। ये जितना बढ़ेंगे, उतना ही शरीर में बीमारी फैलने की वजह बनते जाएंगे, जबकि बादाम के छिलके में मौजूद फाइबर, फ्री रैडिकल्स से शरीर की रक्षा करता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फ्री रैडिकल्स को संतुलित करते हैं और शरीर को बीमारियों से बचाते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद : खाना पेट में जाने के बाद शुगर का स्तर क्या होता है, इसी को नापने का पैमाना होता है ग्लाइसेमिक इंडेक्स। अगर शुगर कम रिलीज हो रही है तो ये इंडेक्स लो होगा, ज्यादा तो हाई। चूंकि बादाम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों की सेहत पर बुरा असर नहीं डालता। बादाम शरीर में शुगर के स्तर को भी संतुलित रखने में मदद करता है। मोटापे के शिकार लोगों के लिए भी यह सेहतमंद स्नैक्स के तौर पर काम आता है।

चमकती रहेगी त्वचा : बादाम विटामिन-ई से भरपूर होता है। इतना ही नहीं, इसमें मैग्नीज, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे मिनरल्स भी प्रचुर मात्रा में होते हैं।

ये भी हैं फायदे

शरीर में बड़ी आंत का हिस्सा होता है कोलोन। इसी हिस्से के कैंसर को खत्म करने की खूबियां भी बादाम खुद में छुपाए हुए है। बादाम का फाइबर इस कैंसर की रोकथाम में सहायक है। बादाम में जलन और सूजन को कम करने की भी क्षमता होती है। सूजन ज्यादा दिन रहे तो अंगों पर गलत असर डालती है। बादाम इस समस्या में राहत देता है। बादाम में वो फैटी एसिड होता है, जो शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। यानी बादाम के नियमित सेवन से दिल को दुरुस्त रखा जा सकता है। इसमें मौजूद मैग्नीज बादाम को एनर्जी बूस्टर भी बनाता है। आंखों के नीचे आने वाली सूजन भी बादाम खाने से कम होती है। गर्भवती महिलाओं के लिए बादाम फायदेमंद होता है। बादाम में फॉलिक एसिड प्रचुर मात्रा में होता है।

स्टफ्ड छोला पराठा

सामग्री

- 2 कप गेहूं का आटा
- 1/2 टीस्पून घी
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- आवश्यकतानुसार

स्टफिंग के लिए
- मसाला छोले
- 2 टेबलस्पून बारीक कटा हुआ हरा प्याज
- छोटी चम्मच हींग

विधि

आटे में घी, नमक और 1 चम्मच तेल मिलाकर पानी की सहायता से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को 15-20 मिनट के लिए रख दें। एक बोल में मसाला छोले, हरा प्याज, हींग और अतिरिक्त मसाले डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब परांठे की स्टफिंग तैयार है। आटे की लोइयां तैयार कर उन्हें बेल लें। एक चम्मच स्टफिंग उस पर रखने के बाद चारों तरफ से मोड़ कर बंद कर दें। अब इस छोले भरी लोई को चपटा कर थोड़ा सा बड़ा कर लें। बेले हुए परांठे को तवे पर डालकर दोनों तरफ से तेल लगाकर ब्राउन होने तक खस्ता सेकें। स्टपड परांठे को अचार, चटनी, सब्जी, दही व सैलेड के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

पत्तागोभी मंचूरियन

सामग्री

■ मैदा- 1/3 कप ■ पत्तागोभी- 3/4 कप (कद्दूकस किया हुआ) ■ गाजर- 3/4 कप (कद्दूकस किया) ■ शिमला मिर्च- 1/2 (कद्दूकस की हुई) हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ काली मिर्च- 1/2 पिंच ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- डीप फ्राई के लिए **ग्रेवी के लिए** ■ तेल- 2 टेबलस्पून ■ अदरक- 2 टीस्पून (कद्दूकस किया) ■ लहसुन- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ काली मिर्च- 1 टीस्पून ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ सोया सॉस- 2 टेबलस्पून ■ टोमैटो सॉस- 2 टेबलस्पून ■ चिली सॉस- 1/2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ विनेगर- 1 टीस्पून ■ प्याज- 2 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ हरा धनिया- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा)

विधि

एक मिक्सिंग बाउल में कद्दूकस किया हुआ गाजर, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, तेल, काली मिर्च पाउडर, मैदा, कॉर्नफ्लोर, नमक और बहुत ही थोड़ा सा पानी डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिक्सचर से छोटे-छोटे बॉल्स बना लें। पैन में तेल गरम करें और जब तेज गर्म हो जाएं, तब इसमें बॉल्स को डालकर गोल्डेन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें और अलग रख दें। ग्रेवी बनाने के लिए एक बाउल में कॉर्नफ्लोर और पानी डालकर पेस्ट बना लें। फिर एक पैन में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर एक मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें सोया सॉस, चिली सॉस और टोमैटो सॉस डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें 2 कप पानी, काली मिर्च और नमक डालकर एक उबाल आने तक पका लें। इसके बाद इसमें कॉर्नफ्लोर का पेस्ट डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और धीमी आंच पर एक मिनट तक पका लें। फिर इसमें पत्तागोभी के बॉल्स को डालकर 3 मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बारीक कटे प्याज और हरा धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 5017

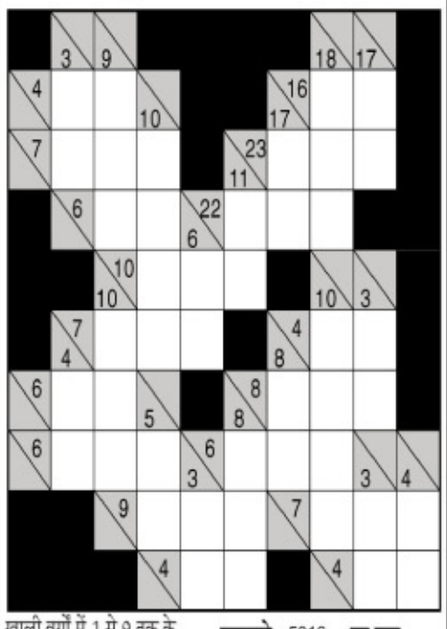

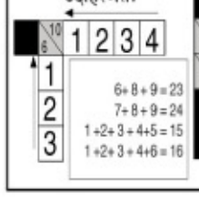

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

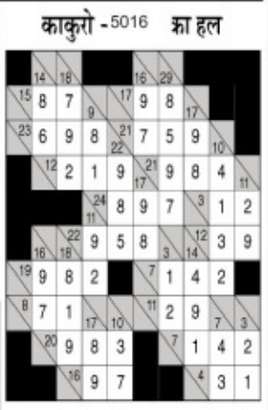

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -5016 का हल

लॉफिंग जोक्स

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

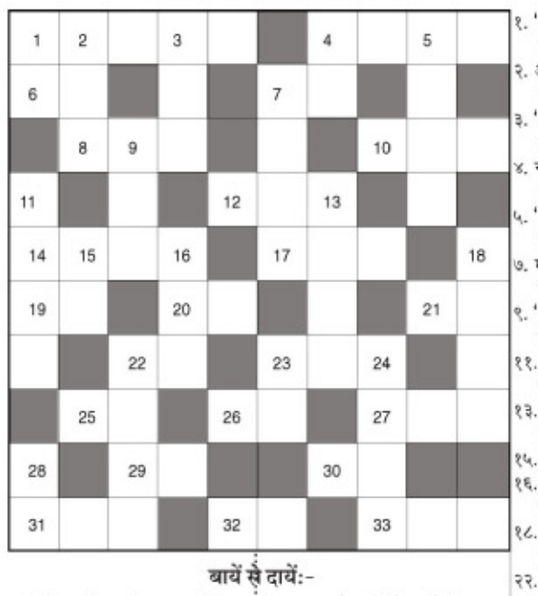

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 5017

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अमित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरुदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5016

त्रि	शु	ल		ग	द्दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		रा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

5017

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5016

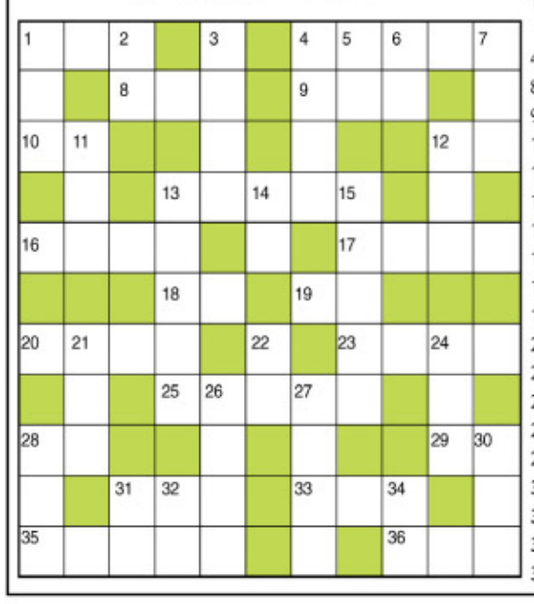

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 5017

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली - 5016 का हल

पश्चिम बंगाल में मिसाइल परीक्षण के लिए आईटीआर बनाने की योजना अटकी

एजेंसी

नई दिल्ली। मिसाइलों का परीक्षण करने के लिए ओडिशा के चांदीपुर? की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) बनाने की योजना मछुआरों और स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद अटकती नजर आ रही है। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के जुनपुट में मिसाइल प्रक्षेपण केंद्र बनाने का जुलाई में शुरू किया गया कार्य अचानक रोक दिया गया है।गतिरोध जारी रहने के कारण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया है। दरअसल, भारतीय सशस्त्र बलों के लिए निर्मित होने वाली मिसाइल, रॉकेट या अन्य किसी प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण करने के लिए फिलहाल ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) है। इसी तर्ज पर एक और आईटीआर बनाने की जरूरत को देखते हुए पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के जुनपुट में इसे बनाने का फैसला केंद्र सरकार ने लिया था, ताकि यहां से भी परीक्षण किये जा सकें। इसके लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहित केंद्र और राज्य सरकारों से मंजूरी ली गई थी। इसके बाद बंगाल की खाड़ी में अप्रैल में कार्य शुरू किया गया था लेकिन मछुआरों और स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद केंद्र का काम अचानक रोक दिया गया है।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर मुजफ्फरनगर-हरिद्वार मार्ग पर 22 जुलाई से लगेगा भारी वाहनों पर प्रतिबंध

मेरठ। कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने यातायात डायवर्जन प्लान तैयार किया है। 22 जुलाई से 3 अगस्त तक हाई-वे एवं गंगनहर पटरी पर भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। 25 जुलाई की मध्यरात्रि से हाई-वे पर हल्के व मध्यम वाहन बायीं लेन में चलेंगे। इसके अलावा 29 जुलाई की मध्यरात्रि से हाई-वे पर सभी प्रकार के वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। मुज़फ्फरनगर के एसएसपी अभिषेक सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के कारण यातायात डायवर्जन का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। कांवड यात्रा के लिए यातायात प्रबंधन इस प्रकार रहेगी।

मुजफ्फरनगर के लिए यातायात प्रबंधन योजना

22 जुलाई से आगामी 2 अगस्त तक कांवड़ यात्रा को लेकर गंगनहर पटरी व एनएच-58 पर भारी वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

22 जुलाई से 3 अगस्त तक मुजफ्फरनगर से मीरापुर से गंगा बैराज, बिजनौर मार्ग पर आवश्यक सेवाओं के वाहनों को छोड़कर भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

25 जुलाई की मध्यरात्रि से 27 जुलाई की मध्यरात्रि तक हल्के व माध्यम वाहन एनएच-58 पर बायीं लेन में चलेंगे।

रिश्वतखोरी के मामलों में दिल्ली पुलिस के एक उपनिरीक्षक और दो हेड कांस्टेबल सहित तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत के दो अलग-अलग मामलों में दिल्ली पुलिस के एक सब इंस्पेक्टर (एसआई) , हौज खास पुलिस स्टेशन और दिल्ली पुलिस के दो हेड कांस्टेबलों सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई के मुताबिक, गिरफ्तार सब इंसपेक्टर युद्धवीर सिंह यादव हौज खास थाने से है, हेड कांस्टेबल सुधाकर और हेड कांस्टेबल राज कुमार पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाने से हैं। पहले मामले में आरोपित एसआई को 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। इस मामले में सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के उप-निरीक्षक, हौज खास पुलिस स्टेशन के खिलाफ इस आरोप में मामला दर्ज किया गया था कि आरोपित ने अदालत में अनुकूल कार्रवाई रिपोर्ट दायर करने के लिए शिकायतकर्ता से 03 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद आरोपित ढाई लाख रुपये की रिश्वत लेने को तैयार हो गया। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपित एसआई को शिकायतकर्ता से 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर फिर भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जारांगे

मुंबई,। जालना जिले के अंतरवाली सराटी में मराठा नेता मनोज जारांगे पाटिल ने शनिवार सुबह दस बजे से मराठा आरक्षण के लिए पांचवीं बार भूख हड़ताल शुरू कर दी है। मनोज ने कहा कि जब तक राज्य सरकार मराठा समाज को कुन्बी जाति का प्रमाणपत्र देने की घोषणा नहीं करेगी, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। मनोज जारांगे पाटिल ने कहा कि अब एक बार फिर आमरण अनशन करने का समय आ गया है, क्योंकि सरकार ने मराठा समाज की मांगें पूरी नहीं की है। सरकार मांगों को जानती है। जिन मराठा को कुन्बी समाज के दस्तावेज मिले हैं, उन्हें कुन्बी जाति का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा है। हैदराबाद से गजट लाए गए हैं। सबूत हैं, लेकिन सरकार बहाना कर रही है। उन्होंने कहा कि अब कोई बहाना नहीं, आपको बहुत अधिक समय दिया गया है। भर्ती, स्कूल प्रवेश में दिक्कतें आ रही हैं। साथ ही, %हर बार सरकार अलग-अलग फैसले लेती है। इससे मराठा छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है। तीनों विकल्प रखें अन्यथा खुले में आवेदन करेंगे। छात्रों को नौकरी भर्ती में मराठा लड़कों को प्रमाण पत्र जमा करने के लिए छह महीने की समय सीमा दें।

महागठबंधन की प्रतिरोध रैली पर जीतन राम मांझी ने कसा तंज, बोले- इन लोगों के पास कोई काम नहीं

एजेंसी

पटना । बिहार में इंडी गठबंधन की ओर से प्रतिरोध रैली निकाली गई। जिसमें प्रदेश के कई बड़े विपक्षी नेताओं ने हिस्सा लिया। विपक्ष का आरोप है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। विपक्ष के इस वार पर एनडीए सहयोगी और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पलटवार किया है।

बिहार के मुख्यमंत्री का बचाव करते हुए मांझी ने कहा, इस तरह की रैली निकालना, उनका काम हैं, वो करते रहे, हमें इससे कोई दिक्कत नहीं है। यह लोग कह रहे हैं कि यहां कानून-व्यवस्था बिगड़ी हुई है, लेकिन मैं आपको बता दूं कि ऐसा कुछ नहीं है, सबकुछ ठीक है, लेकिन हां कुछ कभी-कभी कुछ छिटपुट आपराधिक घटनाएं घटतीं है, मगर हम इसमें आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे और प्रदेश को अपराध मुक्त बनाने की कोशिश रहेगी। बता

दें कि बीते दिनों विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। जिसे लेकर कई बड़े विपक्षी नेताओं ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे।

प्रतिरोध रैली के मकसद पर राजद नेता मृत्यंजय तिवारी ने कहा, जिस तरह से नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में आपराधिक घटनाओं में तेजी आई है, उसके विरोध में पूरा इंडी गठबंधन शुक्रवार को पटना की सड़कों पर प्रतिरोध रैली निकाल रहा है। हम अभी सड़क से लेकर संसद तक सरकार को घेरने का काम करेंगे। हम एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में चुपचाप नहीं बैठ सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आह्वान पर आंदोलन की तैयारी कर ली गई है और पूरा जनसैलाब आप लोगों को सत्तारूढ़ दल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करता हुआ दिखेगा। इस संबंध में हम जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपेंगे। उन्होंने नीतीश कुमार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, ÷इस नकारा और निकम्मी सरकार से जनता निजात चाहती है। बिहार की जनता को अब यह सरकार नहीं चाहिए। बिहार का भला तभी हो सकता है, जब इस सरकार की रवानगी हो, जब तक यह सरकार रहेगी, तब तक बिहार में ऐसे ही अपराधियों का तांडव होता रहेगा।

राजद नेता ने आगे कहा, मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक करने में विलंब कर दिया है। जब महागठबंधन ने प्रतिरोध मार्च का ऐलान किया, तब उनकी ओर से बैठक बुलाई गई। हालांकि, इससे पहले भी मुख्यमंत्री की ओर से कई बैठक इस संबंध में की जा चुकी है, लेकिन इसका कोई प्रतिफल नहीं निकलता है। इसके विपरीत आपराधिक घटनाओं में तेजी ही देखने को मिलती है, जब अपराधियों की सेटिंग सरकार से हो, तो इस मीटिंग का कोई मतलब नहीं रह जाता है। नीतीश कुमार से बिहार नहीं संभल रहा है। राजद नेता जय प्रकाश यादव बोले की सरकार का इकबाल खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷बिहार की स्थिति बद से बदतर है। लिहाजा इंडिया गठबंधन ने समूचे बिहार में जनाक्रोश रैली निकालने का फैसला किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी बनीं विधान परिषद में नेता विपक्ष

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी एक बार फिर से बिहार विधान परिषद में नेता विरोधी दल बनाया गया है। इस संबंध में विधान परिषद की तरफ से शनिवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह को पत्र लिखकर इसके लिए अनुरोध किया था। विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह ने विरोधी दल के नेता के तौर पर राबड़ी देवी के नाम पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके बाद इस संबंध में विधान परिषद की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है।

एलजी के प्रधान सचिव ने लिखा पत्र, जेल में डाइट चार्ट का पालन नहीं कर रहे केजरीवाल, इसलिए हो रहा वजन कम

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया था कि जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन लगातार कम हो रहा है। अब 'आप' के इसी आरोप के जवाब में उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के प्रधान सचिव ने दिल्ली के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री पर जेल प्रशासन द्वारा खाने के संबंध में निर्धारित की गई समय सारिणी के उल्लंघन का आरोप लगाया है। पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री जानबूझकर खाना नहीं खा रहे हैं। इससे उनका वजन लगातार कम हो रहा है।

दिल्ली राज निवास ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में मुख्य सचिव नरेश कुमार को ये पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है, केजरीवाल के लिए घर से प्रतिदिन खाना आता है, लेकिन इसके बावजूद भी वो इसका सेवन ना करते हुए लो कैलोरी वाली फूड ले रहे हैं। कई दफा जेल प्रशासन की ओर से उन्हें समय पर आहार लेने का सुझाव दिया जा चुका है, लेकिन वो इन सुझावों को दरकिनार कर अपने मन-मुताबिक काम कर रहे हैं। उनके रवैये से लग रहा है कि उन्हें अपने

स्वास्थ्य की तनिक भी चिंता नहीं है। पत्र में कहा गया है कि 6 जून से लेकर 13 जुलाई के बीच की डाइट चार्ट से पता चलता है कि वो जानबूझकर कम कैलोरी वाली डाइट का सेवन कर रहे हैं। पहले उनका वजन 63.5 किलोग्राम था, जो कि अब घटकर 61.5 किलोग्राम हो गया है और यह सब कुछ उनके द्वारा कम कैलोरी वाले फूड लेने की वजह से हो रहा है। पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री को ब्रेकफास्ट से पहले 5 यूनिट इंसुलिन लेने की सलाह दी गई है। इसी तरह लंच और डिनर से पहले भी उन्हें इंसुलिन लेने की सलाह दी

गई है। उन्हें जेल प्रशासन की ओर से समय पर इंसुलिन मुहैया कराई जाती है। पत्र में यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री जिस तरह से डाइट नहीं ले रहे हैं, उस पर बीते दिनों उपराज्यपाल ने चिंता भी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि अगर केजरीवाल समय पर और उचित मात्रा में भोजन का सेवन नहीं करेंगे, तो उनका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

दिल्ली के राज निवास से जारी किए गए इस पत्र के बाद अब आम आदमी पार्टी के नेताओं में इसे लेकर रोष देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया के जरिए आम आदमी पार्टी के नेता इस पत्र को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। उधर, एलजी के प्रधान सचिव के इस खत पर दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, शराब घोटाले के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की एक और साजिश का पर्दाफाश हुआ है। तिहाड़ जेल के सुपरिटेंडेंट की चिट्ठी अब सार्वजनिक हो चुकी है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिन्हें घर का खाना दिया जाता है, वो अब जानबूझकर लो कैलोरी वाली फूड ले रहे हैं। उन्होंने 6 जून से 13 जुलाई तक के बीच खाने की मात्रा कम की है। वो लगातार अपनी डाइट को कम कर रहे हैं, जिससे उनका वजन कम हो जाए, ताकि वो सहानुभूति न्यायालय के सामने रख सकें और बेल मिल जाय।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेंशन से टूरिज्म को मिलेगा बढावा

एजेंसी

जोधपुर । केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। उन्होंने दक्षिणी नगर निगम द्वारा जोधपुर के पत्रकारों को पत्रकार भवन आमंत्रित किए जाने पर खुशी जाहिर की। एयरपोर्ट पर पत्रकारों ने बात करते हुए शेखावत ने कहा कि इससे पत्रकारों के काम की क्वालिटी में और अधिक सुधार होगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार से बातचीत करेंगे। टूरिज्म को लेकर प्रदेश सरकार अपनी तरफ से योजना बनाएगी और फिर केंद्र सरकार को भेजेगी।

शेखावत ने आगे कहा कि भारत के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी जो यूनेस्को के कन्वेंशन के बाद 195 देश जिसके सदस्य हैं, इससे पहले भी भारत को चार बार सदस्यता का अवसर मिला है। मेरे लिए भी यह सौभाग्य की बात है कि मेरे मंत्री बनते ही भारत को अध्यक्षता करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद भारत में पहली बार वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी की बैठक आयोजित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। 40 दिन के कालखंड में एक बड़ा आयोजन करना था जिसमें

देश और दुनिया से 165 से ज्यादा देशों के 3200 प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस दौरान 30 से ज्यादा देशों के मंत्री भी उपस्थित होंगे।उन्होंने कहा कि इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और डीजी यूनेस्को की उपस्थिति में उद्घाटन होगा। दस दिनों तक चलने वाली इस बैठक में विश्व की धरोहर के रूप में मान्यता प्राप्त 1199 साइट्स का री ऑडिट कराया जाएगा।

हेमन्त सोरेन ने बैद्यनाथ मंदिर देवघर में बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया एवं विधि-विधि से पूजा -अर्चना की

एजेंसी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज बाबा बैद्यनाथ मंदिर, देवघर में बाबा भोलेनाथ के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर उन्होंने अपनी धर्मपत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन संग वैदिक मंत्रोचार और हर-हर महादेव के जयकारे के बीच बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं विधि-विधि से पूजा -अर्चना कर राज्य के सर्वांगीण विकास, अमन-चैन एवं सुख-समृद्धि - खुशहाली की कामना की।

'भाजपा सरकार उड़ा रही संविधान की धज्जियां', कांवड़ यात्रा नेमप्लेट विवाद पर बोलीं महबूबा मुफ्ती

एजेंसी

श्रीनगर । उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा के मार्गों पर पड़ने वाली दुकानों और रेहड़ी के आगे नेम प्लेट लगाने का आदेश जारी किया है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के इस फैसले को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। इस विवाद पर पीडीपी प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा, ये तो पहले ही साफ हो चुका है कि भाजपा सरकार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। हमारा संविधान सबको बराबरी का हक देता है, वह यह नहीं पूछता है कि आपका धर्म क्या है। लेकिन इस सरकार ने संविधान का मजाक बना दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान का जिक्र करते हुए कहा, कांग्रेस नेता ने सही कहा था कि अगर ये लोग 400 पार हो गए तो

संविधान को खत्म कर देंगे, लेकिन इन्होंने लोकसभा चुनाव से कोई सबक नहीं लिया। भाजपा 350 सीटों से 240 पर आकर सिमट गई, लेकिन भाजपा संविधान के खिलाफ जाकर ऐसी हरकतें कर रही है। इससे देश का माहौल बिगड़ने का खतरा है।महबूबा मुफ्ती ने दावा किया, मेरा मानना है, जिन लोगों ने भाजपा को वोट दिया। अब उन्हें भी इस बात का अहसास होने लगा है कि यह किसी भी तरीके से संविधान को खत्म करना चाहते हैं। पहले मुसलमानों के हक को खत्म करेंगे। फिर दलितों और पिछड़े लोगों की बारी आएगी, क्योंकि भाजपा का मकसद एक अलग निजाम बनाना हैं। यही वजह है कि जो इन्होंने यूपी में किया, वो देश के संविधान के खिलाफ है। पीएम मोदी को भी अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए और बताना चाहिए कि क्या वह इस फैसले के साथ है या इसके खिलाफ हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कांवड़ रूट में पड़ने वाली सभी दुकानों, ढाबों और ठेलों पर नेम प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया है। उनके इस फैसले को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां प्रदेश सरकार इसे किसी भी अनचाही परिस्थिति से बचने के इरादे से उठाया गया कदम बता रही है तो विपक्ष इसे संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के विरुद्ध बता रहा है। कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू हो रही है।

सभी प्रदेशों में मतदाता सूची से हिन्दू मतदाताओं के हटाए गए नाम : गिरिराज सिंह

एजेंसी

पटना । केंद्रीय कपड़ा उद्योग मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने देश के करीब सभी प्रदेशों में मतदाता सूची में बड़े पैमाने में योजनाबद्ध तरीके से गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए इसकी जांच कराने की आवश्यकता बताई है। गिरिराज सिंह ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में हिन्दू मतदाता वोट करने से वंचित रह गए। उनके नाम काट दिए गए थे। बड़े पैमाने पर हिन्दू मतदाता का मतदाता सूची में ही नाम के आगे 'डिलीट' लिख दिया गया। मतदाता पहचान पत्र रहने के बाद भी मतदाता सूची में नाम नहीं था। जबकि दूसरी तरफ मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में मतदाता सूची में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गयी है। उन्होंने साफ लहजे में

कहा कि यह कोई एक प्रदेश का मामला नहीं है। विधानसभा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का गहन पुनरीक्षण 2002 के बाद नहीं हुआ है। उन्होंने बेगूसराय संसदीय और झारखंड के राजमहल विधानसभा को एक मॉडल के रूप में पत्रकारों को उपलब्ध कराते हुए कहा कि राजमहल के एक बूथ में 2019 में 672 मतदाता थे, जबकि 2024 में इस बूथ पर 1461 मतदाता हो गए और एक बूथ को दो बूथ में बदल दिया गया। सिंह ने इसे 'वोट जिहाद' और 'बूथ जेहाद' बताते हुए कहा कि यह केवल दो प्रदेशों का मामला नहीं है, यह सभी प्रदेशों में हो रहा है उन्होंने कहा कि वे बिहार में इसको लेकर सभी बूथों का एक सर्वे करवा रहे हैं जिसकी रिपोर्ट भी आने लगी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग और सभी राज्यों के निर्वाचन आयोग 2014 से लेकर 2024 तक के सभी बूथों पर मतदाताओं की बढ़ी संख्या का तुलनात्मक अध्ययन करे तो स्थिति साफ हो जाएगी।

ममता बनर्जी के आमंत्रण पर 21 जुलाई की सभा में शामिल होंगे अखिलेश यादव

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निमंत्रण पर समाजवादी पार्टी (एसपी) के सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 21 जुलाई को कोलकाता में आयोजित सभा में शामिल होंगे। यह सभा एस्प्लेनेड में आयोजित होगी, जिसमें अखिलेश यादव ममता बनर्जी के साथ मंच साझा करेंगे। कुछ दिनों पहले ममता बनर्जी मुंबई दौरे पर गई थीं, जहां उनकी मुलाकात अखिलेश यादव से हुई थी। इस दौरान ममता ने उन्हें 21 जुलाई को होने वाली सभा में शामिल होने का निमंत्रण दिया था, जिसे अखिलेश ने स्वीकार कर लिया है। अखिलेश यादव की इस सभा में उपस्थिति से भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों के लिए महत्वपूर्ण

संदेश जाएगा। ममता बनर्जी भाजपा विरोधी गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका पर हमेशा से मुखर रही हैं और इस मौके पर अखिलेश के साथ मंच साझा करना राष्ट्रीय राजनीति में नया मोड़ ला सकता है।उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के राजनीतिक संबंध हमेशा से मजबूत रहे हैं। ममता ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अखिलेश का समर्थन किया था और हाल ही में अखिलेश ने तृणमूल के लिए एक सीट भी छोड़ी थी। दोनों नेताओं के बीच यह संबंध 21 जुलाई की सभा में और मजबूत होता दिखाई देगा।

यह सभा एस्प्लेनेड में आयोजित होगी, जिसमें अखिलेश यादव ममता बनर्जी के साथ मंच साझा करेंगे। कुछ दिनों पहले ममता बनर्जी मुंबई दौरे पर गई थीं, जहां उनकी मुलाकात अखिलेश यादव से हुई थी।

कांवड़ यात्रा रूट नेमप्लेट विवाद पर कपिल सिब्बल ने कहा, क्या ऐसे बनेगा देश विकसित

एजेंसी

नई दिल्ली । यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले दुकानों के बाहर 'नेमप्लेट' लगाने वाले आदेश पर बवाल मचा हुआ है। सरकार के इस आदेश पर विपक्ष हमलावर है। इसी को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सरकार पर जमकर हमला बोला है।

कपिल सिब्बल ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों के लिए जो आदेश जारी किया गया है वह हमें विकसित भारत की तरफ तो नहीं ले जा रहा है। अगर हम चाहते हैं कि ये देश एक विकसित देश बने तो प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री को चाहिए कि ऐसे विवादित मुद्दे को न उठाएं जिसका मकसद केवल राजनीति है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की राजनीति से आम आदमी का कोई लेना देना नहीं है। इससे सिर्फ टकराव बढ़ेगा, लोगों को नुकसान होगा, विवाद होगा, नतीजा होगा संसद में ये मुद्दे उठेंगे। हमें पार्लियामेंट में मिलकर काम करना चाहिए, ऐसे मुद्दे अगर संसद में उठेंगे तो देश की जनता के हित में काम करने में रुकावट आएगी। मुझे समझ नहीं आता कि देश में जो उच्च पदों पर लोग बैठे हैं, वह इस बारे में क्यों नहीं सोचते। देश के कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं जिसमें राजनीतिक लाभ लेने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के सामने बेरोजगारी की समस्या है, उस पर ध्यान दिजिए। बेरोजगारी को लेकर हर जगह लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार, यूपी समेत अलग-अलग राज्यों में लोगों के पास रोजगार नहीं है।उन्होंने कहा कि सीएम योगी दुकान के बाहर नेमप्लेट लगाने वाले आदेश को वापस लें। पहले भी कांवड़ यात्रा होती रही है, किसको कहां खाना है, सब जानते हैं। यह सरकार तो इसलिए बची हुई है क्योंकि रिजर्व बैंक ने इनको करोड़ों रुपए दिए हैं। लेकिन इस दुनिया में जहां एआई का दौर बढ़ रहा है वहां अपने बच्चों को स्मार्ट बनाओ। सड़कें बनाओ, सड़क पर गाड़ी चलेगी। आज के दिन सबसे ज्यादा लड़कियों को पढ़ाने की जरूरत है।

भाजपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा यूपी में 2027 में फिर से सरकार बनाने का सपना देख रही है, लेकिन जनता ने भाजपा को इस बार के लोकसभा चुनाव में जवाब दे दिया है। राजस्थान में चिकन की दुकान बंद होने के मामले पर उन्होंने कहा है कि आखिर ये लोग देश को किस ओर ले जाना चाहते हैं। क्या अब लोग घरों में भी चेक करेंगे किसके घर में क्या बन रहा है। किचन में जाइए और देखिए कि वहां क्या बन रहा है। घरों के बाहर बोर्ड लगा दीजिए कि आपके घर में नॉन वेजिटेरियन नहीं बनेगा, अगर बनेगा तो आपको यहां से भगा दिया जाएगा। आखिर ये लोग चाहते क्या हैं?

जोजावर में राजस्व नक्शों में हेराफेरी की जांच करवाकर दोषी कार्मिकों के विरुद्ध की जाएगी कार्रवाई - राजस्व मंत्री

एजेंसी

जयपुर। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने शनिवार को राज्य विधानसभा में बताया कि मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र के राजस्व ग्राम जोजावर में प्रथमदृष्टया नक्शों में हेराफेरी पाई गयी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नक्शों में गलत तरीके से किये गए परिवर्तन की जांच कराकर दोषी कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नक्शों को दुरुस्त भी करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए 19 जुलाई, 2024 को जिला कलेक्टर पाली को पत्र लिखा गया है। राजस्व मंत्री विधानसभा क्षेत्र मारवाड़ जंक्शन के विधायक केसाराम चौधरी द्वारा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से इस सम्बन्ध में उठाये गए मामले पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि बंदोबस्त रिकॉर्ड के अनुसार खसरा संख्या 2717/4987 दक्षिण की तरफ तथा खसरा संख्या 2717 उत्तर की तरफ स्थित थे। जो कि वर्तमान नक्शा रिकॉर्ड (डीआईएलआरएमपी) में परस्पर परिवर्तित हैं एवं खसरा संख्या 2717 विभाजित होकर 28 भूखंडों के रूप में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है।

मीणा ने बताया कि डीआईएलआरएमपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत सेग्रीगेशन एवं वन टू वन मेचिंग करते हुए शत प्रतिशत तरमीम कर राजस्व ग्राम जोजावर की नक्शा शीट 26 फरवरी 2020 को अंतिम रूप से प्रमाणित की गई। जिसके अनुसार उक्त खसरों में समस्त तरमीमे अंकित हैं, परन्तु मूल खसरा संख्या 2717 तथा उसके विभाजित खसरे दक्षिण भाग में स्थित है। उन्होंने बताया कि खसरा संख्या 4987/2717 रकबाराज भूमि उत्तर भाग में स्थित है जो कि बंदोबस्त रिकॉर्ड के अनुसार परस्पर विपरीत दिशा में है।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। वित्रह्न भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फर्ग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के वित्रह्न भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बैंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झुंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

एक अगस्त से दस अक्टूबर के बीच होंगी जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अरुण कुमार दुबे ने बताया कि मुरादाबाद में स्कूलों की जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं एक अगस्त से दस अक्टूबर के बीच होंगी। आयोजन के लिए जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के शिक्षक बंश बहादुर क्रीडा सचिव व पारकर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर एसके नेथन कोषाध्यक्ष होंगे। डीआईओएस ने आगे बताया कि मुरादाबाद में स्पोर्ट्स फॉर स्कूल कार्यक्रम के तहत हॉकी, तैराकी, टेबिल टेनिस, फुटबाल, कबड्डी, ताइक्वांडो, हैंडबॉल, भारोत्तोलन, वॉलीबॉल, तीरंदाजी, जिम्नास्टिक, शूटिंग, क्रिकेट आदि खेलों का आयोजन होना है। एक अगस्त को पारकर इंटर कॉलेज व मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज में सब जूनियर व जूनियर वर्ग में नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। डीआईओएस ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। सभी विद्यालयों के बच्चों को खेल कूद में प्रतिभागिता का अवसर मिलना चाहिए। क्रीडा सचिव बंश बहादुर ने बताया कि प्रतिभागिता के लिए खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को ssup.in पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा। पात्रता के लिए कक्षा 6 से 10 तक के छात्र-छात्राओं को अपना जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पिछली कक्षा की मार्कशीट तथा छात्र का पैन नंबर लगाना अनिवार्य होगा।

ओलंपिक में खेलेगी इस्राइली फुटबॉल टीम, फीफा ने संभावित प्रतिबंध पर फैसला टाला

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा ने इस्राइल को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से प्रतिबंधित करने के फलस्तीन के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया है जिससे इस्राइली फुटबॉल टीम पेरिस ओलंपिक में खेल सकेगी। ओलंपिक फुटबॉल पुरूष फाइनल नौ अगस्त को है। दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को बैठक में शनिवार को इस पर फैसला लेना था। यह फैसला ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धा शुरू होने से चार दिन पहले आता जिसमें इस्राइल को जापान, माली और पराग्वे के साथ एक ग्रुप में रखा गया है । फीफा ने कहा कि प्रक्रिया पूरी करने में अभी और समय लगेगा यानी फैसला अब ओलंपिक के बाद आयेगा। फीफा ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपना अपना पक्ष रखने के लिये समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। इसके मायने हैं कि स्वतंत्र आकलन अब फीफा को 31 अगस्त से पहले नहीं सौंपा जा सकेगा।

अध्यक्ष झाझड़िया ने जताई पैरालंपिक में भारतीयों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद, कहा- अबकी बार 25 पार

एजेंसी

नई दिल्ली भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया ने भारतीय खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि इस बार पदक संख्या 25 पार जा सकती है। भारतीय पैरालम्पिक दल ने टोक्यो में इतिहास रचते हुए पांच स्वर्ण पदक समेत 19 पदक जीते थे। झाझड़िया ने कहा, 'मुझे लगता है कि पेरिस में हमारा प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ होगा। हमारा स्लोगन है अबकी बार 25 पार। मैं खिलाड़ियों के संपर्क में हूं और तैयारियां बहुत अच्छी चल रही है।' तीन बार के पैरालंपिक पदक विजेता झाझडिया ने 2004 एथेंस ओलंपिक और 2016 रियो ओलंपिक में एफ 46 भालाफेंक में स्वर्ण पदक जीता था जबकि टोक्यो में उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होंने आगे कहा, 'खिलाड़ी शारीरिक ही नहीं मानसिक रूप से भी सुपर फिट हैं। उन्हें टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से पूरी सुविधाएं मिल रही है। हम कोबे में विश्व चैम्पियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे जो बड़ी बात है।' पेरिस पैरालम्पिक 28 अगस्त से शुरू होंगे।

पिछले कुछ समय से रहे बीमार, अब तैयारियों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते एचएस प्रणय

नई दिल्ली। भारत का ओलंपिक में बैडमिंटन में प्रदर्शन सराहनीय रहा है और इससे हमेशा देश को पदक की उम्मीद रहती है। महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रियो और टोक्यो में पदक जीते थे और इस बार में बैडमिंटन में पदक की आस रहेगी। पुरुष सिंगल्स वर्ग में चुनौती पेश करने वाले एचएस प्रणय पिछले कुछ समय से बीमार रहे जिसके कारण उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा था। प्रणय अपने कोच तथा पूर्व खिलाड़ी आरएमवी गुरुसाईदत्त की देखरेख में खेल की गति को बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं। प्रणय पिछले कुछ समय के लगातार बीमारियों की चपेट में रहे हैं। थॉमस कप विजेता की के इस अहम सदस्य को पेट की गंभीर बीमारी के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा था। इसके बाद पीठ की चोट ने उन्हें परेशान किया और फिर चिकनगुनिया के कारण उन्हें एक सप्ताह तक विश्राम करना पड़ा।

पेरिस 2024 फुटबॉल : मेसी की अनुपस्थिति में अर्जेंटीना की नजर स्वर्ण पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना, अपने करिश्माई खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बिना भी, आगामी पेरिस ओलंपिक में पुरुष फुटबॉल में रिकॉर्ड-बराबर तीसरा स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता रखता है। अर्जेंटीना के मुख्य कोच जेवियर मास्चेरानो, जिन्होंने 2004 और 2008 में खिलाड़ी के रूप में स्वर्ण पदक जीता था, गौरव हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, क्योंकि उन्होंने स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज़ और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी सहित चार विश्व कप विजेताओं को अपनी टीम में शामिल किया है।

ओलंपिक पुरुष फुटबॉल अंडर-23 टूर्नामेंट है, लेकिन प्रत्येक टीम को तीन ओवरएज खिलाड़ियों की अनुमति है। 37 वर्षीय मेसी, जिन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में दक्षिण अमेरिकी टीम को स्वर्ण पदक जीतने में मदद की थी, भारी कार्यभार का हवाला देते हुए पेरिस संस्करण में नहीं खेलने का फैसला किया है।

क्लबों को ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने खिलाड़ियों को रिलीज करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंटों के विपरीत, खेल आधिकारिक फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो के बाहर होते हैं।2008 में, बार्सिलोना ने मेसी को बीजिंग में खेलने से रोकने के लिए

खेल पंचाट न्यायालय में अपील जीती। यह बताया गया कि बार्सिलोना के तत्कालीन मुख्य कोच पेप गार्डियोला के हस्तक्षेप के बाद, ला लीगा क्लब ने अंततः हरी झंडी दे दी, और मेसी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में अर्जेंटीना के साथ स्वर्ण पदक जीता।ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट स्थापित सितारों के बजाय उभरती प्रतिभाओं के लिए एक मंच के रूप में अधिक कार्य करता है, जिसमें पारंपरिक फुटबॉल पावरहाउस जरूरी नहीं कि पसंदीदा में से हों। नाइजीरिया और कैमरून ने क्रमशः 1996 और 2000 में जीत हासिल की। ??2012 में, मेक्सिको ने लंदन में स्वर्ण पदक जीता, जिसमें ज्यादातर घरेलू खिलाड़ी शामिल थे।

पिछले 20 वर्षों में इस आयोजन में दक्षिण अमेरिकी टीमों का दबदबा रहा है, जिसमें 2004 से ब्राज़ील और अर्जेंटीना ने दो-दो स्वर्ण पदक जीते हैं। 2016 और 2020 में लगातार चैंपियन रहा ब्राज़ील पेरिस के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा है, जिसका अर्थ है कि अर्जेंटीना अगर अपना तीसरा ओलंपिक स्वर्ण जीतता है तो हंगरी और ब्रिटेन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकता है।

क्लाउडियो एचेवेरी पर नज़र रखना ज़रूरी है। 18 वर्षीय खिलाड़ी, जो अगले सत्र में मैनचेस्टर सिटी में जाएगा, एक आक्रामक मिडफ़ील्डर है और अर्जेंटीना के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। अर्जेंटीना को मोरक्को, इराक और यूक्रेन के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। अर्जेंटीना के बाद दो अन्य पसंदीदा टीमें फ्रांस और स्पेन क्रमशः ग्रुप ए (संयुक्त राज्य अमेरिका, गिनी और न्यूज़ीलैंड के साथ) और ग्रुप सी (डोमिनिकन गणराज्य, मिस्र और उज्बेकिस्तान के साथ) में खेलेंगी। ग्रुप डी में पैराग्वे, इज़राइल, जापान और माली शामिल हैं।अर्जेंटीना को सेंट-इटियेन में अपने शुरुआती मैच में मोरक्को से खेलना है, जब टूर्नामेंट 24 जुलाई को शुरू होगा, जो ओलंपिक के उद्घाटन समारोह से दो दिन पहले होगा। फ़ाइनल 9 अगस्त को पेरिस के पार्क डेस प्रिंसेस में होगा।पुरुषों का इवेंट फ्रांस के विभिन्न शहरों में महिलाओं के इवेंट के साथ बारी-बारी से खेला जाता है, जिसमें मार्सिले, बोर्डो, ल्योन, नैनटेस और नीस भी शामिल हैं।

महिला क्रिकेट में मिली शानदार सफलता, तीन खिलाड़ी का चयन अंडर 15 राज्य टीम में

एजेंसी

रायगढ़। जिला क्रिकेट संघ द्वारा किया जा रहा प्रयास रंग ला रहा है। बीसीसीआई द्वारा निर्देशित एवं सीएससीएस द्वारा आदेशित क्रिकेट

सत्र में अंडर 15 की राज्य की संभावित टीम में जिले की तीन महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचन्द्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दिनों जिले की टीम राज्य ट्रायल के लिए राजधानी भेजी गई थी। जहां शानदार प्रदर्शन के आधार पर जिले की महिला खिलाड़ी आकृति शर्मा, मनीषा सिदार एवं रोशनी ठाकुर का चयन किया गया है। जो जल्द ही सीएससीएस द्वारा लगाये जाने वाले फिटनेस कैंप में शामिल होने के लिए रवाना होंगे।

खिलाड़ियों के चयन पर अध्यक्ष संतोष पाण्डेय सचिव रामचन्द्र शर्मा, किशोर पटनायक, शानू भयानी, हिमांशु चावड़ा आदि ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए आने वाले मैचों हेतु शुभकामनाएं दी है।

स्पेन ने 2030 विश्व कप फाइनल के लिए की मेजबान मैदानों की घोषणा

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन के खेल अधिकारियों ने 2030 विश्व कप फाइनल के मैचों की मेजबानी के लिए फुटबॉल मैदानों की घोषणा कर दी है। देश पुर्तगाल और मोरक्को के साथ मिलकर 2030 विश्व कप फाइनल की मेजबानी करेगा। मेजबान स्टेडियमों की पूरी सूची आधिकारिक तौर पर जुलाई के अंत तक फीफा को प्रस्तुत की जानी है, और स्पेन की राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों में दो मैदान हैं, जिसमें रियल मैड्रिड का सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम और एटलेटिको मैड्रिड का मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम, एफसी बार्सिलोना का कैंप नोउ स्टेडियम और एस्पेनयोल का कॉर्नेला-एल प्रैट शामिल हैं।बर्नब्यू और कैंप नोउ दोनों ही फाइनल की मेजबानी के लिए उम्मीदवार हैं, जिसमें बर्नब्यू वर्तमान में पसंदीदा है। शेष मैदान एथलेटिक क्लब बिलबाओ का सैन मैम्स स्टेडियम, रियल सोसाइडाड का रीले एरिना (सैन सेबेस्टियन में) और डेपोर्टिवो ला कोरुना का रियाज़ोर स्टेडियम हैं।सेविले में एस्टाडियो डे ला कार्टुजा

एक अन्य स्थल है, और इसे शहर में सेविला और बेटिस दोनों के घरेलू मैदानों से आगे चुना गया है, जबकि मैलागा का ला रोसालेडा स्टेडियम स्पेन के दक्षिण में एक और स्थान है। ज़रागोज़ा में ला रोमारेडा भी आयोजन स्थलों में से एक है, हालाँकि उस मैदान को व्यापक सुधारों की आवश्यकता होगी, जैसा कि एस्टाडियो डी ग्रैन कैनरिया को भी करना होगा, जो लास पालमास का घर है और कैनरी द्वीप में स्थित है, जो मैड्रिड से हवाई जहाज मार्ग द्वारा लगभग तीन घंटे की दूरी पर है।शायद मैदानों के चयन में आश्चर्य की बात यह है कि वालेंसिया में कोई स्टेडियम नहीं है, जो स्पेन के सबसे बड़े शहरों में से एक है। यह मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण है कि वालेंसिया के मेस्टला स्टेडियम को भी व्यापक सुधारों की आवश्यकता है, लेकिन ऐसा होने की संभावना नहीं है क्योंकि आंशिक रूप से निर्मित नोउ मेस्टला मैदान पर 15 वर्षों से काम रुका हुआ है, जिसे एक दिन क्लब का नया घर बनाने का इरादा है।

पीसीबी ने ग्लोबल टी20 लीग के लिए खिलाड़ियों को एनओसी देने से किया इनकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के स्टार क्रिकेटर बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी के ग्लोबल टी20 कनाडा में भाग लेने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के अनुरोध को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ठुकरा दिया है, क्योंकि उनके पास बहुत ज्यादा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम हैं। इससे पहले नसीम शाह को भी इसी कारण से द हंड्रेड में भाग लेने के लिए एनओसी नहीं दिया गया था।

पीसीबी ने एक बयान में कहा, पीसीबी को ग्लोबल टी20 इवेंट के लिए बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी सहित अन्य खिलाड़ियों से एनओसी अनुरोध प्राप्त हुए थे। अगस्त 2024 से मार्च 2025 की अवधि में पाकिस्तान के व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर को ध्यान में रखते हुए, जिसमें नौ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मैच और अगले साल की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शामिल है, तीन खिलाड़ियों के साथ-साथ राष्ट्रीय चयन समिति के साथ परामर्श के बाद, उनके अनुरोधों को अस्वीकार करने का निर्णय लिया गया है।

बयान में कहा गया है, ये तीनों सभी प्रारूपों के क्रिकेटर हैं और आगामी आठ महीनों में उनकी सेवाओं की आवश्यकता होने की उम्मीद है, जिसके दौरान पाकिस्तान नौ टेस्ट, 14 एकदिवसीय और नौ टी20 मैच खेलेगा। इस प्रकार, और पीसीबी की कार्यभार प्रबंधन नीति के अनुरूप, यह पाकिस्तान क्रिकेट और खिलाड़ियों के सर्वोत्तम हित में है कि वे कनाडा में होने वाले आगामी कार्यक्रम को छोड़ दें, ताकि वे सत्र के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ मानसिक और शारीरिक स्थिति में रहें, जो बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के साथ शुरू होगा।ग्लोबल टी20 कनाडा 25 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। पाकिस्तान का अगला अंतरराष्ट्रीय कार्य बांग्लादेश का दौरा है, जहाँ वे 21 अगस्त से 3 सितंबर तक दो टेस्ट मैच खेलेंगे। इंग्लैंड अक्टूबर में तीन टेस्ट मैच खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा, जिसके बाद पाकिस्तान 4 से 18 नवंबर तक तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा।

इसके बाद पाकिस्तान नवंबर-दिसंबर में जिम्बाब्वे का सीमित ओवरों का दौरा करेगा, उसके बाद 10 दिसंबर से 7 जनवरी तक दक्षिण अफ्रीका का सभी प्रारूपों का दौरा करेगा, जिसमें तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच शामिल हैं।

वेस्टइंडीज जनवरी में दो टेस्ट के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा, फरवरी में पाकिस्तान में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की भागीदारी वाली एक वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी का नौवां संस्करण होगा। पाकिस्तान का सत्र 16 मार्च से 5 अप्रैल तक न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौरे के साथ समाप्त होगा, जिसमें पांच टी20 और तीन वनडे मैच शामिल हैं।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारियों पर पैनल चर्चा में शीर्ष ओलंपियनों के साथ शामिल हुए खेल मंत्री मंडाविया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) द्वारा यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में पेरिस ओलंपिक और पैरालिंपिक 2024 के लिए भारत की तैयारियों पर चर्चा के लिए, अर्जुन पुरस्कार विजेता और ओलंपियन मुक्केबाज अखिल कुमार, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता रोंजन सोढ़ी और अभिषेक वर्मा, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और स्टार पूर्व हॉकी खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद और टोक्यो पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथूनिया और

देवेन्द्र झाझरिया एक इंटरैक्टिव सत्र में शामिल हुए। युवा मामले और खेल मंत्री, मनसुख मंडाविया ने अपनी उपस्थिति से चर्चा की शोभा बढ़ाई, साथ में रक्षा खडसे, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, सुजाता चतुर्वेदी, सचिव, खेल, संदीप प्रधान, महानिदेशक, खेल प्राधिकरण भारत सरकार (एसएआई) और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के सीईओ कमोडोर पीके गर्ग भी इस अवसर पर उपस्थित थे। आयोजन को लेकर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा, नए युग के भारत ने बहुत प्रगति देखी है लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है। 2047 तक, जब हम आजादी के 100 साल पूरे करेंगे, हम दुनिया में खेलों में अग्रणी होने की आकांक्षा रखते हैं। इसीलिए चर्चा के लिए ऐसे मंच महत्वपूर्ण हैं। जो पत्रकार इन खेलों को कवर करते हैं, वे उन भावनाओं को पकड़ने के लिए भी जिम्मेदार होते हैं जो एक एथलीट पदक जीतने या इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने पर गुजरती हैं। मैं अपने सभी एथलीटों को आगामी ओलंपिक और पैरालंपिक के लिए शुभकामनाएं देता हूं और मुझे यकीन है कि वे हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे।

राजौरी के इचिनी में गुज्जर और बकरवालों के लिए ग्रीष्मकालीन स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट

एजेंसी

राजौरी। पीरपंजाल के दक्षिण में रहने वाले गुज्जर-बकरवालों के गर्मियों में ऊंचे इलाकों में चले जाने के कारण उन्हें सामाजिक आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक सीमित पहुंच शामिल है। गुज्जर और बकरवालों के अनोखे प्रवासी पैटर्न के जवाब में भारतीय सेना इन खानाबदोश समुदायों के बच्चों के लिए उनके ग्रीष्मकालीन स्थान पर ग्रीष्मकालीन स्कूल चला रही है ताकि उन्हें उनके घर के दरवाजे पर शिक्षा और खेल सुविधाएं प्रदान की जा सकें। चल रहे ग्रीष्मकालीन स्कूल गतिविधियों के हिस्से के रूप में इचिनी में एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। पीरपंजाल रेंज के मनोरम दृश्य ने मैच के लिए एक शानदार पृष्ठभूमि प्रदान की जिसमें खिलाड़ियों के मैदान में उतरने पर दूर-दूर तक बर्फ से ढके पहाड़ दिखाई दे रहे थे। टीमों में गुज्जर और बकरवाल समुदायों के युवा और उत्साही सदस्य शामिल थे।

एआईएफएफ पुरस्कार: वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए लालियानजुआला, इंदुमति

एजेंसी

नई दिल्ली। लालियानजुआला छांगते और इंदुमति कथिरेसन को नई दिल्ली में खेल जगत की कई हस्तियों की मौजूदगी में आयोजित एक शानदार एआईएफएफ अवार्ड नाइट में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का वर्ष 2023-24 का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी चुना गया।

एआईएफएफ की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त, भारत के डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल और भारतीय खेल जगत के कई अन्य जाने-माने चेहरे शामिल थे। इस अवसर पर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सभी शीर्ष अधिकारी मौजूद थे, जिनमें एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे, उपाध्यक्ष एनए हारिस, कोषाध्यक्ष किपा अजय, कार्यवाहक महासचिव एम सत्यनारायण, कार्यकारी समिति के सदस्य और राज्य संघों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। खेल मंत्री का स्वागत करते हुए एआईएफएफ अध्यक्ष चौबे ने कहा, मैं यहां हमारे साथ शामिल होने के लिए केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मंडाविया और एआईएफएफ और आईओए के अपने सभी सहयोगियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। यह एक विशेष दिन है क्योंकि हम सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों, कोचों, रेफरी, सदस्य संघों और भारतीय फुटबॉल बिरादरी से जुड़े सभी लोगों को सम्मानित करते हैं, जो हमारे देश में खेल को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मंडाविया ने कहा, एआईएफएफ और हमारे मित्र चौबे द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में उपस्थित होना सम्मान की बात है। यहां सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों, कोचों, रेफरी और राज्य संघों को सम्मानित होते देखना शानदार है। फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है। मेरा मानना ??है कि खेल केवल खेलने के बारे में नहीं है, बल्कि अनुशासन और मैत्रीपूर्ण व्यवहार के बारे में भी है। मेरा मानना ??है कि जब हम पुरस्कार प्रदान करते हैं, तो हम उनकी महानता को

पहचानते हैं और बदले में विजेताओं को जीतते रहने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आइए हम सभी भारतीय खेलों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लें। छांगते को लगातार दूसरी बार एआईएफएफ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया, वह कई बार यह पुरस्कार जीतने वाले केवल पांचवें खिलाड़ी बन गए। 2023-24 के इंडियन सुपर लीग कप विजेता ने अपने क्लब मुंबई सिटी एफसी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 11 गोल किए और सात में सहायता की और आईएसएल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले भारतीय थे। भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए, छांगते ने जून 2024 में फीफा विश्व कप क्वालीफायर में दोहा में कतर के खिलाफ गोल किया था।

छांगते ने कहा, मैं इस पुरस्कार को पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। हालाँकि मैं वहाँ नहीं आ सकता, लेकिन मैं हमारे खेल मंत्री महोदय को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आज रात, मैं ईश्वर, मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता ईसा मसीह को उनके मार्गदर्शन, सुरक्षा और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देता हूँ। वे ही एकमात्र कारण हैं कि मैं यहाँ हूँ। इसके बाद, मेरा परिवार जो पहले दिन से ही मेरा सबसे बड़ा समर्थक रहा है। मुंबई सिटी एफसी के मेरे दोस्त और परिवार और राष्ट्रीय टीम में मेरे भाई। आप लोगों के समर्थन के बिना मेरे लिए यह संभव नहीं है। इंदुमति को एआईएफएफ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया, जो यह पुरस्कार जीतने वाली तमिलनाडु की पहली खिलाड़ी बन गईं। मिडफील्डर ने प्रतियोगिता में पाँच गोल करके ओडिशा एफसी के साथ 2023-24 भारतीय महिला लीग का खिताब जीता। इंदुमति ने आईडब्ल्यूएल में सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का पुरस्कार जीता। भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए, उन्होंने फरवरी 2024 में तुर्की महिला कप में एस्टोनिया के खिलाफ गोल किया।

बास्टाड ओपन 2024: नडाल सेमीफाइनल में, मैराथन मुकाबले में नवोन को दी शिकस्त

एजेंसी

बास्टाड। राफेल नडाल ने अर्जेंटीना के मारियानो नवोन को तीन घंटे और 59 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 6-7 (2/7), 7-5, 7-5 से हराकर बास्टाड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो साल पहले विंबलडन के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई है। जीत के बाद नडाल ने कहा, यह बहुत करीबी, लंबा और थका देने वाला मैच था। लगभग चार घंटे तक चला यह मैच उनके करियर का दूसरा सबसे लंबा तीन सेट का मैच था। इससे पहले 2009 में नोवाक जोकोविच के खिलाफ मैड्रिड सेमीफाइनल मैच 4 घंटे 3 मिनट तक चला था। उन्हें तेजी से उभरते हुए नवोन के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरना पड़ा, जो वर्ष की शुरुआत में शीर्ष 100 से बाहर रहने के बाद अब विश्व में 36वें स्थान पर है।नडाल ने लगातार तीन बार अपनी सर्विस गंवाई, जबकि उनका

प्रतिद्वंद्वी ओपन युग में इस साल के फ्रेंच ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम में वरीयता प्राप्त करने वाला पहला खिलाड़ी बन गया। स्पेनिश खिलाड़ी नडाल 4-1 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने सेट में वापसी की, 10वें गेम में दो सेट पॉइंट बचाए और अंततः 6-5 से आगे हो गए। नडाल के पास दो सेट पॉइंट थे, लेकिन नवोन ने अपनी क्षमता दिखाते हुए सेट टाई-ब्रेक तक ले गए, जिसमें उसने पहले पांच पॉइंट जीतकर बढ़त हासिल की। नवोन ने पहला सेट जीता, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने जल्दी ही खुद को संभाला और दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, नवोन ने उनकी बढ़त को तेजी से खत्म करते हुए लगातार चार गेम जीते, लेकिन 38 वर्षीय खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और अपना सर्विस गेम जीतकर 6-5 की बढ़त हासिल कर ली। नडाल ने जोरदार स्मैश के साथ सेट जीता और मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। नवोन तीसरे सेट में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन नडाल ने वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीते, लेकिन फिर वापसी करते हुए उनके प्रतिद्वंद्वी ने 5-5 की बराबरी कर ली। यहां से नडाल ने फिर से ब्रेक लिया और आखिरकार कोर्ट पर लगभग चार घंटे बिताने के बाद मैच अपने नाम किया। नडाल का अगला मुकाबला क्रोएशियाई क्वालीफायर डुजे अजदुकोविक से होगा, जो विश्व में 130वें नंबर के खिलाड़ी हैं और जिन्होंने इस सप्ताह से पहले अपने करियर में सिर्फ दो टूर-स्तरीय मैच जीते थे।

महिला एशिया कप 2024: भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

दांबुला। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2024 के अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। 109 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने अच्छी शुरुआत दिलाई और पॉवर प्ले में 57 रन जोड़े। इन दोनों ने अच्छी बल्लेबाजी जारी रखी और 9.2 ओवर में भारत का स्कोर 85 रनों तक पहुंचा दिया। इसी स्कोर पर मंधाना को सइदा अरुब शाह ने आउट कर भारत को पहला झटका दिया। मंधाना ने 31 गेंदों पर 9 चौकों की बदौलत 45 रन बनाए। मंधाना के आउट होने के बाद शैफाली भी 40 रन बनाकर 100 के स्कोर पर पवेलियन लौट गईं। उन्हें अरुब शाह ने बोल्ड किया। शैफाली ने 29 गेंदों का सामना किया और 6 चौके और 1 छक्का लगाया। 13वें ओवर में 102 के कुल स्कोर पर दयालन हेमलता भी 11 गेंदों पर 3 चौकों की बदौलत 14 रन बनाकर नाशरा संधू का शिकार बनीं। इसके बाद कप्तान हरमप्रीत कौर (नाबाद) और जेमिमा (नाबाद) ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और 14.1 ओवर में 3 विकेट पर 112 रन बनाकर भारत को 7 विकेट से जीत दिला दी। जेमिमा ने चौका लगाकर भारत को जीत तो दिलाई ही साथ ही टी-20 आई में 2 हजार रन भी पूरा कर लिया। पाकिस्तान के लिए अरुब शाह ने 2 और नाशरा संधू ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों, खासकर दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने दांबुला में महिला एशिया कप अभियान के अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 19.2 ओवर में सिर्फ 108 रन पर ढेर कर दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम की शुरुआत खराब रही। तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने दूसरे ओवर में गुल फेरोखा (5) को आउट कर दिया, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उनका शानदार कैच लपका। 1.4 ओवर में पाकिस्तान का स्कोर 9/1 था। मुनीबा अली और सिदरा अमीन ने भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ कुछ बाउंड्री लगाते हुए टीम को वापसी दिलाने की कोशिश की, लेकिन उनकी बल्लेबाजी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई और जेमिमा रोड्रिग्स ने कवर क्षेत्र में शानदार कैच लपककर वस्त्राकर को उनका दूसरा विकेट दिलाया। मुनीबा 11 गेंदों में दो चौकों की मदद से 11 रन बनाकर आउट हो गईं। पाकिस्तान का स्कोर 3.5 ओवर में 26/2 था।

शरवरी वाघ

ने स्पाई यूनिवर्स अल्फा को लेकर की खुलकर बात, बताया इंडस्ट्री में ये एक्ट्रेस हैं उनकी आदर्श

बंटी और बबली 2 से इंडस्ट्री में कदम रखने वाली एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म मुंज्या की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस मूवी और इसमें उनके अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया था। यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर हिट भी हुई। एक्ट्रेस वह जल्द ही आलिया भट्ट के साथ स्पाई यूनिवर्स अल्फा का हिस्सा बनने वाली हैं।अब हाल ही में शरवरी ने इस स्पाई यूनिवर्स अल्फा का हिस्सा बनने के बारे में खुलकर बात की है और साथ ही यह भी बताया है कि वह इंडस्ट्री में किसे अपना आदर्श मानती हैं।

आलिया संग काम करने को लेकर एक्साइटेड हैं शरवरी

हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या के बाद वह जुनैद खान की डेब्यू मूवी महाराज का भी हिस्सा बनी। इस फिल्मों में काम करके अब उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब उनसे अल्फा को लेकर बात की गई उन्होंने कहा कि वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनना अविश्वसनीय रूप से अभिभूत करने वाला है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह इस यूनिवर्स में शामिल होकर एन्जॉय कर रही हैं। साथ ही आलिया भट्ट के साथ काम करने को लेकर भी काफी एक्साइटेड हैं।

इन एक्ट्रेस को मानती हैं अपना आदर्श

शरवरी वाघ ने आगे बात करते हुए कहा कि मैं सेट पर आने, आलिया से सिखने और अपने सीन्स को अच्छे से निभाने के लिए एक्साइटेड हूं। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी आदर्श के बारे में भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक सपने का सच होना है। आलिया, दीपिका और कटरीना कैफ को वह अपना आदर्श मानती हैं।बता दें कि कुछ दिनों पहले ही वाईआरएफ ने अपने सोशल मीडिया पर इस मूवी का एक वीडियो शेयर करते हुए अनाउंसमेंट किया था। इस मूवी का निर्देशन शिव रवैल करने वाले हैं।

सुष्मिता सेन

की बेटी रेनी सेन ने बैड न्यूज़ में किया इंटर्न AD बनकर काम, पोस्ट शेयर कर बताया अनुभव

आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म %बैड न्यूज% का बज काफी समय से बना हुआ था और फैंस भी विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी स्टारर इस मूवी का इंतजार बेसब्री से कर रहे थे। ऐसे में अब यह फिल्म थिएटर्स में दस्तक दे चुकी है। धर्मा प्रोडक्शंस, अमेजन प्राइम और लियो मीडिया कलेक्टिव द्वारा निर्मित इस फिल्म की कहानी लोगों को पसंद आ रही है।वहीं, कुछ सेलेब्स ने भी फिल्म का रिव्यू शेयर कर दिया है। बता दें कि इस फिल्म में सुष्मिता सेन की बेटी रेनी ने भी इंटर्न असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद शेयर की है और साथ ही अपना अनुभव भी शेयर किया है।

नी ने शेयर की तस्वीरें

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन की बेटी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर स्क्रीनिंग से लेकर सेट तक की कई तस्वीरें शेयर की हैं। पहली फोटो में वह डायरेक्टर के साथ पोज देते नजर आ रही हैं और दूसरी फोटो में उन्होंने स्क्रीन की झलक दिखाई है, जहां क्रेडिट में उनका नाम आ रहा है। बाकी फोटोज में वह पर्दे के पीछे की झलक दिखा रही हैं।इन फोटोज को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि बैड न्यूज पर काम करना किसी संतुष्टि से कम नहीं रहा। यह फिल्म स्कूल जाने जैसा ही था या शायद उससे भी बेहतर। हमारे अद्भुत वरू ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैंने जीवन भर के लिए दोस्त बनाए हैं। मैं अपने निर्देशक आनंद तिवारी की बहुत आभारी हूं।

अच्छा था रेनी का अनुभव

इसके आगे उन्होंने लिखा कि इस अवसर के लिए धन्यवाद और मैं किसी दिन आपके निर्देशन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। इसके बाद उन्होंने कुछ लोगों को टैग करते हुए लिखा कि मुझे इतनी शानदार शुरुआत देने के लिए धन्यवाद। मुझे सिखाने और सभी यादों के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।आप मेरी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसे संभव बनाने के लिए रेशमा शेट्टी मैम का विशेष उल्लेख। हमने यह कर दिखाया टीम। बेहतरीन बैड न्यूज के लिए चीयर्स।

कटरीना कैफ को कैसी लगी विक्की कौशल की 'बैड न्यूज', फिल्म देखने के बाद दे दिया ऐसे रिएक्शन

आनंद तिवारी के डायरेक्शन में बनी विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. इस फिल्म में विक्की के साथ तृप्ति डिमरी और विक्की कौशल भी अहम रोल में हैं. ये एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है. इस पिक्चर को लोगों की तरफ से मिलेजुले रिस्पॉन्स मिल रहे हैं. हालांकि, विक्की कौशल अपने अंदाज से लोगों का दिल जीत रहे हैं. उनकी एक्टिंग और उनकी कॉमेडी टाइमिंग की तारीफ हो रही है.विक्की कौशल की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ भी ये फिल्म देख चुकी हैं. फिल्म देखने के बाद कटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है और बताया है कि उन्हें ये पिक्चर कैसी लगी है. चलिए जानते हैं कि इस फिल्म को लेकर उन्होंने क्या कहा है. कटरीना ने लिखा, यहां बहुत सारा मजा आया. इन पंजाबी लड़कों ने ब्रोमांस का नया मतलब बताया है. शानदार जोड़ी. विक्की कौशल, आप जिस आसानी के साथ काम करते हैं और स्क्रीन पर खुशी लेकर आते हैं, वो चीज हर बार मुझे हैरान कर देती है.

तृप्ति डिमरी और एमी विर्क के बारे में कटरीना ने क्या कहा ?

कटरीना ने एमी विर्क और तृप्ति डिमरी की भी तारीफ की है. एमी को लेकर कटरीना ने कहा, आपका हर एक सीन पसंद आया. तृप्ति के परफॉर्मेंस को भी कटरीना ने शानदार बताया. उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर आनंद तिवारी और प्रोड्यूसर करण जौहर को इस पिक्चर के लिए मुबारकबाद दी है.

बैड न्यूज' साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'गुड न्यूज' का सीक्वल है. 'गुड न्यूज' में अक्षय कुमार, करीना कपूर, कियारा आडवाणी और दिलजीत दोसांझ नजर आए थे. फिल्म ने लोगों को काफी एंटरटेन किया था और सुपरहिट साबित हुई थी. फिल्म ने इंडिया में 205.14 करोड़ की कमाई की थी. वहीं वर्ल्डवाइड कमाई का ये आंकड़ा 318 करोड़ था. अब देखना होगा कि कमाई के मामले में 'बैड न्यूज' कैसा कमाल दिखाती है.

कभी बिग बॉस में शामिल होने इंडिया आई थीं हार्दिक पंड्या की एक्स-वाइफ नताशा, और फिर..

हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक ने जॉइंट स्टेटमेंट के जरिए अपने अलग होने की जानकारी दी है. पिछले कई दिनों से हार्दिक और नताशा के तलाक की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं. इन खबरों के बीच नताशा न तो हार्दिक के साथ आईपीएल में नजर आईं, न ही वो टीम इंडिया के वर्ल्ड कप जीतने के जश्न में शामिल हुईं. इंडिया में आकर सिर्फ अंग्रेजी में बात करने वाली सर्बियन डांसर से लेकर गुजरात की बहू बनने तक का नताशा का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है और इस सब की शुरुआत हुई सलमान खान के बिग बॉस से.दरअसल बिग बॉस से पहले नताशा इंडिया तो आई थीं, लेकिन यहां रहने का उनका कोई इरादा नहीं था. वो सिर्फ बाकी एक शॉर्ट टर्म असाइनमेंट के लिए मुंबई आई थीं. उस समय बिग बॉस में एक फॉरेन कंटेस्टेंट को शामिल करने का ट्रेंड था. बिग बॉस के सीजन 7 में आईं स्वीडिश मॉडल एली एवराम से तो सलमान खान भी इम्प्रेस हुए थे. फिर सीजन 8 में यानी 2014 में बिग बॉस में नताशा की एंट्री हुई. लेकिन नताशा न तो ऑडियंस को इम्प्रेस कर पाईं, न ही सलमान खान को.

नहीं सीख पाईं हिंदी

बिग बॉस के घर में 28 दिन तक रहने के बावजूद नताशा हिंदी भी ठीक तरह से सीख नहीं पाईं. उन्हें देखकर लगता था कि उन्हें हिंदी सीखने में कोई दिलचस्पी नहीं है. बिग बॉस से लेकर 2019 में शुरू हुए नच बलिये तक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बीटीएस इंटरव्यू में नताशा ज्यादातर इंग्लिश में ही बात करती हुई नजर आती थीं. कुछ चंद बेसिक हिंदी के अलावा बाकी बातें उनके सर के ऊपर से जाती थीं. यही वजह है कि रियलिटी शो के बाद करियर में जो मुकाम एली और नोरा फतेही ने हासिल किया वो नताशा नहीं कर पाईं और उन्होंने हार्दिक से शादी करके घर बसाने का फैसला लिया.

एक्स-बॉयफ्रेंड के साथ किया था रियलिटी शो

हार्दिक से शादी करने से एक साल पहले नताशा अपने एक्स-बॉयफ्रेंड अली गोनी के साथ नच बलिए में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुई थीं. दरअसल नच बलिए के 9 वें सीजन में मेकर्स ने कपल के साथ-साथ एक्स-कपल को भी शामिल होने का मौका दिया था और नताशा-अली बतौर एक्स-बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड इस शो में शामिल हुए थे. डांसर नताशा और नॉन-डांसर अली की इस जोड़ी को रवीना टंडन और अहमद खान के पैनल ने 'नच बलिए' का 3हस्त रनर अप घोषित किया था.